शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022-2023)

कक्षा : ग्यारहवीं

इतिहास

मार्गदर्शन:

श्री अशोक कुमार
सचिव (शिक्षा)

श्री हिमांशु गुप्ता
निदेशक (शिक्षा)

डॉ. रीता शर्मा
अतिरिक्त शिक्षा निदेशक (स्कूल एवं परीक्षा)

समन्वयक:

श्री संजय सुभास कुमार
उप शिक्षा निदेशक (परीक्षा)

श्रीमती सुनीता दुआ
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री राजकुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

श्री कृष्ण कुमार
विशेष कार्याधिकारी (परीक्षा)

उत्पादन मंडल

अनिल कुमार शर्मा

दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो में राजेश कुमार, सचिव, दिल्ली पाठ्य पुस्तक ब्यूरो, 25/2, पंखा रोड, संस्थानीय क्षेत्र, नई दिल्ली द्वारा प्रकाशित तथा मैसर्स अरिहन्त ऑफसेट, नई दिल्ली द्वारा मुद्रित।

ASHOK KUMAR
IAS

सत्यमेव जयते

सचिव (शिक्षा)
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र
दिल्ली सरकार
पुराना सचिवालय, दिल्ली-110054
दूरभाष: 23890187 टेलीफैक्स : 23890119

Secretary (Education)
Government of National Capital Territory of Delhi
Old Secretariat, Delhi-110054
Phone : 23890187, Telefax : 23890119
E-mail : secyedu@nic.in

Message

Remembering the words of John Dewey, "Education is not preparation for life, education is life itself", I highly commend the sincere efforts of the officials and subject experts from Directorate of Education involved in the development of Support Material for classes IX to XII for the session 2022-23.

The Support Material is a comprehensive, yet concise learning support tool to strengthen the subject competencies of the students. I am sure that this will help our students in performing to the best of their abilities.

I am sure that the Heads of Schools and teachers will motivate the students to utilise this material and the students will make optimum use of this Support Material to enrich themselves.

I would like to congratulate the team of the Examination Branch along with all the Subject Experts for their incessant and diligent efforts in making this material so useful for students.

I extend my Best Wishes to all the students for success in their future endeavours.

(Ashok Kumar)

HIMANSHU GUPTA, IAS
Director, Education & Sports

सत्यमेव जयते

Directorate of Education
Govt. of NCT of Delhi
Room No. 12, Civil Lines
Near Vidhan Sabha,
Delhi-110054
Ph.: 011-23890172
E-mail : diredu@nic.in

MESSAGE

"A good education is a foundation for a better future."
- Elizabeth Warren

Believing in this quote, Directorate of Education, GNCT of Delhi tries to fulfill its objective of providing quality education to all its students.

Keeping this aim in mind, every year support material is developed for the students of classes IX to XII. Our expert faculty members undertake the responsibility to review and update the Support Material incorporating the latest changes made by CBSE. This helps the students become familiar with the new approaches and methods, enabling them to become good at problem solving and critical thinking. This year too, I am positive that it will help our students to excel in academics.

The support material is the outcome of persistent and sincere efforts of our dedicated team of subject experts from the Directorate of Education. This Support Material has been especially prepared for the students. I believe its thoughtful and intelligent use will definitely lead to learning enhancement.

Lastly, I would like to applaud the entire team for their valuable contribution in making this Support Material so beneficial and practical for our students.

Best wishes to all the students for a bright future.

(HIMANSHU GUPTA)

Dr. RITA SHARMA
Additional Director of Education
(School/Exam)

सत्यमेव जयते

Govt. of NCT of Delhi
Directorate of Education
Old Secretariat, Delhi-110054
Ph.: 23890185

संदेश

शिक्षा निदेशालय, दिल्ली सरकार का महत्वपूर्ण लक्ष्य अपने विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास करना है। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए शिक्षा निदेशालय ने अपने विद्यार्थियों को उच्च कोटि के शैक्षणिक मानकों के अनुरूप विद्यार्थियों के स्तरानुकूल सहायक सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया है। कोरोना काल के कठिनतम समय में भी शिक्षण अधिगम की प्रक्रिया को निर्बाध रूप से संचालित करने के लिए संबंधित समस्त अकादमिक समूहों और क्रियान्वित करने वाले शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ।

प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी कक्षा 9वीं से कक्षा 12वीं तक की सहायक सामग्रियों में सी.बी.एस.ई. के नवीनतम दिशा-निर्देशों के अनुसार पाठ्यक्रम में आवश्यक संशोधन किए गए हैं। साथ ही साथ मूल्यांकन से संबंधित आवश्यक निर्देश भी दिए गए हैं। इन सहायक सामग्रियों में कठिन से कठिन पाठ्य सामग्री को भी सरलतम रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि शिक्षा निदेशालय के विद्यार्थियों को इसका भरपूर लाभ मिल सके।

मुझे आशा है कि इन सहायक सामग्रियों के गहन और निरंतर अध्ययन के फलस्वरूप विद्यार्थियों में गुणात्मक शैक्षणिक संवर्धन का विस्तार उनके प्रदर्शनो में भी परिलक्षित होगा। इस उत्कृष्ट सहायक सामग्री को तैयार करने में शामिल सभी अधिकारियों तथा शिक्षकों को हार्दिक बधाई देती हूँ तथा सभी विद्यार्थियों को उनके उज्वल भविष्य की शुभकामनाएं देती हूँ।

रीता शर्मा

(रीता शर्मा)

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][**राष्ट्र की एकता और अखंडता**] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "प्रभुत्व संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य" के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3.1.1977 से) "राष्ट्र की एकता" के स्थान पर प्रतिस्थापित।

THE CONSTITUTION OF INDIA

PREAMBLE

WE, THE PEOPLE OF INDIA, having solemnly resolved to constitute India into a [1]**[SOVEREIGN SOCIALIST SECULAR DEMOCRATIC REPUBLIC]** and to secure to all its citizens :

JUSTICE, social, economic and political;

LIBERTY of thought, expression, belief, faith and worship;

EQUALITY of status and of opportunity; and to promote among them all

FRATERNITY assuring the dignity of the individual and the [2][unity and integrity of the Nation];

IN OUR CONSTITUENT ASSEMBLY this twenty-sixth day of November, 1949 do **HEREBY ADOPT, ENACT AND GIVE TO OURSELVES THIS CONSTITUTION.**

---

1. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Sovereign Democratic Republic" (w.e.f. 3.1.1977)
2. Subs. by the Constitution (Forty-second Amendment) Act, 1976, Sec.2, for "Unity of the Nation" (w.e.f. 3.1.1977)

भारत का संविधान

भाग 4क

नागरिकों के मूल कर्तव्य

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे;

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों;

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे;

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके; और

(ट) यदि माता-पिता या संरक्षक है, छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बालक या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

Constitution of India

Part IV A (Article 51 A)

Fundamental Duties

It shall be the duty of every citizen of India —

(a) to abide by the Constitution and respect its ideals and institutions, the National Flag and the National Anthem;

(b) to cherish and follow the noble ideals which inspired our national struggle for freedom;

(c) to uphold and protect the sovereignty, unity and integrity of India;

(d) to defend the country and render national service when called upon to do so;

(e) to promote harmony and the spirit of common brotherhood amongst all the people of India transcending religious, linguistic and regional or sectional diversities; to renounce practices derogatory to the dignity of women;

(f) to value and preserve the rich heritage of our composite culture;

(g) to protect and improve the natural environment including forests, lakes, rivers, wildlife and to have compassion for living creatures;

(h) to develop the scientific temper, humanism and the spirit of inquiry and reform;

(i) to safeguard public property and to abjure violence;

(j) to strive towards excellence in all spheres of individual and collective activity so that the nation constantly rises to higher levels of endeavour and achievement;

*(k) who is a parent or guardian, to provide opportunities for education to his child or, as the case may be, ward between the age of six and fourteen years.

Note: The Article 51A containing Fundamental Duties was inserted by the Constitution (42nd Amendment) Act, 1976 (with effect from 3 January 1977).

*(k) was inserted by the Constitution (86th Amendment) Act, 2002 (with effect from 1 April 2010).

शिक्षा निदेशालय

राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार

सहायक सामग्री

(2022-2023)

इतिहास

कक्षा : ग्यारहवीं

(हिन्दी माध्यम)

निःशुल्क वितरण हेतु

दिल्ली पाठ्य-पुस्तक ब्यूरो द्वारा प्रकाशित

CONTRIBUTORS

Team Leader	:	Mrs. Poonam Lao, Vice Principal GGSSS, Seemapuri, Delhi–110095.
Members	:	Ms. Ruchi Mishra (Lect. History) SKV Radhey Shyam Park, Delhi–110051. ID : 1003153
	:	Mrs. Neeta Singhal (Lect. History) SKV H-Block, Ashok Vihar Phase-I, Delhi–110052. ID : 1411026
	:	Mrs. Rachna Chawla (Lect. History) SKV No. 1, Chand Nagar, New Delhi–110018.
	:	Dr. Vinod Kumar (Lect. History) SBV–BT Block, Shalimar Bagh, Delhi–110088.
	:	Ravi Shankar (Core Academic Unit)
Translator (Urdu)	:	Imran Khan (Lect. History) SBV No. 1 (UM) Nama Masjid, Delhi–110006. ID : 2127002

HISTORY
CLASS XI (2022-23)
COURSE STRUCTURE
CLASS XI (2022-23)

One-Theory Paper 80 Marks 3 Hours

S.NO	THEMES	No. of Periods	Marks
1.	Introduction to World History	**10**	
	Section A: Early Societies		
2.	Introduction	5	
3.	Writing and City Life	20	10
	Section B: Empires		
4.	Introduction	5	
5.	An empire across three continents	20	10
6.	Nomadic Empires	20	10
	Section C: Changing Traditions Introduction	5	
7.	The Three Orders	20	10
8.	Changing Cultural Traditions	20	10
	Section D: Paths to Modernization		
9.	Introduction	5	
10.	Displacing Indigenous People	20	10
11.	Paths To Modernization	20	15
12.	MAP WORK OF THE RELATED THEMES	15	5
	Total		**80**
	Project work	**25**	**20**
	Total	**210**	**100 Marks**

CLASS-XI: THEMES IN WORLD HISTORY		
THEMES	**LEARNING OBJECTIVES**	**LEARNING OUTCOMES**
Writing and City Life Focus: Iraq, 3rd millennium BCEa) Growth of townsb) Nature of early urban societiesc) Historians' Debate on uses of writing	• Familiarize the learner with the nature of early urban entre's. • Discuss whetherwriting is significant as a marker of civilization.	At the completion of this unit students will be able to: • Compare and analyze the transformation from Neolithic toBronze Age Civilization in order to understand the myriad spheres of human development. • Elucidate the interwoven social and cultural aspects of civilization in order to understand the connection between city life and culture ofcontemporary civilizations. • Analyze the outcomes of asustained tradition of writing.
An Empire across Three Continents Focus: Roman Empire, 27 BCE to 600 CEa) Political evolutionb) Economic Expansion c) Religion-culturefoundationd) Late Antiquitye) Historians' view on the Institution of Slavery	• Familiarize the learner with the history of a major world empire • Discuss whether slavery was a significantelement in the economy.	At the completion of this unit students will be able to: • Explain and relate the dynamics ofthe Roman Empire in order to understand their polity, economy, society and culture. • Analyze the implications of Roman's contacts with the subcontinent Empires • Examine the domains of culturaltransformation in that period.

NOMADIC EMPIRES Focus: The Mongol, 13th to 14th century a) The nature of nomadism b) Formation of empires c) Conquests and relations with other states d) Historians' views on nomadic societies and state formation	• Familiarize the learner with the varieties of nomadic society and their institutions. • Discuss whether state formation is possible in nomadic societies.	At the completion of this unit students will be able to: • Identify the living patterns of nomadic pastoralist society. • Trace the rise and growth of Genghis Khan in order to understand him as an oceanic ruler. • Analyze socio-political and economic changes during the period of the descendants of Genghis Khan. • Distinguish between the Mongolian people's perspective and the world's opinion about Genghis Khan.
The Three Orders. **Focus:** Western Europe 13th- 16th century a) Feudal society and economy b) Formation of state c) Church and society d) Historians' views on decline of feudalism	• Familiarize the learner with the nature of the economy and society of this period and the changes within them. • Show how the debate on the decline of feudalism helps in understanding processes of transition.	At the completion of this unit students will be able to: • Explain the myriad aspects of feudalism with special reference to first, second, third and fourth order of the society. • Relate between ancient slavery and serfdom • Assess the 14th century crisis and rise of the nation states.

Changing Cultural Traditions Focus: Europe 14th-17th century a) New ideas and new trends in literature and arts b) Relationship with earlier ideas c) The contribution of West Asia d) Historians' viewpoint on the validity of thenotion 'European Renaissance	• Explore the intellectual trends in the period. • Familiarize students with the paintings and buildings of the period. • Introduce the debate around the idea of 'Renaissance'.	At the completion of this unit students will be able to • Analyze the causes, events, and effects of the Renaissance, Reformation, Scientific Revolution, and Age of Exploration. • Relate the different facets of Italian cities to understand the characteristics of Renaissance Humanism and Realism. • Compare and contrast the condition of women in the Renaissance period. • Recognize major influences on the architectural, artistic, and literary developments in order to understand the facades of Renaissance. • Critical analysis of the Roman Catholic Church by Martin Luther and Erasmus and their impact on later reforms. • Evaluate the Roman Catholic Church's response to the Protestant Reformation in the forms of the Counter and Catholic Reformations
Displacing Indigenous People **Focus:** North America and Australia, 18th to 20th century a) European colonists in North America and Australia b) Formation of White Settler societies c) Displacement and repression of local people d) Historians' view point on the impact of European settlement	• Sensitizer students to the processes of displacements that accompanied the development of America and Australia. • Understand the implications of such processes for the displaced populations.	At the completion of this unit students will be able to • Recount some aspects of the history of the native people of America to understand their condition. • To analyze the realms of settlement of Europeans in Australia and America. • Compare and contrast the lives and roles of indigenous people in these continents

on indigenous population		
Paths to Modernization Focus: East Asia, late 19th to 20th century a) Militarization and economic growth in Japan b) China and the communist alternative c) Historians' Debateon the meaning of modernization **(NOTE- Keeping in view the importance of the themes i.e. Japan, China andKorea; it is advised that all must be taught in the schools)** Map Work on The Related Themes	• Make students aware that transformation in the modern world takes many different forms. • Show how notions like 'modernization' need to be critically assessed.	At the completion of this unit students will be able to • Deduce the histories of China and Japan from the phase of imperialism to modernization • Explore the Japanese political, cultural and economic system prior to and after the Meiji Restoration. • Analyze the domains of Japanese nationalism prior and after the Second World War. • Summarize the nationalist upsurge in China from Dr Sun Yet Sen to Mao Ze Dong to understand the era of communism. • To analyze the Chinese path to modernization under Deng Xio Ping and Zhou en Lai in order to understand the transformation from rigid communism to liberal socialism.

HISTORY -027
Class XI (2022-23)

Project work
PROJECT WORK MM-20
INTRODUCTION

History is one of the most important disciplines in school education. It is the study of the past, which helps us to understand our present and shape our future. It promotes the acquisition and understanding of historical knowledge in breath and in depth across cultures.

The course of history in senior secondary classes is to enable students to know that history is a critical discipline, a process of enquiry, a way of knowing about the past rather than just a collection of facts. The syllabus helps them to understand the process, through which a historian collects, chooses, scrutinizes and assembles different types of evidence to write history.

The syllabus in class-XI is organized around some major themes in world history. CBSE has decided to introduce project work in history for class XI in 2013-14 as a part of regular studies in classroom, as project work gives students an opportunity to develop higher cognitive skills. It takes students to a life beyond text books and provides them a platform to refer materials, gather information, analyze it further to obtain relevant information and decide what matter to keep and hence understand how history is constructed.

OBJECTIVES

Project work will help students:

- To develop skill to gather data from a variety of sources, investigate diverse viewpoints and arrive at logical deductions.
- To develop skill to comprehend, analyze, interpret, evaluate historical evidence, and understand the limitation of historical evidence.
- To develop 21st century managerial skills of co-ordination, self-direction, and time management.
- To learn to work on diverse cultures, races, religions, and lifestyles.
- To learn through constructivism-a theory based on observation and scientific study.
- To inculcate a spirit of inquiry and research.
- To communicate data in the most appropriate form using a variety of techniques.
- To provide greater opportunity for interaction and exploration.
- To understand contemporary issues in context to our past.
- To develop a global perspective and an international outlook.
- To grow into caring, sensitive individuals capable of making informed, intelligent, and independent choices.
- To develop lasting interest in history discipline.

GUIDELINES TO TEACHERS

This section provides some basic guidelines for the teachers to take up projects in History. It is very necessary to interact, support, guide, facilitate and encourage students while assigning projects to them.

- The teachers must ensure that the project work assigned to the students individually/ In-groups and discussed at different stages right from assigning topic, draft review to finalization.
- Students should be facilitated in terms of providing relevant materials, suggesting websites, obtaining of required permission for archives, historical sites, etc.

- The Project Work should be suitably spaced from April to November in classes XI so that students can prepare for Final Examination.
- The teachers must ensure that the students submit original work.
- Project report should be Handwritten only. (Eco-friendly materials can be used by students) The following steps are suggested:
    1) Teacher should design and prepare a list of 15-20 projects and should give an option to a student to choose a project as per his/her interest.
    2) The project must be done individually / In-groups.
    3) The topic should be assigned after discussion with the students in the class to avoid repetition and should then be discussed at every stage of submission of the draft/final project work.
    4) The teacher should play the role of a facilitator and should closely supervise the process of project completion, and should guide the children by providing necessary inputs, resources etc. to enrich the subject content.
    5) The Project Work needs to enhance cognitive, affective, and psychomotor domains in the learners. It will include self-assessment and peer assessment, and progress of the child in project based and inquiry-based learning. Art integrated **Activities**, experiments, models, quizzes, role plays, group work, portfolios, etc., along with teacher assessment. (NEP-2020) The Project work can culminate in the form of Power Point Presentation/Exhibition/Skit/ albums/files/song and dance or culture show /story telling/debate/panel discussion, paper presentation and whichever is suitable to visually impaired candidates.
    6) Students can use primary sources available in city archives, Primary sources can also include newspaper cuttings, photographs, film footage and recorded written/speeches. Secondary sources may also be used after proper authentication.
    7) Evaluation will be done by external examiner appointed by the Board in class XII and internal in class XI.

Note: The project reports are to be preserved by the school till the final results are declared, for scrutiny by CBSE.

FEW SUGGESTIVE TOPICS FOR CLASS XI PROJECTS

1) Crusades: causes; rationale; events; outcomes; Holy Alliance
2) Ancient History in depth: Mesopotamia
3) Greek Philosophy and City States
4) Contributions of Roman Civilization

Guidelines for History Project Work: 20 Marks

One Project to be done throughout the session, as per the existing scheme.

1. Steps involved in the conduct of the project:

Students may work upon the following lines as a suggested flow chart:

Choose a Title/Topic

↓

Need of the Study, Objective of the Study

↓

Hypothesis

↓

Content -Timeline, Maps, Mind maps, Pictures, etc.

↓

(Organization of Material/Data

Present Material/Data)

Analyzing the Material/Data for Conclusion

Draw the Relevant Conclusion

Bibliography

2. Expected Checklist for the Project Work:

- Introduction of topic/title
- Identifying the causes, events, consequences and/or remedies
- Various stakeholders and effect on each of them
- Advantages and disadvantages of situations or issues identified
- Short-term and long-term implications of strategies suggested during research
- Validity, reliability, appropriateness, and relevance of data used for research work and for presentation in the project file
- Presentation and writing that is succinct and coherent in project file
- Citation of the materials referred to, in the file in footnotes, resources section, bibliography etc.

3. Assessment of Project Work:

- Project Work has broadly the following phases: Synopsis/ Initiation, Data Collection, Data Analysis and Interpretation, Conclusion.
- The aspects of the project work to be covered by students can be assessed during the academic year.
- 20 marks assigned for Project Work can be divided in the following manner:

PROJECT WORK: 20 Marks

The teacher will assess the progress of the project work in the following manner:

Month	Periodic Work	Assessment Rubrics	Marks
April -July	Instructions about Project Guidelines, Background reading Discussions on Theme and Selection of the Final Topic, Initiation/ Synopsis	Introduction, Statement of Purpose/Need and objectives of the study, Hypothesis/Research Question, Review of Literature, Presentation of Evidence, Methodology, Questionnaire, Data Collection.	6
August-October	Planning and organization: forming an action plan,feasibility, or baseline study, Updating/modifying the action plan, Data Collection	Significance and relevance of the topic; challenges encountered while conducting the research.	5
Novembe r - January	Content/data analysis and interpretation. Conclusion, Limitations, Suggestions, Bibliography,	Content analysis and its relevance in the current scenario. Conclusion, Limitations, Bibliography, Annexures and Overall Presentation.	5
January/ February	Annexures and overall presentation of the project. Final Assessment and VIVA by both Internal and External Examiners	External/ Internal Viva based on the project	4
		TOTAL	20

4. Viva-Voce

- At the end, each learner will present the research work in the Project File to the External and Internal examiner.
- The questions should be asked from the Research Work/ Project File of the learner.
- The Internal Examiner should ensure that the study submitted by the learner is his/her own original work.
  In case of any doubt, authenticity should be checked and verified.

GUIDELINES FOR PROJECT

Project Work : Important Information of Students

1. First Page : Write Project Work

   Topic/Subject: (Name of the chapter)

2. Second Page : Name of the student

   Class-XI Section

   Roll No. CBSE Roll No.

   Name of School-

   Session-2021-22

3. Third Page : Index
4. Fourth Page : Acknowledgment
5. Firth Page : Detail of Project Work
6. Bibliography : Website

   Book (Name of the author/authors)

   Magazine and Report

   News Papers

   Text Book

   Other support

7. Last Page : Teachers Comment

   (1) Collaboration and Participation

   (2) Presentation and neatness

   (3) Date of submission of project work

   (4) Total marks

   (5) Comment

   (6) Signature of Teachers and Date

Project should be hand written by the students.

(Not more than 15-20 pages)

Assessment

Allocation of Marks 20

The Marks will be allocated under the following heads:

Marks

1. Project synopsis 2
2. Timeline/Explanation and interpretation/Map work 5
3. Visual/overall Personation 4
4. Analysis/Data/Statistical Analysis 4
5. Bibliography 1
6. Viva 4 Total 20

Note: The project reports are to be preserved by the school will the final results are declared for scrutiny by CBSE.

Project Work

Suggested Topics

Chapter 2: Use timeline, pictures and map to show the process of urbanization and development of Mesopotamian civilization. Writing can be shown through models. Give complete information of the contribution of the civilization of Mesopotamia to the world.

Chapter 3: Show Roman Empire through pictures maps and timeline. The role of emperor, senate and the army, expansion of empire and downfall should be discussed.

Chapter 5: Using the maps, pictures and timeline explain Genghis Khan,expansion of his Empire his, military achievements, Yasa, Ulus system.

Chapter 6: Explain in detail three orders of French society i.e. Clergy, Nobility Pesants. Use of tables, flow charts, pictures, maps and timeline should be used for this project.

Chapter 7: During Humanistic Renaissance: Rise of cities, universities, realism, architecture, published books, new inventions by scientists and famous art works by artists should be shown through maps, pictures and timeline.

Cnapter 10: Show with the help of maps, timeline and maps the displacement of indigenous people, attitude of Government towards them and wave of change in this project.

Chapter 11: Show the process of modernization of China and Japan with the help of pictures, maps, and timeline in this project. (In all the project work data should be collected from different sources. Use the liberary and internet also).

विषय सूची

विषय		पृष्ठ सं.
	अनुभाग एक : प्रारंभिक समाज	
	कालक्रम एक : (6 लाख वर्ष पूर्व से 1 ई.पू.)	
2.	लेखन कला और शहरी जीवन	1
	अनुभाग दो : साम्राज्य	
	कालक्रम दो : (लगभग 100 ई.पू. से 1300 ईसवी)	
3.	तीन महाद्वीपों में फैला साम्राज्य	11
5.	यायावर साम्राज्य	24
	अनुभाग तीन : बदलती परंपराएँ	
	कालक्रम तीन : (लगभग 1300–1700)	
6.	तीन वर्ग	33
7.	बदलती हुई सांस्कृतिक परंपराएँ	41
	अनुभव चार : आधुनिकीकरण की ओर	
	कालक्रम चार : (लगभग 1700–2000)	
10.	मूल निवासियों का विस्थापन	47
11.	आधुनिकीकरण के रास्ते	54
12.	बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर	66
	अनुच्छेद आधारित प्रश्न	
	केस स्टडी आधारित प्रश्न/	79
	मानचित्र सम्बन्धित कार्य	88
	परियाजना कार्य हेतु मार्ग दर्शिका	105
	अभ्यास प्रश्न–पत्र	107
	चित्रों की सूची	131

विषय–2

लेखन कला और शहरी जीवन

स्मरणीय तथ्य

1.

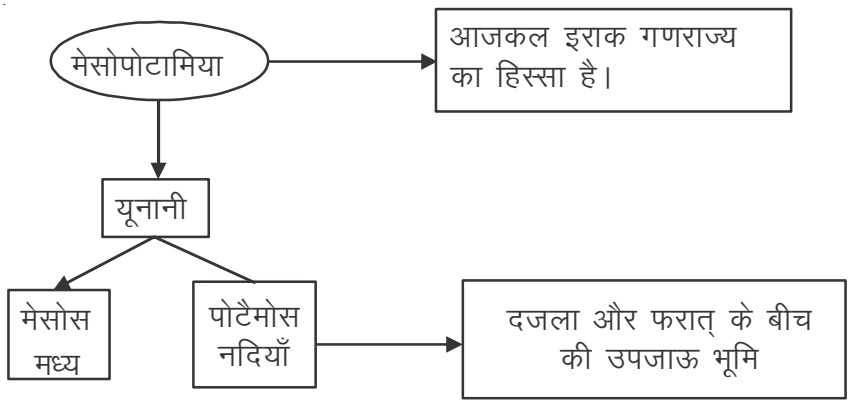

2. मेसोपोटामिया के बारे में जानकारी देने वाले स्रोत

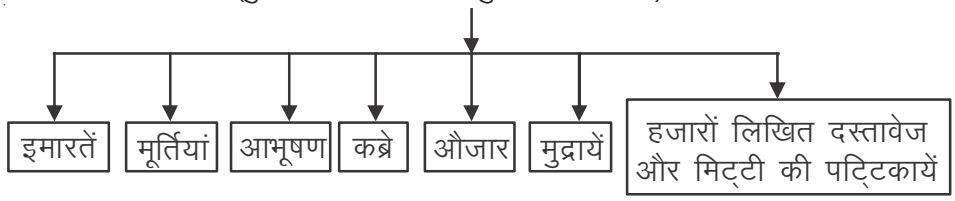

2.

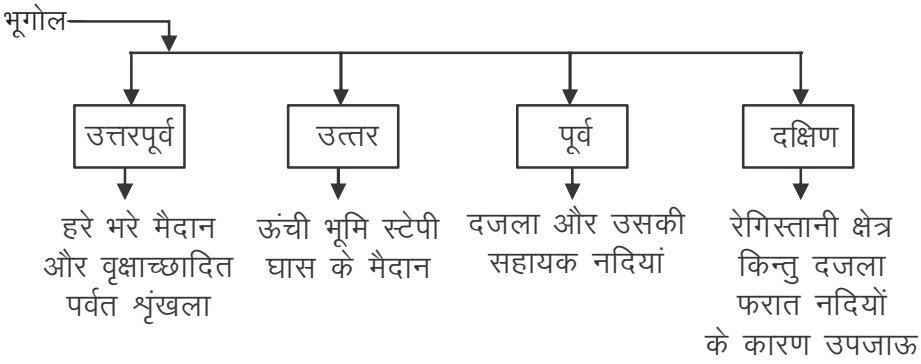

4. इसके शहरीकृत दक्षिणी भाग को सुमेर और अक्कद कहा जाता था, बाद में इस भाग को बेबीलोनिया कहा जाने लगा।

5. इसके उत्तरी भाग को असीरियाईयों के कब्जा होने के बाद असीरिया कहा जाने लगा।

6. सुमेरियन, अक्कदी तथा अरामाइक इसकी प्रमुख भाषाएँ थी।

7. इस सभ्यता में नगरों का निर्माण 3000 ई.पू. में प्रारम्भ हो गया था। उरूक, उर और मारी इसके प्रसिद्ध नगर थे।

8. यहाँ स्टेपी घास के मैदान हैं अतः खेती की तुलना में पशुपालन आजीविका का अच्छा साधन है। अतः यहाँ कृषि, पशुपालन एवं व्यापार आजीविका के विभिन्न साधन हैं।

9. यहाँ के लोग औजार बनाने के लिए काँसे का इस्तेमाल करते थे।

10. यहाँ के उरुक नगर में एक स्त्री का शीर्ष मिला है जो सफेद संगमरमर को तराश कर बनाया गया है – वार्का शीर्ष।

11. श्रम विभाजन एवं सामाजिक संगठन शहरी जीवन एवं अर्थव्यवस्था की विशेषता थे।

12. यहाँ खाद्य–संसाधन तो समृद्ध थे, परन्तु खनिज–संसाधनों का अभाव था, जिन्हें तुर्की, ईरान अथवा खाड़ी पार देशों से मंगाया जाता था।

13. यहाँ व्यापार के लिए जल मार्ग द्वारा परिवहन व्यवस्था अच्छी थी। फरात नदी व्यापार के लिए विश्व मार्ग के रुप में प्रसिद्ध थी।

14. शहरी अर्थव्यवस्था में हिसाब–किताब, लेन–देन, रखने के लिए, यहाँ लेखन कला का विकास हुआ।

15. लेखन कला – मेसोपोटामिया में जो पहली पट्टिकाएँ पाई गईं हैं वे लगभग 3200 ई.पू. की हैं, इन पर सरकण्डे की तीखी नोंक से कीलाकार लिपि द्वारा लिखा जाता था। इन पट्टिकाओं को धूप में सुखा लिया जाता था।

16. कीलाकार (क्यूनीफार्म) – यह लातिनी शब्द 'क्यूनियस', जिसका अर्थ खूँटी और फोर्मा जिसका अर्थ 'आकार' है, से मिलकर बना है।

17. मेसोपोटामिया में बहुत कम लोग पढ़े–लिखे थे चिन्हों की संख्या काफी पेचीदा तथा बहुत अधिक थी।

18. 1400 ई.पू. से धीरे–धीरे अरामाइक भाषा का प्रवेश हुआ, यह हिब्रू भाषा से मिलती–जुलती थी और 1000 ई.पू. के बाद यह व्यापक रूप से बोली जाने लगी थी और आज भी इराक के कुछ भागों में बोली जाती है।

19. मेसोपोटामिया में शहर मंदिरों के चारों ओर, व्यापार केन्द्रों के रुप में, एवं शाही शहरों के रुप में विकसित हुए। अर्थात् तीन प्रकार के शहर विकसित हुए।

20. मेसोपोटामिया के कुछ प्रारंभिक मंदिर साधारण घरों की तरह थे, अंतर केवल मंदिर की बाहरी दीवारों के कारण था जो कुछ खास अंतराल के बाद भीतर और बाहर की ओर मुड़ी होती थीं। 'उर' (चंद्र) एवं इन्नाना (प्रेम एवं युद्ध की देवी) यहाँ के प्रमुख देवी देवता थे।

21. 5000 ई.पू. से दक्षिण मेसोपोटामिया में बस्तियों का विकास होने लगा था, जिनमें से कुछ शहरों में परिवर्तित हो गए।

22. यहाँ उर नगर में नगर–नियोजन पद्धति का अभाव था, गलियां टेढ़ी–मेढ़ी एवं संकरी थी। जल–निकास प्रणाली अच्छी नहीं थी। उर नगर वासी घर बनाते समय शकुन–अपशकुन पर विचार करते थे।

23. 2000 ई.पू. के बाद फरात नदी की उर्ध्वधारा पर मारी नगर शाही राजधानी के रूप में फला–फूला। यह अत्यन्त महत्वपूर्ण व्यापारिक स्थल पर स्थित था। इसके कारण यह बहुत समृद्ध तथा खुशहाल था। यहाँ ज़िमरीलियम का राजमहल मिला है, तथा एक मंदिर भी मिला है।

24. एकल परिवार को आदर्श माना जाता था जिसमें पति–पत्नी और उनके बच्चे शामिल होते थे। पिता परिवार का मुखिया होता था। कानूनी दस्तावेजों (विवाह, उत्तराधिकार आदि से संबंधित) की यहाँ से जानकारी मिलती है।

25. काल–गणना और गणित की विद्वतापूर्ण परम्परा दुनिया को मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन है।

26. इस सभ्यता के लोग गुणा–भाग, वर्गमूल, चक्रवृद्धि ब्याज आदि से परिचित थे।

27. काल गणना के लिए यहाँ के लोगों ने एक वर्ष का 12 महीनों में, 1 महीने का 4 हफ्तों में, 1 दिन का 24 घंटों में तथा 1 घंटे का 60 मिनट में विभाजन किया था।

28. समय का यह विभाजन सिकंदर के उत्तराधिकारियों द्वारा अपनाया गया और वहाँ से यह रोम तथा इस्लाम की दुनिया में तथा बाद में मध्ययुगीन यूरोप में पहुँचा।

29. गिल्गेमिश – उरूक नगर का शासक था, महान योद्धा था, जिसने दूर–दूर तक के प्रदेशों को अपने अधीन कर लिया था।

30. असीरियाई शासक असुर बनिपाल ने बेबिलोनिया से कई मिट्टी की पट्टिकायें मंगवाकर निनवै में एक पुस्तकालय स्थापित किया था।

31. नैबोपोलास्सर ने 625 ई.पू. में बेबिलोनिया को असीरियाई आधिपत्य से मुक्त कराया था।

32. 331 ई.पू. में सिकंदर से पराजित होने तक बेबीलोन दुनिया का एक प्रमुख नगर बना रहा। नैबोनिडस स्वतंत्र बेबीलोन का अंतिम शासक था।

33. ओल्ड टेस्टामेन्ट में 'बुक ऑफ जेनेसिस' में 'शिमार' अर्थात सुमेर (इटों से बना शहर) का उल्लेख है।

बहुविकल्पीय प्रश्न –

1. मेसोपोटामिया सभ्यता की निम्न में से कौन सी विशेषता है?

   (क) शहरी/नगरीय सभ्यता (ख) लेखन कला का विकास

   (ग) सुदूर देशों से व्यापार (घ) उपरोक्त सभी।

2. वार्का शीर्ष कहाँ से प्राप्त हुआ है?

   (क) उर (ख) उरुक

   (ग) मारी (ग) बेबीलोन।

3. एनमर्कर किस शहर का शासक था?

(क) उरुक (ख) उर

(ग) सुमेर (घ) मारी।

4. शाही राजधानी के रुप में कौन सा शहर खूब फला फूला?

(क) मारी (ख) उर

(ग) उरुक (घ) बेबीलोन।

5. मेसोपोटामिया में एक पत्थर की मुद्रा बनाने वाले को पत्थर उकेरने के लिए किस ध ातु के औजार की जरुरत पड़ती थी?

(क) तॉबा (ख) काँसा

(ग) लोहा (घ) टिन।

6. मेसोपोटामिया की दुनिया को सबसे बड़ी देन क्या है ?

(क) कालगणना (ख) गणित की विद्वत्तापूर्ण परंपरा

(ग) क एवं ख दोनों (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

7. मेसोपोटामिया की प्रथम ज्ञात भाषा कौन सी थी?

(क) सुमेरी (ख) अक्कदी

(ग) क एवं ख दोनों (घ) कोई नहीं।

8. मेसोपोटामिया में बोली जाने वाली भाषायें कौन सी हैं?

(क) सुमेरी (ख) अक्कदी

(ग) अरामाइक (घ) उपरोक्त सभी।

9. गिल्गेमिश कहाँ का शासक था?

(क) उर (ख) उरुक

(ग) मारी (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।

10. पुरातात्विक सर्वेक्षणों के आधार पर निम्नलिखित में से किस शहर के बारे में यह ज्ञात होता है कि वह 250 हैक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ था?

(क) उर (ख) मारी

(ग) उरुक (घ) इनमें से कोई नहीं।

अति संक्षिप्त उत्तरीय प्रश्न –

1. मेसोपोटामिया का क्या अर्थ है?

(NCERT पृष्ठ सं. 29)

2. मेसोपोटामिया की सभ्यता किन नदियों के बीच विकसित हुई ?

(NCERT पृष्ठ सं. 29)

3. मेसोपोटामिया में पशुपालन के लिए प्रसिद्ध कौन से घास के मैदान थे ?

(NCERT पृष्ठ सं. 31)

4. शहरीकरण की विशेषता क्या थी ?

(NCERT पृष्ठ सं. 32)

5. मेसोपोटामिया में माल की आवाजाही का अच्छा प्रबंध किस प्रकार था ?

(NCERT पृष्ठ सं. 33)

6. मेसोपोटामिया में मिली पहली पट्टिका कब की है ?

(NCERT पृष्ठ सं. 33)

7. मेसोपोटामिया की लिपि क्या थी ?

(NCERT पृष्ठ सं. 34)

8. मेसोपोटामियाई लोग विभिन्न प्रकार की धातुएं एवं पत्थर कहाँ से आयात करते थे ?

(NCERT पृष्ठ सं. 33)

9. मेसोपोटामियाई लोग किन वस्तुओं का निर्यात करते थे ?

(NCERT पृष्ठ सं. 33)

10. मारी शहर की विशेषता बताइये ?

(NCERT पृष्ठ सं. 41)

11. मेसोपोटामिया के लोग कालगणना किस प्रकार करते थे ?

(NCERT पृष्ठ सं. 45)

12. गिल्गेमिश कौन था ?

(NCERT पृष्ठ सं. 45)

13. ज़िमरीलियम का राजमहल कहाँ स्थित है ?

(NCERT पृष्ठ सं. 43)

14. एक पुराकालीन पुस्तकालय किसने बनाया ?

(NCERT पृष्ठ सं. 46)

15. मेसोपोटामिया की समकालीन सभ्यता कौन सी थी ?

(NCERT पृष्ठ सं. 40)

लघु प्रश्न (3 अंक)

1. शहरों का विकास केवल ग्रामीण समृद्धि के बल पर ही हुआ है। मेसोपोटामिया के सन्दर्भ में समझाइए।
2. ''इराक भौगोलिक विविधताओं का देश है।'' इस कथन की चार बिन्दुओं द्वारा पुष्टि कीजिए।
3. श्रम–विभाजन किस प्रकार शहरी जीवन की विशेषता था? स्पष्ट कीजिए।
4. ''शहरी अर्थव्यवस्था में एक सामाजिक संगठन का होना आवश्यक है।'' स्पष्ट कीजिए।
5. मारी एक शहरी केन्द्र एवं व्यापारिक स्थल था, उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।

6. मेसोपोटामिया में लेखन–कला के विकास को साक्ष्यों के आधार पर समझाइए।

7. स्पष्ट कीजिए कि जमीन में प्राकृतिक उपजाऊपन होने के पश्चात् भी मेसोपोटामिया में कृषि कई बार संकटों से किस प्रकार घिर जाती थी?

8. स्पष्ट कीजिए कि मेसोपोटामिया में समकालीन नगर मोहनजोदड़ो के विपरीत उर नगर में नगर–नियोजन पद्धति का अभाव था।

9. खानाबदोश पशुचारक शहरी जीवन के लिए खतरा थे। तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।

10. मेसोपोटामिया में शहरीकरण का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

11. मेसोपोटामिया की मोहरों की बनावट और उपयोगिता का वर्णन कीजिए।

12. मेसोपोटामिया के बहुत कम लोग साक्षर थे, स्पष्ट कीजिए।

13. मेसोपोटामिया के प्रारंभिक मंदिरों की रचना घरों जैसी क्यों प्रतीत होती थी, स्पष्ट कीजिए।

14. मेसोपोटामिया में परिवार एवं विवाह के नियम किस प्रकार के थे, स्पष्ट कीजिए।

15. कुम्हार के चाक से किस प्रकार प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में एक युगान्तरकारी परिवर्तन आया।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक)

1. मंदिर मेसोपोटामिया की संस्कृति के अभिन्न अंग थे। स्पष्ट कीजिए।

2. 'सम्भवतः दुनिया को मेसोपोटामिया की सबसे बड़ी देन उसकी कालगणना और गणित की विद्वतापूर्ण परम्परा है।' उक्त कथन की तर्कसंगत व्याख्या कीजिए।

3. मेसोपोटामिया की प्रमुख उपलब्धियों को वर्णित कीजिए। (या) मेसोपोटामिया की सभ्यता की विश्व को क्या देन है? स्पष्ट कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक) उत्तर

1. • 5000 ई.पू. दक्षिणी मेसोपोटामिया में बस्तियों का विकास।

- कुछ प्राचीन शहर मंदिर के चारों ओर विकसित हुए।
- सबसे पहला ज्ञात मंदिर एक छोटा–सा देवालय था, जो कि कच्ची ईंटों का बना हुआ था।
- मंदिर विभिन्न प्रकार के देवी–देवताओं के निवास स्थान थे जैसे उर जो चंद्र देवता के और इन्नाना जो प्रेम व युद्ध की देवी थी।
- कुछ प्रारम्भिक साधारण मंदिर घरों जैसे ही होते थे क्योंकि मंदिर भी किसी देवता के घर होते थे।
- देवता पूजा का केन्द्र–बिन्दु होता था, लोग देवी–देवताओं के लिए अन्न, दही और मछली लाते थे।
- आराध्य देव सैद्धान्तिक रूप से खेतों, मत्स्य क्षेत्रों और स्थानीय लोगों के पशुध ान का स्वामी माना जाता था।
- समय आने पर उपज को उत्पादित वस्तुओं में बदलने की प्रक्रिया मंदिरों में ही की जाती थी।
- मंदिर ने धीरे–धीरे अपने क्रियाकलाप बढ़ा लिए।
- उस काल में मंदिर ना केवल धार्मिक केन्द्र थे अपितु आर्थिक–क्रियाओं से भी जुड़े थे।

2.
- मेसोपोटामिया की दुनिया को सबसे बडी देन उसकी कालगणना और गणित की विद्वत्तापूर्ण परम्परा है।
- 1800 ई.पू. के आस–पास की कुछ पट्टिकाएं मिली हैं जिनमें गुणा और भाग की तालिकाएं, वर्ग तथा वर्गमूल और चक्रवृद्धि ब्याज की सारणियां दी गई हैं।
- मेसोपोटामिया वासियों से ही हमें ज्ञात हुआ कि पृथ्वी के चारों ओर चंद्रमा की परिक्रमा के अनुसार एक पूरे वर्ष का 12 महीनों में विभाजन, एक महीने का 4 हफ्तों में विभाजन, एक दिन का 24 घंटों में विभाजन और एक घंटे का 60 मिनट में विभाजन किया गया। आज यह सब हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा है।

- सूर्य और चन्द्र ग्रहण घटित होने पर वर्ष, मास और दिन के अनुसार उनका हिसाब रखकर गणना की जाती थी।
- रात को आकाश में तारों और तारामंडल की स्थिति पर नजर रखते हुए गणना की जाती थी।

3. • लेखन कला।
- गणित की गणनाओं का विकास।
- शहरी जीवन तथा सामाजिक व्यवस्था।
- विद्यालय जैसी संस्थाएँ।
- 5000 ई.पू. बस्तियों का विकास।
- विवाह, उत्तराधिकार के मामलों में कानूनी दस्तावेजों का होना।
- मोहर : एक शहरी शिल्प कृति।
- शहरीकरण का महत्व – व्यापार, वार्का शीर्ष।

विषय–3
तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य

स्मरणीय तथ्य

1.

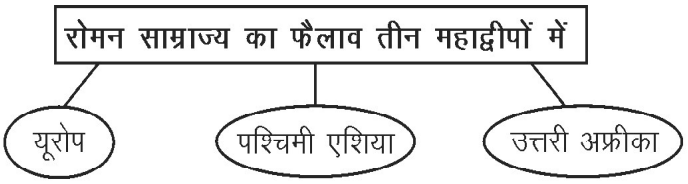

2.

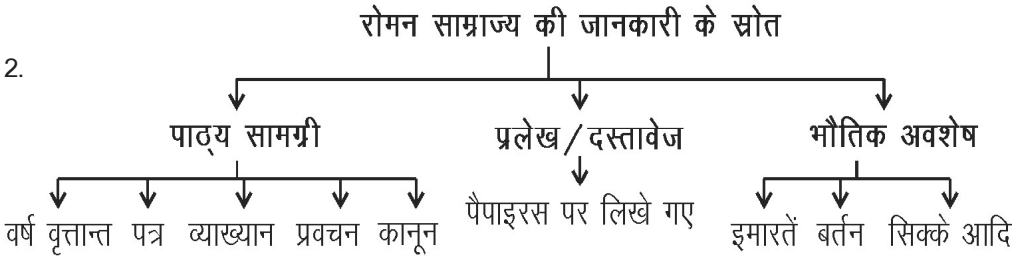

3. **रोमन साम्राज्य के चरण**

- **पूर्ववर्ती रोमन सम्राज्यः** तीसरी शताब्दी के मुख्य भाग तक की संपूर्ण अवधि को पूर्ववर्ती रोमन साम्राज्य कहा जाता है।
- **परवर्ती सम्राज्यः** तीसरी शताब्दी के बाद की अवधि को परवर्ती साम्राज्य कहा जाता है।

4. **रोमन साम्राज्य**

आरंभिक काल/पूर्ववती चरण

- 509 ई.पू. से 27 ई.पू. गणतंत्र शासन व्यवस्था
- 27 ई.पू. जूलियस सीज़र के दत्तक पुत्र ऑक्टेवियन द्वारा तख्ता पलटा तथा

ऑगस्टस नाम से रोम का शासक होना।

- ऑगस्टस काल – 1. प्रिंसेपेट की स्थापना, 2. शांति काल
- टिबेरियस – आगस्टस का गोद लिया पुत्र
- राजनीतिक इतिहास के तीन प्रमुख खिलाड़ी

सम्राट	अभिजात वर्ग	सेना
*सत्ता का वास्तविक स्रोत *उत्तराधिकारी नैसर्गिक या दत्तक **प्रमुख सम्राट** (i) जुलियस सजिर (ii) ऑगस्टस (iii) टिबेरियस (iv) त्राजान (v) नीरो	*धनवान परिवारों का एक समूह	*व्यावसायिक तथा वेतन भोगी सेना *सबसे बड़ा एकल संगठित निकाय

5. रोमन साम्राज्य का प्रशासन

- नियंत्रण तथा प्रशासन बड़े शहरों द्वारा।
- सरकार प्रांतों द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों पर कर लगाती।
- कार्थेज, सिकंदरिया तथा एटिऑक साम्राज्यिक प्रणाली के मूल आधार।
- स्थानीय उच्च वर्ग कर वसूली और प्रशासन में सहायक।
- उच्च प्रांतीय वर्ग एक नया संभ्रांत वर्ग।
- सम्राट गैलीनस ने सैनेटरों को सैनिक कमान से हटाया।

6. **मध्य का काल (तीसरी शताब्दी का संकट)**

- ईरान के ससानी वंश के शासकों ने रोमन साम्राज्य पर बार–बार आक्रमण किये
- जर्मन मूल की जनजातियों – फ्रैंक, एलमन्नाइ और गोथ–ने रोमन साम्राज्य के विभिन्न प्रांतों पर कब्जा किया।
- 47 वर्षों में रोम में 25 सम्राट सत्तासीन।
- साम्राज्य बेहद तनाव की स्थिति में।

7. रोमन साम्राज्य में लिंग, साक्षरता, संस्कृति –

(i) एकल परिवार का चलन।

(ii) महिलाओं की अच्छी स्थिति, संपत्ति में स्वामित्व व संचालन में कानूनी अधिकार होना।

(iii) कामचलाऊ साक्षरता।

(iv) सांस्कृतिक विविधता।

8. आर्थिक विस्तार –

(i) **आर्थिक आधारभूत ढ़ाँचा**–बंदरगाह, खानें, खदानें, ईंट के भट्टे, जैतून का तेल के कारखाने व्याप्त।

(ii) असाधारण उर्वरता के क्षेत्र होना।

(iii) सुगठित वाणिज्यिक व बैंकिंग व्यवस्था तथा धन का व्यापक प्रयोग।

(iv) तरल पदार्थों की ढुलाई के कन्टेनरों 'एम्फोरा'।

(v) स्पेन में उत्पादित जैतून का तेल 'ड्रेसल–20' नामक कन्टेनरों में ले जाया जाता था।

(vi) स्पेन की सोने और चाँदी की खानों में जल शक्ति से खुदाई।

9. रोमन साम्राज्य में श्रमिकों पर नियंत्रण –

(i) दासता की मजबूत जड़ें।

(ii) इटली में 75 लाख की आबादी में से 30 लाख दास।

(iii) दासों को पूंजी निवेश का दर्जा।

(iv) क्रूरतापूर्ण व्यवहार।

(v) ग्रामीण ऋणग्रस्तता।

(vi) दास प्रजनन को प्रोत्साहन।

(vii) श्रम निरीक्षण एक आम अवधारणा।

10. रोमन साम्राज्य में सामाजिक श्रेणियाँ–

प्रारंभिक राज्य

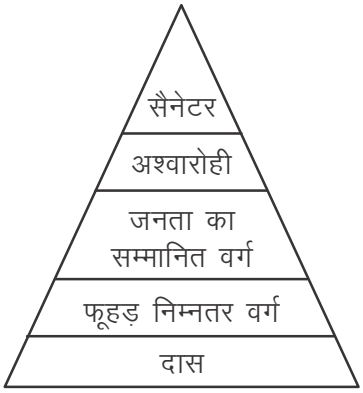

परिवर्तीकाल

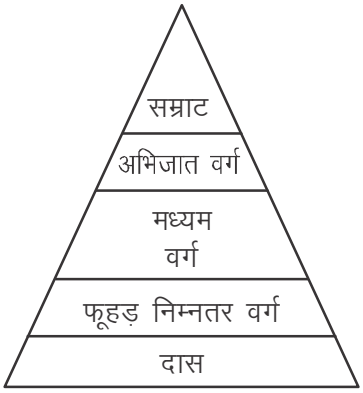

उच्च अधिकारी

* अमीर
* भ्रष्टाचारी
* लूट खसोट

11. परवर्ती पुरा काल

- चौथी से सातवीं शताब्दी।

- डायोक्लीशियन का शासन 284–305 ई॰।

(i) साम्राज्य को छोटा कर दिया।

(ii) सीमाओं पर किले बनवाए।

(iii) असैनिक कार्यों को सैनिक कार्यों से अलग किया।

(iv) सैन्य अधिकारियों को अधिक शक्तियां।

(v) प्रांतों का पुनर्गठन किया।

(vi) साम्राज्य को दो भागों में विभाजित किया – 1. पूर्वी रोमन साम्राज्य, तथा 2. पश्चिमी रोमन साम्राज्य।

- कॉन्सटेनटाइन शासक (307–337 ई॰)

(i) इसाई धर्म राज धर्म

(ii) सॉलिडस सोने का सिक्का

(iii) कुंस्तुनतुनियाँ राजधानी

(iv) व्यापार विकास

(v) नयी प्रौद्योगिकियों मे निवेश

- जस्टीनियन शासक (527–565 ई॰)

12. रोमन साम्राज्य का अंत –

(i) बाहरी आक्रमण।

(ii) उत्तर में जर्मन मूल के समूह का आक्रमण।

(iii) 'रोमोत्तर' (Post Roman) राज्य की स्थापना।

(iv) पूर्वी प्रांतों पर ईरान के ससानीयों का आक्रमण।

(v) दास विद्रोह

(vi) राजा का कमजोर पड़ जाना।

(vii) इस्लाम का फैलना।

बहुविकल्पीय प्रश्न –

1. रोमन साम्राज्य में लेखन सामग्री के लिए निम्न में से किसका बहुतायत से प्रयोग होता था?

   (क) कागज (ख) पैपाइरस पत्र

   (ग) धातु की पट्टिकायें (घ) मिट्टी की पट्टिकायें

2. उत्तर में रोमन साम्राज्य की सीमा का निर्धारण निम्न में से कौन सी नदी करती थी?–

   (क) राइन (ख) डैन्यूब

   (ग) दजला–फरात (घ) क एवं ख दोनों

3. प्रिंसिपेट की स्थापना किसने की?

   (क) सीजर (ख) जस्टीनियन

   (ग) ऑगस्टस (घ) टिबेरियस

4. शांति काल के रुप में किस शासक का काल याद किया जाता है?

   (क) ऑगस्टस (ख) टिबेरियस

   (ग) कॉन्सटैनटाइन (घ) जस्टीनियन

5. रोमन साम्राज्य में अर्थव्यवस्था के लिए मुख्य व्यापारिक मदें क्या थी ?

   (क) गेहूँ

   (ख) अंगूरी शराब

   (ग) जैतून का तेल

   (घ) उपरोक्त सभी

6. रोमन साम्राज्य एक आधुनिक समाज था इस के/का कारण–

(i) रोमन समाज में एकल परिवार व्यापक था।

(ii) महिलाओं को कानूनी अधिकार थे।

(iii) दासों को पूँजी निवेश का दर्जा।

सही विकल्प चुनिए।

(क) केवल (i) और (ii)

(ख) केवल (ii) और (iii)

(ग) केवल (i)

(घ) उपरोक्त सभी।

7. युग्म सुमेलित कीजिए।

सूची–I	**सूची–II**
(A) कैम्पैनिया	(1) मिस्त्र
(B) फैय्यूम	(2) ट्यूनीशिया
(C) बाएटिका	(3) इटली
(D) बाइजैकियम	(4) स्पेन

सही विकल्प चुनिए।

(क) (A)—(2), (B)—(3), (C)—(1), (D)—(4)

(ख) (A)—(3), (B)—(1), (C)—(4), (D)—(2)

(ग) (A)—(1), (B)—(2), (C)—(3), (D)—(4)

(घ) (A)—(1), (B)—(2), (C)—(4), (D)—(3)

8. नीचे दिए गए चित्र को ध्यानपूर्वक देखिए और इस इमारत का नाम बताऐं।

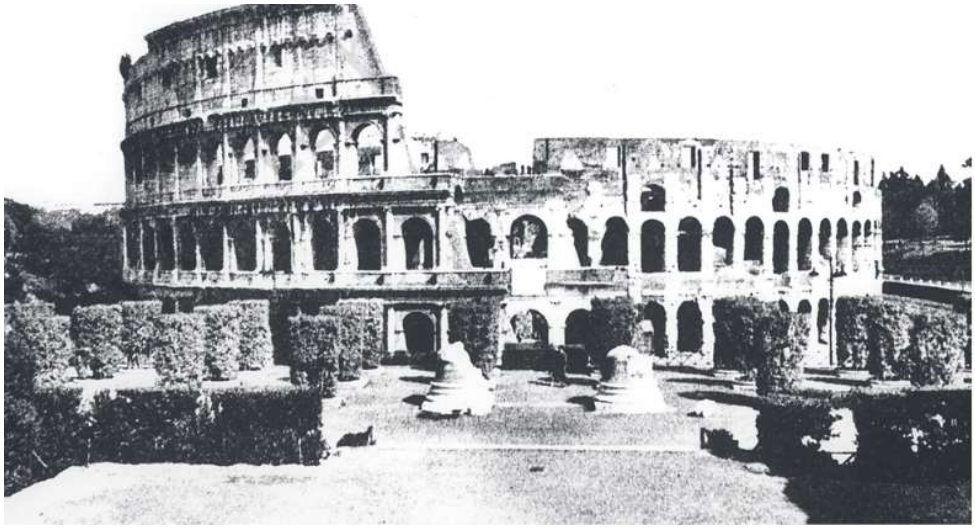

9. निम्नलिखित में से कौन–सी वस्तुकला रोमन साम्राज्य से संबंधित नहीं है?

(क) रंगशाला

(ख) कोलोसियम

(ग) जलसेतु

(ब) कथीड्रल

10. कथन– कॉन्स्टैनटाइन ने सॉलिडस नाम का एक नया सोने का सिक्का चलाया।

कारण– स्पेन की खानों से चाँदी मिलनी बंद हो गयी थी।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कथन कारण का स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन का स्पष्टीकरण देता है।

अति संक्षिप्त प्रश्न –

1. दीनारियस क्या था?

   (NCERT पृष्ठ सं. 62)

2. भूमध्यसागर के तटों पर स्थापित बड़े रोमन शहरी केन्द्र कौन से थे?

   (NCERT पृष्ठ सं. 62)

3. रोमन साम्राज्य के शहरी लोगों के पास कौन से मनोरंजन के साधन उपलब्ध थे?

   (NCERT पृष्ठ सं. 62)

4. एम्फोरा किसे कहते हैं?

   (NCERT पृष्ठ सं. 66)

5. रोमन साम्राज्य के किसी एक क्षेत्र का नाम लिखिये जो बहुत कम उन्नत अवस्था में था तथा यहाँ देहाती क्षेत्रों में ऋतुप्रवास होता था?

   (NCERT पृष्ठ सं. 67)

6. दास समूहों के प्रयोग की यह कहकर निंदा किसने की है कि यह उत्पादन आयोजित करने का सबसे खराब तरीका है?

   (NCERT पृष्ठ सं. 69)

7. रोमन साम्राज्य में जनता का सम्माननीय वर्ग कौन सा था, जिसका संबंध महान घरानों से था?

   (NCERT पृष्ठ सं. 70)

8. दास जानबूझकर ऋण अनुबंधों को क्यों स्वीकार कर लेते थे?

   (NCERT पृष्ठ सं. 69)

9. कुस्तुनतुनियॉ को पहले किस नाम से जाना जाता था?

   (NCERT पृष्ठ सं. 72)

10. सम्राट गैलीनस ने सैनेट की शक्ति को कम करने के लिए कौन–सा कदम उठाया।

(NCERT पृष्ठ सं. 66)

11. पश्चिमी रोमन साम्राज्य के सभी बड़े प्रांतों पर छठी शताब्दी में किन सूमहों (लोगों) ने कब्जा किया?

(NCERT पृष्ठ सं. 73)

लघु प्रश्न (3 अंक वाले) –

1. ''रोमन साम्राज्य सांस्कृतिक दृष्टि से विविधतापूर्ण साम्राज्य था।'' कथन को उचित तर्क देकर स्पष्ट कीजिए।
2. सम्राट डायोक्लीशियन ने रोमन साम्राज्य में कौन से परिवर्तन किए थे?
3. सम्राट कान्स्टैनटाइन की मुख्य उपलब्धियों का वर्णन कीजिए।
4. रोम साम्राज्य में 'रिपब्लिक' यानी गणतंत्र की स्थिति की समीक्षा कीजिए।
5. रोम साम्राज्य के तीसरी शताब्दी के संकट की व्याख्या कीजिए।
6. रोम साम्राज्य के शहरी जीवन की मुख्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।
7. रोम साम्राज्य में दासों की स्थिति और महत्व का अवलोकन कीजिए।
8. रोम साम्राज्य के विभिन्न भागों में साक्षरता की दर अलग–अलग थी। उदाहरण देकर स्पष्ट कीजिए।
9. रोमन साम्राज्य के पतन के कारणों का संक्षिप्त विवरण कीजिए।
10. रोमन साम्राज्य में 'दास प्रजनन' क्यों शुरू हुआ?
11. रोमोत्तर राज्य किन्हें कहा गया एवं क्यों?

दीर्घ उत्तर वाले प्रश्न (8 अंक वाले प्रश्न) –

1. रोमन साम्राज्य की सामाजिक विशेषताओं की विवेचना कीजिए।

2. रोम साम्राज्य की विश्व को देन की विवेचना कीजिए।

3. 'रोम सेना, रोम साम्राज्य का महत्वपूर्ण अंग थी' कथन का औचित्य निर्धारित करते हुए व्याख्या कीजिए।

4. रोमन समाज और अर्थव्यवस्था को आधुनिक दर्शाने वाले अभिलक्षण कौन से थे? व्याख्या कीजिए।

5. यूनान और रोम वासियों की धार्मिक संस्कृति की व्याख्या कीजिए।

दीर्घ प्रश्नों के उत्तर (8 अंक) उत्तर

1. 1) एकल परिवार का स्वरूप
   2) परिवार में दास शामिल
   3) महिलाओं को स्वामित्व व संचालन का अधिकार
   4) महिलाओं को कानूनी स्वतंत्रता
   5) तलाक देना आसान
   6) विवाह परिवार द्वारा एवं विवाह की आयु
   7) काम चलाऊ साक्षरता
   8) सांस्कृतिक विविधता विद्यमान
   9) अनेक भाषाएँ
   10) शहरी जीवन

2. 1) साम्राज्य स्थापना
   2) राज्य प्रबंध की शिक्षा
   3) सैनिक संगठन
   4) रोमन कानून

5) ईसाई धर्म का प्रचार

6) धार्मिक सहनशीलता

7) सड़कें और पुल

8) भवन–निर्माण कला (वास्तुकला)

9) साहित्य व दर्शन

10) भाषा

11) शहरी जीवन

12) व्यापार

3. सैनिक प्रबंध की विशेषताएँ :

1) रोम सेना राजनीति की महत्वपूर्ण संस्था

2) व्यावसायिक सेना

3) सेवा करने की अवधि निश्चित होना

4) सबसे बड़ा एकल निकाय

5) सैनेट में सेना का डर

6) मतभेद होने पर गृहयुद्ध

7) आंदोलन व विद्रोह

8) शासक अथवा सम्राटों का भाग्य निर्धारित करने की शक्ति

4. रोमन समाज और अर्थव्यवस्था को आधुनिक दर्शाने वाले अभिलक्षण :

1) रोमन समाज : 1. उच्च वर्ग की कर वसूली

2. प्रशासन के कार्य में सक्रिय सहायता

3. संभ्रांत वर्ग

4. एकल परिवार

5. महिलाओं की स्थिति

6. सांस्कृतिक विविधता

7. साक्षरता

8. शहरी जीवन

2) अर्थव्यवस्था : 1. मजबूत अर्थव्यवस्था

2. कंटेनरों का प्रयोग – एम्फोरा, ड्रेसल–20

3. निर्यात – वस्तुएं/उत्पाद, केन्द्र

4. जलशक्ति का प्रयोग

5. औद्योगिक पैमाने पर खानों से खनिज निकालना

6. संगठित व्यापार

7. बैंकिंग व्यवस्था

8. धन का व्यापक प्रयोग

5. यूनान तथा रोम वासियों की धार्मिक संस्कृति।

1) बहुदेववादी संस्कृति

2) अनेक देवी–देवता

3) मंदिर, मठ और देवालय का निर्माण

4) अनेक पंथो एवं उपासना पद्धति में विश्वास

5) स्वयं को एक नाम से न पुकारना

6) यहूदी धर्म

7) ईसाईकरण होना

8) भिन्न–भिन्न धार्मिक समुदायों के बीच कठोर सीमाएँ न होना

9) शक्तिशाली विशपों द्वारा कड़ाई से धार्मिक विश्वासों तथा रीति–रिवाजों का पालन करने का पाठ पढ़ाना।

विषय–5

यायावर साम्राज्य

स्मरणीय तथ्य

1. **यायावर समाजों के ऐतिहासिक स्रोत**

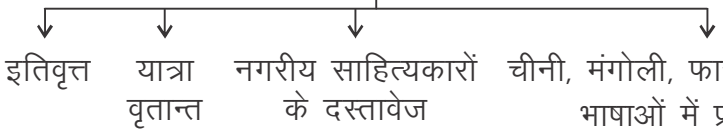

2. यायावर साम्राज्य की अवधारणा विरोधात्मक प्रतीत होती है, क्योंकि यायावर लोग मूलतः घुमक्कड़ होते हैं। मध्य एशिया के मंगोलों ने पार महाद्वीपीय साम्राज्य की स्थापना की और एक भयानक सैनिक तंत्र और शासन संचालन की प्रभावी पद्धतियों का सूत्रपात किया।

3. मध्य–एशिया के स्टेपी प्रदेश में, तेरहवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में चंगेज खान ने मंगोलों को संगठित किया। मंगोल विविध जन समुदाय का एक निकाय थे जिनमें तातार, खितान, मंचू व तुर्की कबीले शामिल थे। ये लोग पशुपालक, शिकारी संग्राहक थे और कृषि कार्य नहीं करते थे। इन्हें मंगोल कहा गया। नृजातीय और भाषायी संबंधों ने मंगोलों को परस्पर जोड़ रखा था।

4. स्टेपी क्षेत्र में संसाधनों की कमी के कारण मंगोलों तथा मध्य एशिया के यायावरों को व्यापार एवं वस्तु–विनिमय के लिए पड़ोस में स्थित चीन में जाना पड़ता था। चीनी लोगों को यह शिकार किए गए पशु, घोड़े तथा फर देकर बदले में कृषि उत्पाद तथा लोहे के उपकरण लाते थे।

5. 'बर्बर' शब्द यूनानी भाषा के बारबरोस शब्द से उत्पन्न हुआ है जिसका तात्पर्य गैर–यूनानी लोगों से है।

6. यायावर कबीले चीन पर बार–बार आक्रमण करते थे और नगरों को लूट लेते थे। उनके आक्रमणों से चीन की सुरक्षा के लिए चीनी शासकों ने 'महान दीवार' बनाई।

7. चंगेज खान, जिसका प्रारंभिक नाम तेमुज़िन था, 1206 तक उसने अपने शत्रुओं को निर्णायक रूप से पराजित कर दिया था और स्टेपी क्षेत्र का सबसे प्रभावशाली व्यक्ति बन गया। इसीलिए 1206 में कुरिलताई की एक सभा में उसे चंगेज खान 'समुद्री खान' या 'सार्वभौम शासक' की उपाधि के साथ मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।

8. **चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियाँ**

- सेना में कुशल घुडसवार
- सेना में तीरंदाजी का अद्‌भुत कौशल
- सशक्त एवं अनुशासित सैन्य शक्ति
- घेराबंदी यंत्र
- नेफ्था बमबारी
- अभियानों में हल्के, चल उपस्करों का उपयोग

9. चंगेज़ खान द्वारा सेना का पुनर्गठन – प्राचीन जनजातीय समूहों को विभाजित कर उनके सदस्यों का नवीन सैनिक इकाइयों में विभाजन। तुमन – सेना की सबसे बडी इकाई (दस हजार सैनिको की टुकडी जिसमें अनेक कुल और कबीले के लोग शामिल।

10. नयी सैनिक टुकडियों को, जो उसके चार पुत्रों के अधीन थी, नोयान कहा जाता था।

11. अपने राज्य के दूर दराज के स्थानों में परस्पर सम्पर्क रखने के लिए फुर्तीली हरकारा पद्धति अपनाई। अपेक्षित दूरी पर निर्मित चौकियों में स्वस्थ व बलवान घोड़े तथा घुड़सवार संदेशवाहक तैनात थे, इसके लिए मंगोल अपने घोड़े या अन्य पशुओं का दसवाँ हिस्सा कुबकुर प्रदान करते थे।

12. चंगेज खान ने नवविजित प्रदेशों का शासन अपने चार पुत्रों को सौंप दिया। इस प्रकार चार उलुस का गठन हुआ।

13. तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलों का एक एकीकृत जनसमूह बन गया था जिन्होंने एक विशाल साम्राज्य का निर्माण किया। उन्होंने अत्यंत जटिल शहरी समाजों पर

शासन किया जिनके अपने–अपने इतिहास, संस्कृतियां और नियम थे। अपने साम्राज्य पर राजनीतिक प्रभुत्व होने के बावजूद संख्यात्मक रूप से मंगोल अल्पसंख्यक रहे। अपनी पहचान और विशिष्टता की रक्षा के लिए उन्होंने 'यास' विधि संहिता को अपनाया।

14. 'यास' को प्रारंभिक स्वरूप में यसाक लिखा जाता था। इसे चंगेज खान ने सन् 1206 ई. में कुरिलताई में लागू किया था। इसका अर्थ था – विधि, आज्ञप्ति व आदेश। इसमें प्रशासनिक विनियम हैं जैसे आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।

15. मंगोलों के पतन के मूल कारण थे :

1) उनकी संख्या बहुत कम थी और वह अपनी प्रजा की अपेक्षा कम सभ्य थे।

2) आपसी विरोध व अपनी सभ्यता को विजित देशों की सभ्यता में मिलाना।

3) मंगोलों द्वारा अन्य धर्मों को अपनाया जाना।

16.

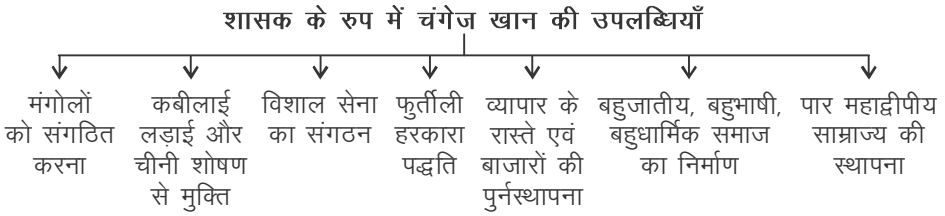

17. अब मंगोलिया एक स्वतंत्र राष्ट्र है, और चंगेज खान एक महान राष्ट्रनायक के रूप में तथा आराध्य शक्ति के रूप में मान्य है।

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुने। (अति लघु प्रश्न – 1 अंक वाले)

1. मंगोलों का प्रमुख व्यवसाय क्या था?

(क) कृषि (ख) पशुपालन एवं शिकारी संग्राहक

(ग) ज्योतिष (घ) शिल्पकारी

2. 'बर्बर' एक यूनानी भाषा का शब्द है जिसका अर्थ है –

(क) हिंसक (ख) शक्तिशाली

(ग) गैर यूनानी (घ) शिकारी

3. चीन की 'महान दीवार' का निर्माण क्यों किया गया?

(क) राज्य की सुंदरता में वृद्धि के लिये।

(ख) व्यापार में वृद्धि के लिये।

(ग) कृषि क्षेत्र में किलेबंदी के लिये।

(घ) यायावर कबीलों के आक्रमण से चीन की सुरक्षा के लिये।

4. चंगेज खान ने चार पुत्रों के अधीन उसकी नई सैनिक टुकड़ियों को क्या कहा जाता था?

(क) नोयान (ख) यास

(ग) हरकारा पद्धति (घ) कुबकुर

5. मंगोलिया में चंगेज खान को किस रुप में मान्यता प्राप्त है?

(क) दार्शनिक के रुप में (ख) बर्बर शासक के रुप में

(ग) यायावर सम्राट के रुप में (घ) महान राष्ट्रनायक के रुप में

6. चंगेज खान का प्रारंभिक नाम क्या था?

(क) तेमुजिन (ख) तुगरिल खाँ

(ग) बाधूरचू (घ) इनमें से कोई नहीं

7. मंगोल कबीले के सरदारों की सभी 'कुरिलताई' ने चंगेज खान को किस उपाधि से विभूषित किया?

(क) समुद्री खान (ख) बादशाह खान

(ग) जहांदार खान (घ) जोची खान

निम्न वाक्यों को पढ़कर सही/गलत के चिन्ह लगाएँ

1. चंगेज खान का प्रारंभिक नाम येसूजेई था।
2. हरकारा पद्धति द्वारा राज्य के दूर–दराज के स्थानों में परस्पर सम्पर्क रखा जाता था।
3. मंगोल शासन बहुजातीय, बहुभाषी और बहुधार्मिक था।
4. 'बर्बर' एक फारसी शब्द है जिसका अर्थ है 'क्रूर'।
5. चंगेज खान ने संकेत किया था कि उसका तीसरा पुत्र ओगोदेई उसका उत्तराधिकारी होगा और उसे महान खान की उपाधि दी जाएगी।

निम्न प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षिप्त रुप में दो। (अति लघु प्रश्न – 1 अंक वाले)

1. मध्य एशिया के यायावरों को चीन क्यों जाना पड़ता था?

   (NCERT पृष्ठ सं. 109)

2. चंगेज खान को किस उपाधि के साथ मंगोलो का महानायक घोषित किया गया?

   (NCERT पृष्ठ सं. 111)

3. मंगोलों द्वारा हरकारा पद्धति के लिये प्रदान किये गये अपने घोड़ों एवं अन्य पशुओं के दसवें हिस्से को क्या कहते थे?

   (NCERT पृष्ठ सं. 116)

4. यायावर लोग मूलतः कौन थे?

   (NCERT पृष्ठ सं. 104)

5. अपनी पहचान एवं विशिष्टता बनाए रखने के लिये मंगोलों ने किस विधि संहिता को अपनाया?

   (NCERT पृष्ठ सं. 119)

6. चंगेज खान की सेना की सबसे बड़ी इकाई क्या कहलाती थी?

   (NCERT पृष्ठ सं. 115)

लघु प्रश्न (3 अंक वाले)

1. विजित प्रदेश के लोगों को अपने यायावर शासकों से कोई लगाव नहीं था। इसके लिए उत्तरदायी कारणों को लिखिए।
2. मंगोल कबीलों को नवीन सामाजिक और सैनिक इकाइयों में विभक्त करने की आवश्यकता क्यों अनुभव की गई?
3. मंगोलो के सैनिक प्रबंधन पद्धति क्या थी? उसकी क्या विशेषताएँ थी?
4. चंगेज खान की हरकारा पद्धति क्या थी? उसकी क्या विशेषताएँ थी?
5. चंगेज खान के चार पुत्रों के नाम लिखकर इनके द्वारा शासित प्रदेशों का संक्षिप्त विवरण दीजिए।
6. जमूका कौन था? चंगेज खान ने जमूका को परास्त करने के लिए कौन–सी नीति अपनाई?
7. मंगोलों के इतिहास पर विश्वास न करने के क्या कारण हैं?
8. मंगोलों की सामाजिक स्थिति का उल्लेख कीजिए।
9. चंगेज खान एक महान शासक था इसके क्या कारण थे?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

1. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियों का वर्णन कीजिए। उसकी सफलता के क्या कारण थे?
2. 'यास' क्या था? इसके अर्थ में परिवर्तन आने के क्या कारण थे? यास के महत्व की विवेचना कीजिए।
3. मंगोल साम्राज्य के पतन के कारणों का वर्णन कीजिए।
4. चंगेज खान कौन था? चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में क्या स्थान है? मूल्यांकन कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर (संकेत बिंदु)

1. चंगेज खान की सैनिक उपलब्धियाँ

   - कुशल घुड़सवार सेना
   - तीरंदाजी का अद्‌भुत कौशल
   - मौसम की जानकारी
   - घेरा बंदी की नीति
   - नेफ़्था बमबारी की शुरूआत
   - हल्के चल उपरस्करों का निर्माण
   - अन्य उपयुक्त बिन्दु

2. - 'यास' प्रारंभिक स्वरूप में यसाक वह नियम संहिता थी जिसे चंगेज खान ने 1206 में कुरिलताई में लागू किया।
   - अर्थ–विधि, आज्ञप्ति, आदेश।
   - आखेट सैन्य व डाक प्रणाली के संगठन के विनियम।

     अर्थ में परिवर्तन के कारण :–

   - 13वीं शताब्दी के मध्य तक मंगोलों द्वारा एकीकृत विशाल साम्राज्य का गठन।
   - उनके द्वारा जटिल शहरी सामाजों पर शासन पर संख्यात्मक रूप में अल्पसंख्यक।
   - अपनी पहचान व विशिष्टता की रक्षा के लिए यास के पवित्र नियम के अविष्कार का दावा।
   - यास को अपने पूर्वज चंगेज खान की विधि संहिता कहकर प्रजा पर लागू करवाया।

महत्व :–

- यास में समान आस्था रखने वाले मंगोलों को संयुक्त किया।
- चंगेज व उसके वंशजों की मंगोलों से निकटता स्वीकृत।
- यास से वंशजों की कबीलाई पहचान बरकरार।
- पराजित लोगों पर नियम लागू करने का आत्मविश्वास।
- यास चंगेज खान की कल्पना शक्ति से प्रेरित था व विश्व व्यापी मंगोल राज्य की संरचना में सहायक था।

3. मंगोल साम्राज्य का पत्तन

मंगोलों के पतन के मूल कारण थे :–

- उनकी संख्या बहुत कम थी वह अपनी प्रजा की अपेक्षा कम सभ्य थे
- आपसी विरोध व अपनी सभ्यता को विजित देशों की सभ्यता में मिलाना।
- मंगोलों द्वारा अन्य धर्मों का अपनाया जाना।

अन्य उपयुक्त बिन्दु।

4. चंगेज खान का जन्म 1162 ई. मंगोलिया, प्रारंभिक नाम तेमुजिन। 1206 ई. में शक्तिशाली जमूका और नेमन लोगों को निर्णायक रूप से पराजित करने के बाद तेमुजिन स्टेपी क्षेत्र की राजनीति में सबसे प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में उभरा। उसने चंगेज खान, समुद्री खान या 'सार्वभौम शासक' को उपाधि–धारण की और मंगोलों का महानायक घोषित किया गया।

चंगेज खान और मंगोलों का विश्व इतिहास में स्थान :–

- मंगोलों के लिए चंगेज खान एक महान शासक था।
- उसने मंगोलों को संगठित किया।
- चीनियों द्वारा शोषण से मुक्ति दिलाई।

- पार महाद्वीपीय साम्राज्य बनाया।
- व्यापार के रास्ते तथा बाजारों को पुनर्स्थापित किया।
- इसका शासन बहुजातीय, बहुभाषी, बहुधार्मिक था।
- अब मंगोलिया एक स्वतंत्र राष्ट्र है और चंगेज खान एक महान राष्ट्रनायक के रूप में तथा अराध्य व्यक्ति के रूप में मान्य है।

विषय–6
तीन वर्ग
यूरोप–नौवी और सोलहवी सदी के मध्य

स्मरणीय तथ्य

1. यूरोपीय इतिहास की जानकारी के स्त्रोत – भू–स्वामियों के विवरण, मूल्यों और विधि के मुकद्मों के दस्तावेज जैसे कि चर्च में मिलने वाले जन्म, मृत्यु और विवाह के आलेख। चर्च से प्राप्त अभिलेखों ने व्यापारिक संस्थाओं और गीत व कहानियों द्वारा त्यौहारों व सामुदायिक गतिविधियों का बोध कराया।
2. सामन्तवाद एक तरह के कृषि उत्पादन को दर्शाता है जो सामंतों और कृषकों के संबंधों पर आधारित है। कृषक लार्ड को श्रम सेवा प्रदान करते थे और बदले में वे उन्हें सैनिक सुरक्षा देते थे।
3. सामन्तवाद शब्द जर्मन शब्द फ्यूड से बना है। फ्यूड का अर्थ है – भूमि का टुकड़ा।
4. सामन्तवाद पर सर्वप्रथम काम करने वाले फ्रांसीसी विद्वान मार्क ब्लॉक के द्वारा भूगोल के महत्व पर आधारित मानव इतिहास को गढ़ने पर जोर, जिससे कि लोगों के व्यवहार और रूख को समझा जा सके।
5.

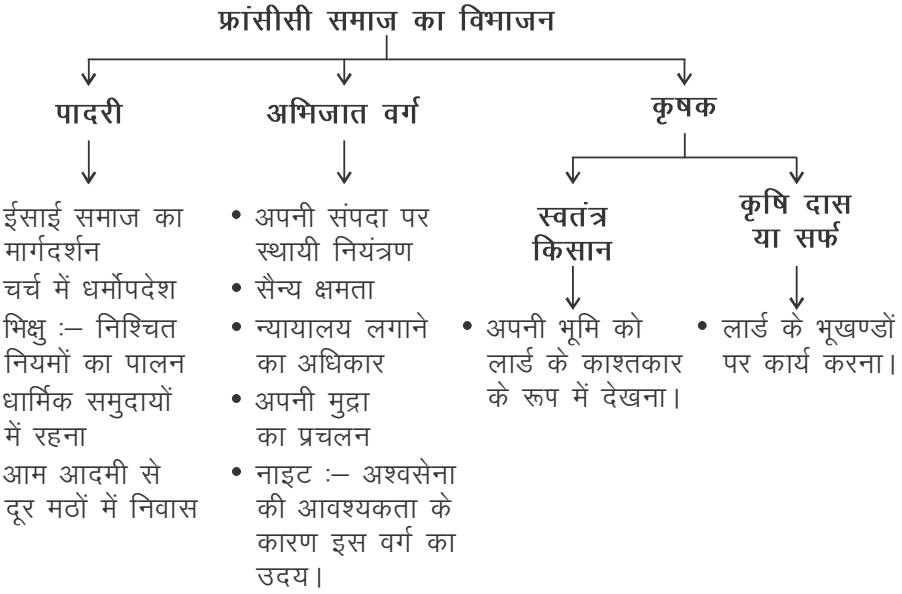

6. राजा कृषकों पर एक प्रत्यक्ष कर 'टैली' लगाते थे। पादरी व अभिजात वर्ग इस कर से मुक्त थे।

7. लार्ड की जागीरों पर कृषकों के परिवारों को सप्ताह के तीन या उससे अधिक दिन काम करना पड़ता था। इस श्रम से होने वाला उत्पादन को 'श्रम अधिशेष' कहा जाता था।

8. कृषि विस्तार के कारण जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार हुआ और एक चौथा वर्ग नगरवासी का उद्‌भव हुआ।

9. नगरों की स्वतंत्र हवा, वैतनिक कार्य और लार्ड के नियन्त्रण से मुक्ति के कारण सामंती संबंध कमजोर पड़ने लगे।

10. ग्यारहवीं शताब्दी तक यूरोप में विभिन्न प्रौद्योगिकी में बदलाव – लोहे के फालों का प्रयोग, पशुओं को हलों में जोतने के तरीकों में सुधार, पशुओं के खुरों में लोहे के नालों का प्रयोग, दो खेतों वाली फसली व्यवस्था से तीन खेतों वाली व्यवस्था की शुरूआत तथा वायु व जलशक्ति के उपयोग से कृषि क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन आया।

11. चौदहवीं शताब्दी का संकट :– चौदहवीं शताब्दी के आरंभ में यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ने के कारण (i) मौसम में परिवर्तन पैदावार वाले मौसम छोटे हो गये (ii) गहन जुताई ने भूमि को कमजोर बना दिया (iii) जनसंख्या वृद्धि से उपलब्ध संसाधन कम पड़ना (iv) आस्ट्रिया व सर्बिया में चांदी की खानों के उत्पादन में कमी के कारण धातु मुद्रा में भारी गिरावट – परिणामस्वरूप व्यापार प्रभावित (iv) महामारियाँ।

12. राजनीतिक परिवर्तन :– नए शक्तिशाली राज्यों का उदय – संगठित स्थायी सेना, एक स्थायी नौकरशाही और राष्ट्रीय कर प्रणाली स्थापित करने की प्रक्रिया आरंभ।

13. नई शासन व्यवस्था पुरानी व्यवस्था से भिन्न :– शासक अब पिरामिड के शिखर पर नहीं था जहाँ राज भक्ति विश्वास और आपसी निर्भरता पर टिकी थी। वह अब व्यापक दरबारी समाज और आश्रयदाता – अनुयायी तंत्र का केन्द्र बिन्दु था।

निम्नलिखित में से सही उत्तर चुने। (अति लघु उत्तरीय प्रश्न–1 अंक वाले)

1. सामंतवाद जर्मन शब्द 'फ्यूड' से बना है जिसका अर्थ है –

   (क) कृषक (ख) आपसी विवाद

   (ग) भूमि का एक टुकड़ा (घ) धार्मिक समुदाय

2. 'नगरवासी' वर्ग के उदय के क्या कारण थे?

   (क) चर्च एवं पादरी की शक्तियों में वृद्धि

   (ख) चौदहवीं शताब्दी का संकट

   (ग) कृषि विस्तार के कारण जनसंख्या, व्यापार और नगरों का विस्तार

   (घ) नए शक्तिशाली राज्यों का उदय।

3. 'श्रेणी' (Guild) शब्द का अभिप्राय है –

   (क) भिक्षुओं के रहने का स्थान

   (ख) ऐसी संस्था जो उत्पाद की गुणवत्ता, मूल्य एवं बिक्री पर नियंत्रण रखती थी।

   (ग) नगरों में रहने वाला व्यापारी वर्ग

   (घ) चंद्र पंचाग पर आधारित एक त्योहार

4. युग्म सुमेलित कीजिए।

सूची–I	**सूची–II**
(A) स्पेन	(1) मैक्समिलन
(B) इंग्लैण्ड	(2) ईसाबेला और फरडीलेंड
(C) फ्रांस	(3) हेनरी सप्तम
(D) आस्ट्रिया	(4) लुई ग्यारहवें

सही विकल्प चुनिए।

(क) (A)—(2), (B)—(3), (C)—(1), (D)—(4)

(ख) (A)—(3), (B)—(1), (C)—(4), (D)—(2)

(ग) (A)—(1), (B)—(2), (C)—(3), (D)—(4)

(घ) (A)—(1), (B)—(2), (C)—(4), (D)—(3)

5. निम्नलिखित कहावत को ठीक करके पुनः लिखें।

सामंतवाद की हवा स्वतंत्र बनाती है।

6. **कथन**– मध्यकालीन यूरोप में कैथोलिक चर्च एक शक्तिशाली संस्था थी।

कारण– भिक्षुओं के समूह जिन्हें फ्रायर कहते थे, वह एक स्थान से दूसरे स्थान पर घूम–घूम कर लोगों को उपदेश देते थे।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं पर कथन कारण का स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं तथा कारण कथन का स्पष्टीकरण देता है।

अति लघु उत्तरीय प्रश्न – 1 अंक वाले

निम्न प्रश्नों के उत्तर अत्यंत संक्षिप्त रुप में दो –

1. फ्रायर किन्हे कहा जाता था?

(NCERT, पृष्ठ सं. 138)

2. दो सबसे प्रसिद्ध मठ कहाँ बनाए गए?

(NCERT, पृष्ठ सं. 138)

3. 'कैथीड्रल नगर' से क्या अभिप्राय है?

(NCERT, पृष्ठ सं. 146)

4. 'श्रम अधिशेष' किसे कहा जाता था?

(NCERT, पृष्ठ सं. 141)

5. ग्यारहवीं शताब्दी में यूरोप के तापमान में क्या परिवर्तन आया और इसका कृषि पर कैसा प्रभाव पड़ा?

(NCERT, पृष्ठ सं. 142)

निम्न वाक्यों को पढ़कर सही/गलत के चिन्ह लगाएँ :–

1. ऑबे शब्द सीरिया के अबा से लिया गया है जिसका अर्थ है 'घर'।
2. फ्रांस के शासकों का लोगों से जुड़ाव एक प्रथा के कारण था जिसे वैसलेज कहते थे।
3. ईसाई धर्म में भिक्षु की जिंदगी केवल पुरुष ही अपना सकते थे।
4. कैथीड्रल कहलाने वाले बड़े चर्चों की खिड़कियों के लिए अभिरंजित काँच का प्रयोग होता था।
5. सामंती व्यवस्था में स्वतंत्र होने की इच्छा रखने वाले अनेक कृषिदास भाग कर जंगलों में छिप जाते थे।

लघु प्रश्न (3 अंक वाले)

1. सेन्योर/लार्ड शब्द का क्या अर्थ है? फ्रांसीसी समाज में अभिजात वर्ग की एक विशेष हैसियत थी, उल्लेख कीजिए।
2. मध्यकालीन यूरोप के मठों मे ईसाई भिक्षु कैसा जीवन बिताते थे?
3. नाइट वर्ग का उदय क्यों हुआ? लार्ड तथा नाइट के आपसी संबंधों की संक्षिप्त जानकारी दीजिए।
4. सामंतवाद के अन्तर्गत यूरोप में किसानों की क्या स्थिति थी?

5. आरंभिक यूरोप में कृषि संबंधी समस्याएँ क्या थी? इन समस्याओं का यूरोप पर क्या प्रभाव पड़ा?

6. मेनर प्रणाली क्या थी?

7. फ्रांस के सर्फ और रोम के दास के जीवन की दशा की तुलना कीजिए।

8. यूरोप में विद्यमान सामाजिक असंतोष के क्या कारण थे?

9. मध्यकालीन यूरोप के अंतिम वर्षों में किस नए सामाजिक वर्ग का विकास हुआ? इस वर्ग के विकास के कारण लिखिए।

10. फ्राँस में कैथीड्रल नगर किस प्रकार अस्तित्व में आये?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

1. चौदहवीं सदी की शुरूआत तक यूरोप का आर्थिक विस्तार धीमा पड़ गया। ऐसा किन कारणों से हुआ, स्पष्ट कीजिए।

2. 'शासक अब पिरामिड के शिखर पर नहीं था जहाँ राजभक्ति विश्वास और आपसी निर्भरता पर टिकी थी अपितु वह अब दरबारी समाज और आश्रयदाता अनुयायी तंत्र का केन्द्र बिन्दु था'। यूरोप की नई शासन व्यवस्था के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

3. ग्यारहवीं शताब्दी में यूरोप में होने वाले विभिन्न प्रौद्योगिकी बदलावों की विवेचना कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर (8 अंक वाले)

1.
   - आर्थिक विस्तार धीमा पड़ने के कारण – तेरहवीं सदी के अंत तक उत्तरी यूरोप में तेज ग्रीष्म ऋतु का स्थान ठंडी ग्रीष्म ऋतु ने ले लिया।
   - पैदावार के मौसम छोटे, तूफानों व सागरीय बाढ़ों से फार्म प्रतिष्ठान नष्ट।
   - सरकार को करों से आमदनी में कमी।

- पहले की गहन जुताई के तीन क्षेत्रीय फसल चक्र से भूमि कमजोर।
- चरागाहों की कमी से पशुओं की संख्या में कमी।
- जनसंख्या वृद्धि के कारण उपलब्ध संसाधन कम पड़ना।
- 1315–1317 में यूरोप में भयंकर अकाल, 1320 ई. में अनेक पशुओं की मौत।
- आस्ट्रिया व सर्बिया की चाँदी की खानों के उत्पादन में कमी।
- धातु–मुद्रा में कमी से व्यापार प्रभावित।
- जल पोतों के साथ चूहे आए जो ब्यूबोनिक प्लेग जैसी महामारी का संक्रमण लाए।
- लाखों लोग ग्रसित।
- विनाशलीला के साथ आर्थिक मंदी से सामाजिक विस्थापन हुआ।
- मजदूरों की संख्या में कमी आई इससे मजदूरी की दर में 250 प्रतिशत तक की वृद्धि।

2.
- 12वीं व 13वीं शताब्दी में हुए सामाजिक परिवर्तन नए राजतंत्रों की सफलता का कारण।
- जागीरदारी और सामंतशाही के विलय और धीमे आर्थिक विकास से शासक प्रभावशाली।
- 15वीं 16वीं शताब्दी में शासकों का सैनिक व वित्तीय दृष्टि से शक्तिशाली होना।
- शासकों द्वारा विशाल तोपों व बंदूकों से सुसज्जित सेना का गठन।
- अभिजातों द्वारा राजसत्ता के केन्द्रीयकरण का विरोध, अभिजात वर्ग का विरोध नए शासकों की गोली की शक्ति प्रदर्शन के समक्ष टुकड़े–टुकड़े।
- अभिजात वर्ग ने अपने अस्तित्व को बचाने के लिए स्वयं को राजभक्तों में बदला।

- लार्ड जो पहले शासक थे अब प्रशासनिक सेवाओं में महत्वपूर्ण स्थानों पर।
- शासकों को शक्तिशाली लोगों का समर्थन चाहिए था, धन समर्थन का माध्यम।
- धनी गैर अभिजात (व्यापारी व साहुकार) का दरबार में प्रवेश, राजा को धन उधार।

3.
- लकड़ी के हल के स्थान पर लोहे के भारी नोक वाले हल और साँचेदार पटरे का प्रयोग।
- पशुओं के गले के स्थान पर जुआ अब कंधे पर।
- घोड़े के खुरों पर अब लोहे की नाल का प्रयोग।
- कृषि के लिये वायु और जलशक्ति का प्रयोग।
- संपीडको व चक्कियों में भी वायु तथा जलशक्ति का प्रयोग।
- दो खेतों की व्यवस्था के स्थान पर तीन खेतों वाली व्यवस्था का उपयोग।
- कृषि उत्पादन में तेजी से बढ़ोतरी। भोजन की उपलब्धता दुगुनी।
- कृषकों को बेहतर अवसर।
- जोतों का आकार छोटा। इससे अधिक कुशलता के साथ कृषि कार्य होना व कम श्रम की आवश्यकता।
- कृषकों को अन्य गतिविधियों के लिए समय।

विषय–7

बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

स्मरणीय तथ्य

1. रेनेसां (पुनर्जागरण) शाब्दिक अर्थ–पुर्नजन्म (सांस्कृतिक बदलाव का काल)

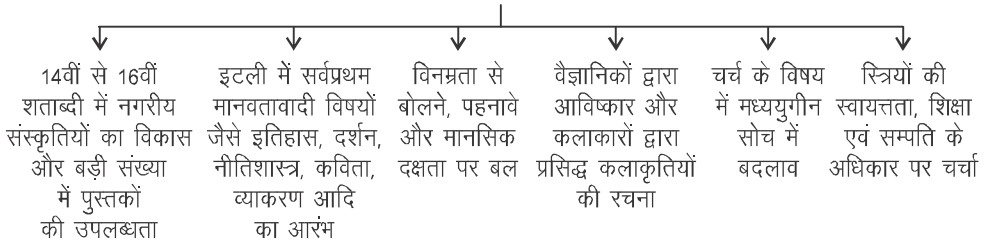

2. मानवतावादी लोगों का तर्क था कि ''मध्य युग में चर्च ने लोगों की सोच को इस तरह जकड़ कर रखा था कि यूनान और रोमन वासियों का समस्त ज्ञान उनके दिमाग से निकल चुका था।

3. बेल्जियम मूल के एन्ड्रयूज वेसेलियस (1514–1564) पादुआ विश्व विद्यालय में आयुर्विज्ञान के प्रोफेसर थे। वे पहले व्यक्ति थे जिन्होंने सूक्ष्म परीक्षणों के लिये मानव शरीर की चीर फाड़ प्रारम्भ की।

4. अरबों ने प्लेटो को अफलातून और एरिस्टोटल को अरस्तु कहा था।

5. मानवतावादी मानते थे कि मनुष्य को ईश्वर ने बनाया है, लेकिन उसे अपना जीवन मुक्त रूप से चलाने की पूरी आजादी है। मनुष्य को अपनी खुशी इसी विश्व में वर्तमान में ही ढूँढ़नी चाहिए।

6. मार्टिन लूथर के समकालीन कोपरनिकस (1473–1543) ने खोजकर बताया कि पृथ्वी सहित सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर परिक्रमा करते हैं।

7. लियोनार्डो द विन्सी एक चर्चित कलाकार था। इसकी अभिरूचि वनस्पति विज्ञान, शरीर रचना विज्ञान से लेकर गणित शास्त्र और कला तक विस्तृत थी इन्होंने ही मोना लीसा और द लास्ट सपर जैसे चित्रों की रचना की थी।

8. जर्मन निवासी जोहानेस गूटेन बर्ग ने सबसे पहले छापे खाने का आविष्कार किया उसने सर्वप्रथम बाईबल की 150 प्रतियाँ छापी।

9. इंग्लैंड के शासकों ने रोम के पोप से सम्बन्ध तोड़ दिए और वे इंग्लैंड के चर्च के प्रमुख बन गए थे।

10. ईसाई धर्म के अन्तर्गत मतभेद, पाप स्वीकारोक्ति दस्तावेज की आलोचना, चर्च द्वारा लगाये गए नए करो का विरोध।

11. कैथोलिक चर्च ने भी अनेक सुधार किये सादे जीवन और निर्धनों की सेवा पर जोर दिया।

12. गैलीलियों इटली का एक महान वैज्ञानिक था उसने दूरबीन यन्त्र का आविष्कार किया और खगोल शास्त्र के अनेक तथ्यों और रहस्यों का पता लगाया।

13. रेशम मार्ग की खोज से इटली के नगर अनेक स्वतंत्र नगर राज्यों के समूह के रूप में अपने आप को देखने लगे।

14. निजी और सार्वजनिक क्षेत्रों का उद्‌भव।

15. बाइज़ेंटाइन साम्राज्य और इस्लामी देश तथा बारहवीं शताब्दी में मंगोलों और चीन के बीच व्यापार बढ़ने से इटली के नगरों का मुख्य रूप से पुनरूत्थान।

16. स्पेन में प्रोटैस्टेंट लोगों से संघर्ष करने के लिए इग्नेशियस लोयोला ने सन् 1540 ई. में 'सोसाइटी ऑफ जीसस' नामक संस्था का स्थापना की।

बहुविकल्पीय प्रश्न (1 अंक वाले)

1. 'द लास्ट सपर' चित्र बनाने वाले कलाकार का नाम क्या था?

   (क) लियोनार्डो द विंची (ख) माइकल एन्जिलो

   (ग) गुटेनबर्ग (घ) पेट्रार्क

2. गुटेनबर्ग द्वारा 1455 में सबसे पहले अपने छापेखाने में क्या छापा गया?

   (क) मानवतावादी विषयों की पुस्तकें

   (ख) आर्युविज्ञान विश्वकोष

   (ग) बाईबल की 150 प्रतियाँ

   (घ) मैक्यिावेली का प्रसिद्ध ग्रंथ 'द प्रिंस'

3. मार्टिन लूथर द्वारा आरंभ कियागया कैथलिक चर्च के विरूद्ध अभियान क्या कहलाया?

(क) रेनेसां (ख) प्रोटेस्टेट सुधारवाद

(ग) पाप स्वीकारोक्ति (घ) अमूल परिर्वतनवादी

4. कोपरनिक्स ने किस सत्य की घोषणा की?

(क) पृथ्वी समेत सारे ग्रह सूर्य के चारों ओर चक्कर लगाते हैं।

(ख) पृथ्वी पापों से भरी है इसलिए स्थिर है।

(ग) पाप स्वीकारोक्ति से सभी पापों से छुटकारा मिल जाता है।

(घ) ईश्वर ने मनुष्य को अपना जीवन मुक्त रूप से चलाने की आजादी दी है।

5. 'सोसायटी ऑफ जीसस' क्या थी?

(क) मानवतावादी विचारों की संस्था

(ख) कैथलिक चर्च द्वारा आंतरिक सुधार के लिए बनाई गई संस्था

(ग) इटली के विश्वविद्यालयों के विधिशास्त्र के केन्द्र

(घ) फेदेले द्वारा निर्मित स्त्रियों के अधिकारों पर बात करने वाली संस्था

6. 'जेसुइट' कौन थे?

(क) इटली के पादरी (ख) सोसायती ऑफ जीसस के अनुयायी

(ग) प्रौटैस्टेंट ईसाई वर्ग (घ) इनमें से कोई नहीं

7. भिक्षुक मार्टिन लूथर किस देश के निवासी थे?

(क) फ्रांस (ख) इंग्लैंड

(ग) जर्मनी (घ) इनमें से कोई नहीं

अति संक्षिप्त उत्तरीय प्रश्न (1 अंक)

1. 'द पाइटा' नामक कृति किसने और कहाँ बनाई?

(NCERT, पृष्ठ सं. 159)

2. फेदेले ने 'मार्चिसा ईसाबेल द इस्ते' का वर्णन किस रूप में किया है?

   (NCERT, पृष्ठ सं. 162)

3. 'न्यू टेस्टामेंट' क्या है?

   (NCERT, पृष्ठ सं. 164)

4. 'रेनेसाँ व्यक्ति' शब्द का प्रयोग किस के लिये किया जाता है?

   (NCERT, पृष्ठ सं. 141)

5. यर्थाथवाद से क्या अभिप्राय है?

   (NCERT, पृष्ठ सं. 159)

6. फ्लोरेंस की प्रसिद्धि में किन दो लोगों का हाथ था?

   (NCERT, पृष्ठ सं. 156)

7. फेदेले द्वारा स्त्रियों की शिक्षा पर जोर देने की तर्ज में ही वर्तमान में बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए कोई नारा लिखिए।

उ० कोई भी मान्य नारा।

निम्न वाक्यों को पढ़कर सही/गलत के चिन्ह लगाएँ :–

1. 'दि सिविलाईजेशन ऑफ दि रेनेसाँ इन इटली' नामक पुस्तक के लेखक बर्कहार्ट हैं।
2. जब मंगोलों ने चीन के साथ 'रेशम मार्ग' से व्यापार आरंभ किया तो पश्चिमी यूरोपीय देशों का व्यापार बंद हो गया।
3. 15वीं शताब्दी में रोम नगर भव्य रूप से पुनर्जीवित हो गया।
4. कासान्द्रा फेदेले स्त्री शिक्षा के विरूद्ध थी।
5. सन् 1517 में एक युवा जर्मन भिक्षु मार्टिन लूथर ने कैथलिक चर्च के पक्ष में अभियान छेड़ा।

लघु उत्तरीय प्रश्न (3 अंक वाले)

1. पुनर्जागरण के चार प्रमुख कारणों का वर्णन कीजिए।

2. विज्ञान और दर्शन के क्षेत्र में अरबियों के योगदान की व्याख्या कीजिए।
3. मानवता वादी विचारों के क्या अभिलक्षण थे?
4. धर्म सुधार आन्दोलन के मुख्य उद्देश्यों को वर्णित कीजिए।
5. मार्टिन लूथर कौन था? उसने पोप के विरूद्ध विद्रोह क्यों किया?
6. कोपरनिकसीय क्रान्ति क्या थी?
7. वैज्ञानिक क्रान्ति क्या थी? इसका लोगों पर क्या प्रभाव पड़ा?
8. पुरूष प्रधान समाज में महिलाओं को उचित स्थान कैसे मिल सकता है?
9. मुद्रित पुस्तक उपलब्ध होने के क्या लाभ हुए?
10. पुनर्जागरण ने साहित्य को किस प्रकार प्रभावित किया था?
11. 1429 ई. से 1520 ई. के बीच कौन–कौन सी भौगोलिक खोजे हुई थी?

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

1. चौदहवीं और सत्रहवीं शताब्दी के मध्य यूरोपीय सभ्यता में आए परिवर्तन और विशेषताओं का वर्णन कीजिए।
2. इसाई धर्म के अंतर्गत वाद–विवाद क्यों हुआ और इसके क्या परिणाम हुए?
3. सोलहवीं शताब्दी में महिलाओं की स्थिति का वर्णन कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. नगरों की संख्या में वृद्धि हो रही थी। नगरीय सभ्यता का विकास हो रहा था। फ्लोरेन्स, वेनिस और रोम, कला और विद्या के केन्द्र बन गए।

   राजाओं और चर्च ने नगरों को कुछ स्वायत्ता दे दी थी। अमीर और अभिजात वर्ग कलाकारों को सहायता प्रदान करते थे। मुद्रण (छाप खाना) के आविष्कार से पुस्तकें लोगों को प्राप्त होने लगी। प्रत्येक व्यक्ति अपनी इच्छानुसार धर्म चुन सकता था। पुस्तकें छपने से लोगों के ज्ञान में वृद्धि होने लगी थी। भूमध्य सागर विश्व का केन्द्र है, यह विचार गलत सिद्ध हो चुका था।

2. अनावश्यक कर्म कांडों को त्यागने को कहा।

ईसाइयों को अपने पुराने धर्म ग्रन्थों के तरीकों से धर्म का पालन करने का आह्वान किया। मानव को एक मुक्त विवेकपूर्ण कर्ता माना गया। मनुष्य को अपना जीवन मुक्त रूप से चलाने की पूरी स्वतन्त्रता है। पाप स्वीकारोक्ति दस्तावेज की आलोचना की गई। बाईबिल का स्थानीय भाषा में अनुवाद होने से लोगों का पता चला कि धन लूटने वाली प्रथाएं धर्म के अनुकूल नहीं है।

चर्च द्वारा किसानों पर लगाए गए करों का विरोध किया गया। राजा भी चर्च द्वारा राज्य के कार्य में हस्तक्षेप से नाराज थे।

3. महिलाओं को कारोबार में परामर्श आदि देने का अधिकार नहीं था। दहेज का प्रबंध न होने के कारण लड़कियों को भिक्षुणी बना दिया जाता था। सार्वजनिक जीवन में महिलाओं की भागीदारी कम थी।

व्यापारी परिवारों में महिलाओं को दुकानों को चलाने का अधिकार था। कुछ महिलाओं ने बौद्धिक रूप से रचनात्मक कार्य किये जैसे : वेनिस निवासी कसान्द्रा फेदले जो यूनानी और लातिनी भाषा की विद्धवान थी।

मंटुआ की मार्चिसा ईसाबेला दि इस्ते जिन्होंने अपने पति की अनुपस्थिति में अपने राज्य पर शासन किया।

विषय–10
मूल निवासियों का विस्थापन

स्मरणीय तथ्य

1. **उपनिवेशिक विस्तार** – सत्रहवीं सदी के बाद स्पेन और पुर्तगाल के अमरीकी साम्राज्य का विस्तार नहीं हुआ। फ्रांस, हालैण्ड और इंग्लैण्ड जैसे दूसरे देशों ने अपनी व्यापारिक गतिविधियों का विस्तार करना और अमरीका, अफ्रीका तथा एशिया में अपने उपनिवेश बसाना शुरू कर दिया।
2. **सेटलर : (आबादकार)** – शब्द दक्षिण अफ्रीका में डच के लिए, आयरलैण्ड, न्यूजीलैण्ड और आस्ट्रेलिया में ब्रिटिश के लिए तथा अमरीका में यूरोपीय लोगों के लिए प्रयोग होता है।
3. **नेटिव** – ऐसा व्यक्ति जो अपने मौजूदा निवास स्थान में ही पैदा हुआ था। बीसवीं सदी के आरंभिक वर्षों तक यह पद यूरोपीय लोगों द्वारा अपने उपनिवेशों के बाशिंदे के लिए प्रयोग होता था।
4. **वेमपुम बेल्ट** – रंगीन सीपियों को आपस में सिलकर बनाई जाने वाली बेल्ट है। इसे किसी समझौते के बाद स्थानीय कबीलों के बीच आदान–प्रदान किया जाता है।
5. **अठारहवीं सदी में पश्चिमी यूरोप के लोग सभ्य मनुष्य की पहचान** – साक्षरता, संगठित धर्म और शहरीपन के आधार पर करते थे। भाषाएँ –उत्तरी अमरीका में अनेक भाषाएँ बोली जाती थी परन्तु वह लिखी नहीं जाती थी।
6. **गोल्ड रश और उद्योगों की वृद्धि** – 1840 में कैलीफोर्निया में सोने के चिन्ह मिले तथा गोल्ड रश का प्रारंभ, रेलवे लाइनों का निर्माण, औद्योगिक नगरों का विकास, कारखानों की संख्या में वृद्धि हुई।
7. **एबोरिजिनीज** – ऑस्ट्रेलिया महाद्वीप के शुरूआती मनुष्य या आदिमानव को एबोरिजिनीज कहा जाता था।
8. 1911 में आस्ट्रेलिया की राजधानी 'वूलव्हीटगोल्ड' (Woolwheat gold) बनाने का सुझाव दिया गया। अंततः उसका नाम 'कैनबरा' रखा गया जो एक स्थानीय शब्द कैमबरा (Kamberra) से बना है जिसका अर्थ है 'सभा स्थल'।

9. आरंभ में ऑस्ट्रेलियाई मूल निवासियों के साथ दोस्ताना व्यवहार, परन्तु हवाई में कैप्टेन कुक की हत्या के बाद ब्रिटिशों का रवैया पूरी तरह उल्टा गया। इस घटना का इस्तेमाल औपनिवेशिक ताकतों द्वारा अपने हिंसक व अत्याचार पूर्ण व्यवहार के औचित्य को साबित करने के लिए किया गया।

10. उत्तरी अमेरीका के मूल बाशिंदें नदी घाटी के साथ–साथ बने गाँवों में समूह के रूप में रहते थे। वे मछली एवं मांस खाते थे तथा सब्जियाँ और मकई उगाते थे।

11. फ्रंटियर : किसी अधिपत्य क्षेत्र की सीमा।

12. सरकार ने ऑस्ट्रेलिया की जमीन को 'टेरा–न्यूलिअस' कहा अर्थात् जो किसी की भी नहीं है।

13. वस्तुतः मूल निवासी छोटे इलाकों में सीमित कर कर दिए गए जिन्हें 'रिजर्वेशन्स' कहा जाता था। ये प्रायः ऐसी जमीन थी, जिसके साथ उनका पहले से कोई सम्बंध नहीं था।

14. 1968 में एक मानवशास्त्री W.E.H. Stanner के व्याख्यान 'The Great Australian Silence' (महान ऑस्ट्रेलियाई चुप्पी) के बाद यहाँ बदलाव की लहर आई।

15. ऑस्ट्रेलिया के मूल निवासियों की संस्कृतियों का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालयों में विभाग खोले गए।

उत्तरी अमेरीका के मूल निवासियों का जीवन

नदी घाटी के साथ बने गांवों में समूह बनाकर रहते थे।	मछली और मांस खाते थे। सब्जियां और मकई उगाते थे।	17वीं सदी से घुड़सवारी शुरू की जिससे जंगली भैंस 'वाइसन' का शिकार आसान हुआ।	आवश्यकता से अधिक उत्पादन नहीं करते थे।	जमीन पर नियन्त्रण कोई मुद्दा नहीं था। सन्तोषी व्यक्ति।	औपचारिक सम्बन्ध एवं दोस्ताना पूर्ण व्यवहार। उपहारों के आदान–प्रदान पर विश्वास।	कुशल कारीगर खूबसूरत कपड़े बुनते थे।

निम्न प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर उत्तर दें–

1. आयरलैण्ड, न्यूजीलैण्ड और आस्ट्रेलिया में सेटलर (Settler) शब्द का प्रयोग निम्न में से किसके लिए किया जाता था?

(क) डच (ख) ब्रिटिश

(ग) फ्रासिसी (घ) पुर्तगालियों के लिए

2. लातिनी शब्द 'आस्ट्रल' का अर्थ निम्न में से क्या होता है?

(क) वानर (ख) गाँव

(ग) दक्षिण (घ) समुद्र

3. आस्ट्रेलिया की राजधानी निम्न से क्या है?

(क) सिडनी (ख) मेलवर्न

(ग) केनवरा (घ) पर्थ

4. 'टेरा न्यूलिअस' (terra nullius) शब्द का क्या अर्थ है ?

(क) जो किसी की नहीं है (ख) मूल निवासी

(ग) आवादकार (घ) सभा स्थल

5. 'राष्ट्रीय क्षमायाचना दिवस' (National Sorry Day) कब मनाया जाता है?

(क) 26 मई (ख) 1 अप्रैल

(ग) 5 जून (घ) 15 जनवरी

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें–

1. यूरोप से आए आप्रवासी लोगों के अन्य देशों में बसने वाले क्षेत्रों को ..... कहा जाता है।
2. प्रारंभिक मानव या आदिमानव को ..... के सामान्य नाम से पुकारा जाता है।
3. 18वीं शताब्दी के अन्तिम चरण में मूल निवासियों के ..... तक समुदाय थे।
4. 'आदिम' समुदायों और यूरोप के 'सभ्य' समुदायों के बीच के अंतर के अध्ययन के लिए ..... विषय प्रारंभ किया गया।
5. कैनबरा एक स्थानीय शब्द कैमबरा से बना है, जिसका अर्थ है .....।
6. ..... नामक किताब में रिजर्वेशन्स में रह रहे मूल निवासियों की स्वास्थ्य एवं शिक्षा सुविधाओं की दरिद्रता का बड़ा ही दारूण चित्र प्रस्तुत किया गया था।

7. 1934 का ..... जिसके द्वारा रिजर्वेशन्स में मूल निवासियों को जमीन खरीदने और ऋण लेने का अधिकार हासिल हुआ।
8. 1968 के एक मानवशास्त्री डब्ल्यू. ई. एच. स्टैनर के एक व्याख्यान से लोगों में तरंग–सी दौड़ गई। व्याख्यान का शीर्षक ..... था।
9. कार्ल मार्क्स ..... दार्शनिक थे।
10. ..... संयुक्त राज्य अमेरिका के एक राज्य जार्जिया के मूल निवासी थे।
11. ..... में दास प्रथा के समर्थक तथा उसके विरोधी राज्यों के बीच युद्ध हुआ।
12. मनुष्य को पशुओं की तरह बेचने की प्रथा को ..... कहा जाता है।

निम्न प्रश्नों के उत्तर अति संक्षेप में दीजिए

1. नेटिव या मूल निवासी

   (NCERT, पृष्ठ सं. 215)
2. सेटलर या आबादकार

   (NCERT, पृष्ठ सं. 214)
3. गोल्ड रश

   (NCERT, पृष्ठ सं. 223)
4. रिर्जवेशन्स

   (NCERT, पृष्ठ सं. 222, 223)
5. चिरोकी

   (NCERT, पृष्ठ सं. 222)
6. टेरा न्यूलियस

   (NCERT, पृष्ठ सं. 229)
7. वेमपुम वेल्ट

   (NCERT, पृष्ठ सं. 216)
8. उपनिवेश

   (NCERT, पृष्ठ सं. 213)

9. आँसुओं की राह

   (NCERT, पृष्ठ सं. 222)

10. ऐवोरिजिनीज़

    (NCERT, पृष्ठ सं. 226)

लघु प्रश्न (3 अंक वाले)

1. अमरीकियों के लिए 'फ्रंटियर' के क्या मायने थे?
2. यूरोपवासियों द्वारा 'नयी दुनिया' के देशों को दिए गए नामों का उल्लेख कीजिए।
3. सत्रहवीं सदी में यूरोपीय व्यापारियों के साथ उत्तरी अमरीका के स्थानीय निवासियों ने कैसा व्यवहार किया?
4. ऑस्ट्रेलिया में मानव निवास के इतिहास का वर्णन करते हुए वहाँ के मूल निवासियों की विशेषता लिखिए।
5. संयुक्त राज्य अमेरिका में दास प्रथा के प्रचलन और समाप्ति के कारणों की व्याख्या कीजिए।

दीर्घ प्रश्न (8 अंक वाले)

1. 'गोल्ड रश' से क्या तात्पर्य है? गोल्ड रश के कारण अमरीका में हुई औद्योगिक वृद्धि को स्पष्ट कीजिए।
2. संयुक्त राज्य अमरीका के मूल बाशिंदो को उनकी जमीन से बेदखल क्यों करा दिया गया? उसके लिए कौन–कौन से कारण उत्तरदायी थे।
3. सन् 1970 के दशक में आई बदलाव की लहरों के कारण आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा?

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. गोल्ड रश – 1840 में संयुक्त राज्य अमरीका के कैलिफोर्निया में सोने के कुछ चिन्ह मिले। इसने 'गोल्ड रश' के जन्म दिया। यह उस आपाधापी का नाम है, जिसमें हजारों की संख्या में आतुर यूरोपीय लोग चुटकियों में अपनी तकदीर सँवार लेने की उम्मीद में अमरीका पहुँचे।

उद्योगों में वृद्धि :–

- गोल्ड रश के कारण पूरे अमरीका महाद्वीप में रेलवे लाइनों का निर्माण हुआ।
- हजारों की संख्या में चीनी श्रमिकों की नियुक्ति हुई।
- रेलवे के साज–समान बनाने के उद्योग विकसित हुए।
- बड़े पैमाने पर कृषि करने वाले यन्त्रों का उत्पादन प्रारम्भ हुआ।
- संयुक्त राज्य अमरीका और कनाडा में औद्योगिक नगरों का विकास हुआ।

2. मूल बाशिंदो को जमीन से बेदखल करना :–

- ब्रिटेन और फ्राँस से आए कुछ प्रवासी ऐसे थे, जो छोटे बेटे होने के कारण पिता की सम्पत्ति के उत्तराधिकारी नहीं बन सकते थे, वे अमरीका में मालिक बनना चाहते थे।
- कैथलिक प्रभुत्व के देशों में रहने वाले प्रोटैस्टेंट एवं प्रोटैस्टेंटवाद समर्थक देशों के कैथलिक अनुयायियों ने यूरोप छोड़ दिया और एक नई जिन्दगी शुरु करने के लिए अमेरिका में आकर वस गए।
- ऐसी फसलें उगाकर, जो यूरोप में नहीं उगाई जाती थी, मुनाफा कमाना चाहते थे।
- मूल बाशिंदों को बेदखल करना गलत नहीं मानते थे, क्योंकि उनके अनुसार मूल बाशिंदे जमीन का उपयोग करना नहीं जानते।

बेदखल करने के तरीके :–

- धोखाधड़ी से ज्यादा जमीन ले ली।
- पैसा देने में वायदा खिलाफी की।
- जमीन बिक्री समझौते पर दस्तखत कराने के बाद, मूल बाशिंदों को हटने के लिए बाध्य किया।
- चिरोकी कबीलों को खदेड़ने के लिए अमरीकी फौज का उपयोग किया गया।
- जमीन के अन्दर सीसा, सोना या खनिज होने का पता चलने पर मूल बाशिंदो को उनकी स्थायी जमीन से भी धकेल दिया जाता था।

3. बदलाव की लहर :

- आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों को नए रूप में समझने की चाहत जगी।
- मूल निवासियों को विशिष्ट संस्कृतियों वाले समुदाय के रूप में देखा गया।
- प्रकृति और जलवायु को समझने की उनकी विशिष्ट पद्धतियों को पहचाना गया।
- मूल निवासियों की धरोहर जैसे कथायें, कपड़ा साजी, चित्रकारी और हस्तशिल्प को सराहा गया।
- उनकी संस्कृति का अध्ययन करने के लिए विश्वविद्यालयी विभाग खोले गये, संग्रहालय में उनकी कलाकृतियों को जगह दी गई।
- मूल निवासियों ने अपना इतिहास लिखना शुरू किया।
- मूल निवासियों की संस्कृति को आदर दिया गया।
- मूल निवासियों का अपनी जमीन के साथ संबंध आदर से देखा जाने लगा।

विषय–11
आधुनिकीकरण के रास्ते

स्मरणीय तथ्य

1. चीन एक विशालकाय द्वीप है, जिसमें कई तरह की जलवायु वाले क्षेत्र सम्मिलित हैं।
2. चीन का सबसे प्रमुख जातीय समूह 'हान' है और प्रमुख भाषा 'चीनी' है।
3. चीन के विपरित जापान एक द्वीप श्रृंखला है, जिसमें चार बड़े द्वीप समूह हैं– होंशू, क्यूशू, शिकोकू और होकाइदो।
4. 12वीं सदी के प्रारम्भ में जापान पर शोगुनों का शासन कायम हुआ जो सैद्धान्तिक रूप से राजा थे।
5. 1603 से 1867 के मध्य तक तोकुगावां वंश के लोग शोगुन पद पर कायम थे।
6. मेज़ी पुनर्स्थापना का अर्थ है, प्रबुद्ध सरकार का गठन। सन् 1867–68 के दौरान मेज़ी वंश का उदय हुआ और देश में विद्यमान विभिन्न प्रकार का असंतोष मेज़ियों की पुनर्स्थापना का कारण बना।
7. सम्राट मेज़ी को ऐदो लाया गया तथा एदो को राजधानी बनाकर इसका नाम टोक्यो रखा गया।
8. जापान में 1870 के दशक से नयी विद्यालयी व्यवस्था का निर्माण हुआ। लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य हो गया तथा किताबों के माध्यम से माता–पिता के प्रति आदर, राष्ट्र के प्रति वफादारी तथा अच्छे नागरिक बनने का पाठ पढ़ाया जाने लगा।
9. 'डायट' जापानी संसद का नाम है और यह जर्मन विचारधारा पर आधारित थी।
10. 'फुकुज़ावा यूकिची' मेज़ी काल के प्रमुख बुद्धिजीवियों में से एक थे। उनका कहना था कि जापान को 'अपने में से एशिया को निकाल फेंकना चाहिए।
11. जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण – कृषि पर कर लगा कर धन इकट्ठा, रेल लाइनों का विकास, वस्त्र उद्योग के लिए मशीनों का आयात, मजदूरों को प्रशिक्षण तथा बैंकिंग संस्थाओं का प्रारम्भ होना आदि से हुआ है।

12. 'फुकोकु–क्योहे' – जिसका अर्थ है समृद्ध देश और मजबूत सेना।

13. अमेरिका द्वारा द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान, युद्ध जल्दी खत्म करने के लिए जापानी शहर हिरोशिमा और नागासाकी पर नाभिकीय बम गिराये गये।

14. अमेरिकी नियन्त्रण के दौरान, जापान का विसैन्यीकरण कर दिया गया और एक नया संविधान लागू किया गया। फिर भी अपनी भयंकर हार के बावजूद, जापान ने अपनी अर्थव्यवस्था का शीघ्रता से पुनर्निर्माण किया, जिसे एक 'युद्धोतर चमत्कार' कहा गया है।

15. चीन का आधुनिक इतिहास–संप्रभुता की पुर्नप्राप्ति, विदेशी कब्जे का अंत और समानता और विकास को सम्भव बनाने पर आधारित था।

16. पहला अफीम युद्ध (1839–1842) हुआ। इसने सत्ताधारी क्विंग राजवंश को कमजोर किया और सुधार तथा बदलाव की मांगों को मजबूती दी।

17. 1911 में माँचू साम्राज्य की समाप्ति के साथ सन यात सेन के नेतृत्व में चीन में गणतन्त्र की स्थापना हुई।

18. सनयात सेन के तीन सिद्धान्त – 'राष्ट्रवाद', 'गणतन्त्र' और 'समाजवाद'।

19. चीन की साम्यवादी पार्टी की स्थापना 1921 ई. में रूसी क्रान्ति के कुछ समय बाद हुई थी। उसमें माओत्से तुंग प्रमुख नेता बनकर उभरे।

20. पीपुल्स रिपब्लिक आफ चाइना की सरकार 1949 में स्थापित हुई।

21. चीन में 1965–78 का काल 'समाजवादी व्यक्ति' की रचना का था। माओवादियों ने पुरानी संस्कृति, पुराने रिवाज़ और पुरानी आदतों के खिलाफ अभियान छेड़ा।

22.

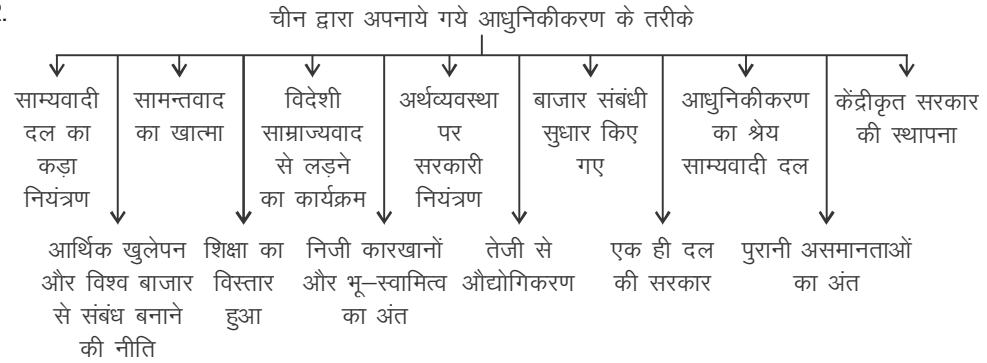

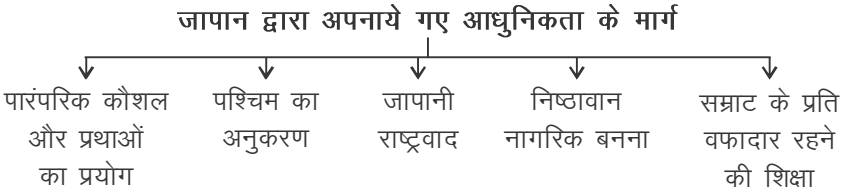

23. **जापान द्वारा अपनाये गए आधुनिकता के मार्ग**

- पारंपरिक कौशल और प्रथाओं का प्रयोग
- पश्चिम का अनुकरण
- जापानी राष्ट्रवाद
- निष्ठावान नागरिक बनना
- सम्राट के प्रति वफादार रहने की शिक्षा

24. ## कोरिया की कहानी

- दशकों के हस्तक्षेप के बाद 1910 में जापान ने अपनी कॉलोनी के रूप में कोरिया पर कब्जा कर लिया जिससे 500 वर्ष से अधिक समय से चले आ रहे जोसोन राजवंश का अन्त हो गया।
- आजादी के इच्छुक कोरियाई लोगों द्वारा जापान के खिलाफ प्रदर्शन किया तथा एक अस्थायी सरकार की स्थापना की। कैरी याल्टा और पॉट सडैम जैसे अंतराष्ट्रीय बैठकों में अपील करने प्रतिनीधि मण्डल भेजे।
- कोरिया में जापानी औपनिवेशिक शासन 35 वर्ष बाद अगस्त 1945 में द्वितीय विश्वयुद्ध में जापान की हार समाप्त हुआ।
- मुक्ति के बाद कोरिया को अस्थाई रूप से 38 वीं समानान्तर रेखा से दो हिस्सों में विभाजित कर दिया गया। जिसमें उत्तरी क्षेत्र में सोवियत संघ और दक्षिणी क्षेत्र में यू. एन. द्वारा संचालन किया गया।
- 1948 में उत्तर और दक्षिण कोरिया में अलग सरकारें स्थापित होने के साथ यह विभाजन स्थायी रूप से स्थापित हो गया।

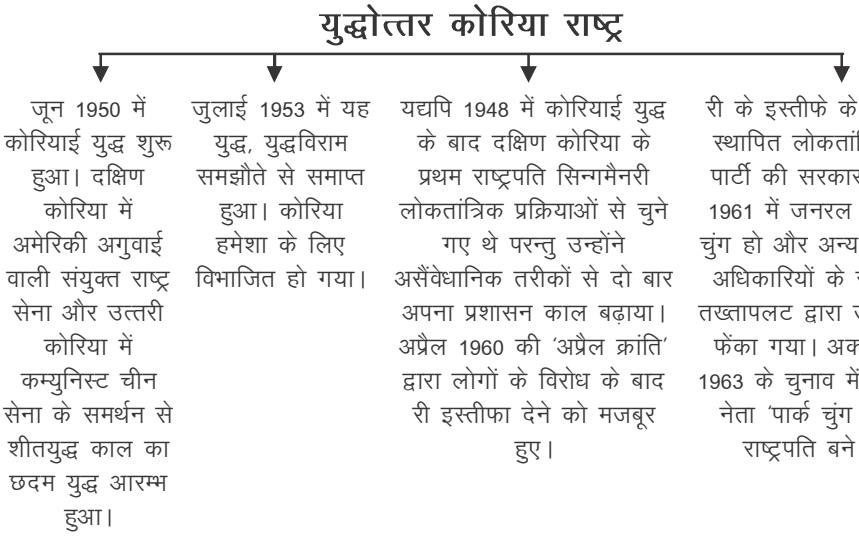

युद्धोत्तर कोरिया राष्ट्र

- जून 1950 में कोरियाई युद्ध शुरू हुआ। दक्षिण कोरिया में अमेरिकी अगुवाई वाली संयुक्त राष्ट्र सेना और उत्तरी कोरिया में कम्युनिस्ट चीन सेना के समर्थन से शीतयुद्ध काल का छदम युद्ध आरम्भ हुआ।
- जुलाई 1953 में यह युद्ध, युद्धविराम समझौते से समाप्त हुआ। कोरिया हमेशा के लिए विभाजित हो गया।
- यद्यपि 1948 में कोरियाई युद्ध के बाद दक्षिण कोरिया के प्रथम राष्ट्रपति सिन्गमैनरी लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से चुने गए थे परन्तु उन्होंने असैंवेधानिक तरीकों से दो बार अपना प्रशासन काल बढ़ाया। अप्रैल 1960 की 'अप्रैल क्रांति' द्वारा लोगों के विरोध के बाद री इस्तीफा देने को मजबूर हुए।
- री के इस्तीफे के बाद स्थापित लोकतांत्रिक पार्टी की सरकार को 1961 में जनरल पार्क चुंग हो और अन्य सैन्य अधिकारियों के सैन्य तख्तापलट द्वारा उखाड़ फेंका गया। अक्टूबर 1963 के चुनाव में सैन्य नेता 'पार्क चुंग हो' राष्ट्रपति बने।

कोरिया का तीव्र औद्योगिकीकरण एवं मजबूत नेतृत्व

राष्ट्रपति 'पार्क चुंग ही' ने देश में आर्थिक विकास के लिए राज्य आधारित निर्यात उन्मुख नीति अपनाई। सरकार की पांच वर्षीय आर्थिक योजनाओं के बड़े कारपोरेट फर्मो का समर्थन मिला। 1960 और 1970 के दशक में पुनः लघु उद्योगों से उच्च मूल्यवर्धित भारी और रासायनिक उद्योगों पर ध्यान केन्द्रित किया गया। 1970 में ग्रामीण जनसंख्या को प्रोत्साहन और कृषि क्षेत्र के आधुनिकीकरण के लिए नया गांव (सैमौल) आन्दोलन की शुरूआत हुई।

मजबूत नेताओं, प्रशिक्षित अफसरों, आक्रामक उद्योगपतियों, उच्च स्तर की शिक्षा, और सक्षम श्रम बल के संयोजन से कोरिया ने आज सारे विश्व को अपने आर्थिक विकास से चौंका दिया। कोरिया ने अपनी खुली आर्थिक नीति द्वारा अन्य देशों के अधिक उन्नत संस्थानों और तकनीकों को अपने देश में लाना शुरू किया।

1972 में पार्क चुंक ही ने यूसिन संविधान घोषित किया जिसमें राष्ट्रपति को कानून के क्षेत्राधिकार और प्रशासन पर पूर्ण अधिकार था। 1979 के दूसरे तेल संकट से देश में काफी बाधांए आई। आर्थिक संकट और राजनैतिक अस्थिरता यूसिन संविधान के विरूद्ध आन्दोलन के बीच अक्टूबर 1979 में पार्क चुंग ही की हत्या कर दी गई।

कोरिया में लोकतन्त्रीकरण और तीव्र आर्थिक विकास

पार्क चुंग ही की मृत्यु के बाद सैन्य नेता चुन हू हवन की सरकार बनी। आर्थिक विकास, उच्च शिक्षा स्तर एवं मीडिया की प्रगति हुई। मई 1987 में अत्याचारों से हुई एक छात्र की मौत से लोकतन्त्रीकरण की मांग प्रबल होती गई। मजबूरन संविधान संशोधन द्वारा नागरिकों को सीधे चुनाव का अधिकार मिला। 1987 के चुनाव में सैन्य नेता रोह ताए वू चुने गए। क्योंकि विरोधी दल एकजुट नहीं हो पाए।

1992 में दशकों के सैन्य शासन के बाद एक नागरिक नेता किम यंग–सैम राष्ट्रपति चुने गए। नई निर्यात नीति के तहत सैमसंग, हुंडई, एलजी जैसी कम्पनियां वैश्विक प्रमुखता के स्तर तक पहुंची। खराब प्रबन्ध के कारण कोरिया को 1997 में विदेशी मुद्रा संकट से गुजरना पड़ा किन्तु अर्न्तराष्ट्रीय मुद्रा कोष (IMF) और नागरिकों के गोल्ड कलैक्शन मूवमेंट के सहयोग से कोरिया शीघ्र ही इस संकट से उबर गया।

दिसम्बर 1997 में शांतिपूर्ण हस्तानान्तरण द्वारा किम डे जुंग सत्ता में आए। 2008 में रूढ़िवादी नेता ली माइंग वाक सत्तारूढ़ हो गए। 2012 में पार्क खन–हे पहली महिला राष्ट्रपति चुनी गई। 2017 में महाभियोग चलाकर उन्हें सत्ता से हटा दिया गया। और मून–जे–इन ने राष्ट्रपति पद संभाला।

रिक्त स्थानों की पूर्ति करें

1. 19वीं शताब्दी की शुरुआत में ..... का पूर्वी एशिया पर प्रभुत्व था।
2. ..... ने चीन को 1894 में और रूस को 1905 में पराजित किया।
3. जापान का आधुनिकीकरण का सफर ..... के सिद्धांतों पर आधारित था।
4. पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (People's Republic of China) की स्थापना सन् .... में हुई।
5. चीन की साम्यवादी पार्टी की स्थापना ..... में हुई।
6. पीकिंग विश्वविद्यालय की स्थापना ..... में हुई।
7. सनयात सेन की मृत्यु के बाद ..... कुओमीनतांग के नेता बनकर उभरे।
8. जापान में बुलेट ट्रेन का जाल ..... में शुरू हुआ।
9. जापान 250 भागों में विभाजित था जिसका शासन ..... चलाते थे।
10. जापान चीन से ..... और भारत से ..... जैसी विलासी वस्तुएं आयात करता था।
11. ..... का रेशम दुनिया भर में बेहतरीन रेशम माना जाने लगा।
12. 1867–69 में मेजी वंश के नेतृत्व में ..... वंश का शासन समाप्त किया गया।
13. फुकुज़ावा यूकिची का कहना था कि जापान को अपने में से ..... को निकाल फेंकना चाहिए।
14. लेनिन टाटस्की जैसे नेताओं ने मार्च ..... में कौमिंटर्न या तृतीय अर्न्तराष्ट्रीय (Third International) का गठन किया।
15. ..... सी.पी.सी के प्रमुख नेता थे।
16. जापान द्वारा 1910 में कोरिया को उपनिवेश बनाने से पूर्व वहाँ ..... राजवंश का शासन था।
17. उत्तर कोरिया को दक्षिण कोरिया से ..... समानान्तर विभाजित करता है।
18. कोरिया की पहली महिला राष्ट्रपति का नाम ..... है।

दिए गए विकल्पों में से सही विकल्प चुनकर प्रश्नों निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए

1. दुनिया की तीसरी सबसे लम्बी नदी निम्न में से कौन सी है?

   (क) यांग्त्सी (ख) हुआंग हे

   (ग) पर्ल (घ) छांग जिआंग

2. चीन का सबसे प्रमुख जातीय समूह निम्न में से कौन सा है?

   (क) छुई (ख) मांचू

   (ग) उइछुर (घ) हान

3. निम्न में से कौन सा जापान का प्रमुख द्वीप नहीं है?

   (क) होशूं (ख) क्यूशू

   (ग) शिकोकू (घ) कोशिशक्यो

4. जापान की राजधानी है –

   (क) शंघाई (ख) टोक्यो

   (ग) होकादो (घ) ओकिनावा

5. जापानियों की कानूनी सोच किस देश की सोच से प्रभावित थी?

   (क) ब्रिटेन (ख) जर्मनी

   (ग) चीन (घ) फ्रांस

निम्न प्रश्नों का उत्तर अति संक्षेप में दीजिए

1. डिम सम का शाब्दिक अर्थ

   (NCERT, पृष्ठ सं. 233)

2. टोक्यो का अर्थ

   (NCERT, पृष्ठ सं. 236)

3. 'फुकोकु क्योहे' का अर्थ

   (NCERT, पृष्ठ सं. 236)

4. जापान की संसद का नाम
   (NCERT, पृष्ठ सं. 239)
5. 'मोगा' शब्द का अर्थ
   (NCERT, पृष्ठ सं. 241)
6. वुरवुरा का अर्थ
   (NCERT, पृष्ठ सं. 241)
7. वोलान वू का मतलब
   (NCERT, पृष्ठ सं. 244)
8. चीन के प्रमुख दार्शनिक का नाम
   (NCERT, पृष्ठ सं. 245)
9. सन मिन चुई का अर्थ
   (NCERT, पृष्ठ सं. 246)
10. सनयात सेन के प्रमुख सिद्धांत
    (NCERT, पृष्ठ सं. 246)
11. सनयात सेन ने किन चार बड़ी जरूरतों को रेखांकित किया
    (NCERT, पृष्ठ सं. 246)
12. लम्बी छलांग वाला आन्दोलन
    (NCERT, पृष्ठ सं. 250)
13. समाजवादी व्यक्ति की पाँच प्रिय चीज
    (NCERT, पृष्ठ सं. 251)
14. 1978 में चीनी पार्टी के आधुनिकीकरण के चार सूत्री लक्ष्य
    (NCERT, पृष्ठ सं. 251)
15. अप्रैल क्रान्ति
    (NCERT, पृष्ठ सं. 254)

16. सैमोल आन्दोलन

(NCERT, पृष्ठ सं. 254)

लघु उत्तर प्रश्न (3 अंक वाले)

1. मेज़ी पुनर्स्थापना के मुख्य कारण क्या थे? वर्णन कीजिए।
2. मेज़ी सुधारों का महत्वपूर्ण हिस्सा, अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण था। व्याख्या कीजिए।
3. जापान के एक आधुनिक समाज में रूपान्तरण से रोज़ाना की जिन्दगी में किस प्रकार के बदलाव आए?
4. अफीम युद्ध से आप क्या समझते हैं? इसका चीन वासियों पर क्या प्रभाव पड़ा?
5. सन यात–सेन के प्रमुख सिद्धान्तों का विस्तार से वर्णन कीजिए।
6. चीन में प्रचलित कंफ्यूशियसवाद की विचारधारा को उल्लेख कीजिए।
7. कोरिया के तीव्र आर्थिक विकास के लिए उत्तरदाई कारणों का वर्णन कीजिए।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (8 अंक वाले)

1. मेज़ी शासन के अन्तर्गत जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनिकीकरण किस प्रकार हुआ? पर्यावरण पर उद्योगों के विकास का क्या प्रभाव पड़ा?
2. कुओमीन तांग के नेता के रूप में 'चियांग काई–शेक' के कार्यों का वर्णन करते हुए यह स्पष्ट कीजिए कि कुआमीनतांग देश को एकीकृत करने की कोशिशों में क्यों असफल रहा?
3. 1870 के दशक में जापान में विद्यालयी व्यवस्था और राष्ट्र के एकीकरण के लिए क्या बदलाव किए गए? विस्तार से वर्णन कीजिए।
4. जापान और चीन ने आजाद और आधुनिक राष्ट्र बनने के लिए बिल्कुल अलग–अलग राहें अपनाई, विस्तार से व्याख्या कीजिए।
5. ''ताईवान का एक लोकतन्त्र में रूपान्तरण एक नाटकीय मोड़ रहा'', व्याख्या कीजिए।

दीर्घ प्रश्नोत्तर

1. मेज़ी शासन के अन्तर्गत जापान में अर्थव्यवस्था का आधुनीकीकरण :

- कृषि पर कर।
- जापान में रेल लाइन बिछाना।
- वस्त्र उद्योग के लिए मशीनों का आयात।
- मजदूरों का विदेशी कारीगरों द्वारा प्रशिक्षण।
- विद्यार्थियों को पढ़ने के लिए विदेश भेजना।
- आधुनिक बैंकिंग व्यवस्था का प्रारम्भ।
- कम्पनियों को कर में छूट व सब्सिडी देना।

पर्यावरण पर उद्योगों के विकास का प्रभाव :–

- लकड़ी जैसे प्राकृतिक संसाधनों की मांग से पर्यावरण पर विनाशकारी प्रभाव।
- औद्योगीकरण के कारण वायु प्रदूषण, जल प्रदूषण का बढ़ना।
- कृषि उत्पादों में कमी का प्रमुख कारण लोगों का शहरों की तरफ पलायन।

2. चियांग काईशेक के कार्य :

- वारलार्ड्स पर नियन्त्रण करना।
- साम्यवादियों का खात्मा।
- सेक्यूलर और 'इहलौकिक' कन्फ्यूशियसवाद की हिमायत की।
- राष्ट्र का सैन्यकरण का प्रयास।
- महिलाओं के चार सद्गुण पैदा करने के लिए प्रोत्साहित किया। सतीत्व, रूप–रंग, वाणी और काम।

देश को एकीकृत करने में असफलता के कारण :–

- संकीर्ण सामाजिक आधार।
- सीमित राजनीतिक दृष्टि।
- पूँजी नियमन और भूमि अधिकारों में समानता लाने में असमर्थता।
- लोगों की समस्या पर ध्यान न देकर, फौजी व्यवस्था थोपने का प्रयास किया।

3. विद्यालयी व्यवस्था में बदलाव :

- लड़के और लड़कियों के लिए स्कूल जाना अनिवार्य।
- पढ़ाई की फीस बहुत कम करना।
- आधुनिक विचारों पर जोर देना।
- राज्य के प्रति निष्ठा और जापानी इतिहास के अध्ययन पर बल दिया गया।
- किताबों के चयन और शिक्षकों के प्रशिक्षण पर नियन्त्रण।
- माता–पिता के प्रति आदर, राष्ट्र के प्रति वफादारी और अच्छे नागरिक बनने की प्रेरणा दी गई।

राष्ट्रीय एकीकरण के प्रयास :

- पुराने गांवों और क्षेत्रीय सीमाओं को बदलकर नया प्रशासनिक ढ़ाँचा तैयार किया गया।
- प्रशासनिक इकाईयों के लिए पर्याप्त राजस्व की व्यवस्था ताकि स्कूल और स्वास्थ्य सेवायें जारी रहें।
- बीस साल से अधिक आयु के युवकों के लिए कुछ अरसे सेना में कार्य करना अनिवार्य किया गया।
- आधुनिक सैन्य बल तैयार किया गया।
- सख्त सेंसर व्यवस्था लागू की गई।
- नौकरशाही और सेना सीधे सम्राट के अधीन रखी गई।

4. जापान अपनी आजादी बनाये रखने में सफल रहा और पारंपरिक हुनर और प्रथाओं को नये तरीके से इस्तेमाल कर पाया। कुलीन वर्ग के नेतृत्व में आधुनीकीकरण ने उग्र राष्ट्रवाद को जन्म दिया और शोषणकारी सत्ता को बरकरार रखा।

औपनिवेशिक साम्राज्य की स्थापना की जिससे उस क्षेत्र में बैर की भावना बढ़ी।

पश्चिमी साम्राज्यवादी ताकतों की नकल करते हुए, अपने हल स्वयं ढूंढ़ने की कोशिश की। नये और रचनात्मक तरीके इस्तेमाल किये जैसे नयी विद्यालयी व्यवस्था, सम्राट के प्रति वफादारी, नैतिक शास्त्र का पढ़ना अनिवार्य, निष्ठावान नागरिक का निर्माण आदि।

चीन में पश्चिमी और जापानी साम्राज्यवाद ने राजनीतिक और सामाजिक व्यवस्था को तोड़ने का माहौल बना दिया। 19वीं और 20वीं सदी में परम्पराओं को ठुकराया गया और राष्ट्रीय एकता और सुदृढ़ता के लिए नये रास्तों की तलाश की गई। लोगों को अधिकार और सत्ता देने की बात की परन्तु वास्तव में केंद्रीकृत राज्य की स्थापना की। दमन कारी राजनीतिक व्यवस्था लागू की गई तथापि शिक्षा का विस्तार हुआ और लोगों के बीच जागरूकता पैदा हुई। बाजार संबंधी सुधारों के द्वारा आर्थिक दृष्टि से ताकतवर बनने में सफलता प्राप्त की।

5. चीनी साम्यवादी दल से पराजित होकर चियांग काई शेक 1949 में ताइवान भाग निकले और वहां उन्होंने चीनी गणतन्त्र की स्थापना की।

कुआमीनतांग ने चियांग काईशेक के नेतृत्व में एक दमनकारी सरकार की स्थापना की लेकिन भूमि सुधार लागू किए गए। अर्थव्यवस्था का आधुनीकीकरण किया गया।

1975 में चियांग की मृत्यु के बाद धीरे–धीरे लोकतन्त्र में रूपान्तरण प्रारम्भ हुआ। 1887 में फौजी कानून हटा लिया गया। विरोधी दलों को गठन की इजाजत मिली और स्वतन्त्र मतदान द्वारा ताइवानियों को सत्ता में लाने का प्रयास प्रारम्भ किया गया। ताईवान में पूर्ण राजनैयिक संबंध और दूतावास रखना सम्भव नहीं है क्योंकि इसे चीन का ही एक हिस्सा समझा जाता है।

बहुविकल्पीय प्रश्नों के उत्तर

विषय–2

1. (घ) 2. (ख) 3. (क) 4. (क) 5. (ख) 6. (ग) 7. (क)
8. (घ) 9. (ख) 10. (ग)

विषय–3

1. (ख) 2. (घ) 3. (ग) 4. (क) 5. (घ) 6. (क) 7. (ख)
8. (क) कोलोसियम 9. (घ) 10. (ग)

विषय–5

1. (ख) 2. (ग) 3. (घ) 4. (क) 5. (घ) 6. (क) 7. (क)

विषय–6

1. (ग) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क) 5. नगर की हवा स्वतन्त्र बनाती है
6.(ग)

विषय–7

1. (क) 2. (ग) 3. (ख) 4. (क) 5. (ख) 6. (ख) 7. (ग)

विषय–10

1. (ख) 2. (ग) 3. (ग) 4. (क) 5. (क)

विषय–11

1. (घ) 2. (घ) 3. (घ) 4. (ख) 5. (ख)

सही/गलत के चिह्न वाले प्रश्नों के उत्तर

विषय–5

1. (✘) 2. (✓) 3. (✓) 4. (✘) 5. (✓)

विषय–6

1. (✓) 2. (✓) 3. (✘) 4. (✓) 5. (✘)

विषय–7

1. (✓) 2. (✘) 3. (✓) 4. (✘) 5. (✘)

विषय – 2

लेखन कला और शहरी जीवन

1. **निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें–**

मोहर : एक शहरी शिल्प–कृति

भारत में, प्राचीन काल में पत्थर की मोहरें होती थीं जिन पर चिह्न अंकित किए गए होते थे। लेकिन मेसोपोटामिया में, पहली सहस्राब्दी ई.पू.0 के अंत तक पत्थर की बेलनाकार मोहरें, जो बीच में आर–पार छिदी होती थीं, एक तीली लगाकर गीली मिट्टी के ऊपर घुमाई जाती थीं और इस प्रकार उनसे लगातार चित्र बनता जाता था। वे अत्यंत कुशल कारीगरों द्वारा उकेरी जाती थीं और कभी–कभी उनमें ऐसे लेख होते थे, जैसे–मालिक का नाम, उसके इष्टदेव का नाम और उसकी अपनी पदीय स्थिति, आदि। किसी कपड़े की गठरी या बर्तन के मुँह को चिकनी मिट्टी से लीप–पोतकर उस पर वह मोहर घुमाई जाती थी जिससे उसमें अंकित लिखावट मिट्टी की सतह पर छप जाती थी, इससे उस गठरी या बर्तन में रखी वस्तुओं को मोहर लगाकर सुरक्षित किया जा सकता था। जब इस मोहर को मिट्टी की बनी पट्टिका पर लिखे पत्र पर घुमाया जाता था तो वह मोहर उस पत्र की प्रामणिकता की प्रतीक बन जाती थी। इस प्रकार मुद्रा सार्वजनिक जीवन में नगरवासी की भूमिका को दर्शाती थी।

प्र.1 भारत में प्राचीन काल मे मोहरें किस पदार्थ से बनाई जाती थी। 1

प्र.2 मेसोपोटामिया की मुहरों में किस प्रकार के लेख पाये जाते हैं? 2

प्र.3 मुहरों को बनाने वाले कुशल कारीगरों के बारे में आप क्या जानते हैं? 2

2. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें –

वार्का शीर्ष

3000 ई.पू. उरुक नगर में स्त्री का यह सिर एक सफ़ेद संगमरमर को तराशकर बनाया गया था। इसकी आँखों और भौंहों में क्रमशः नीले लाजवर्द (Lapis Lazuli) तथा सफ़ेद सीपी और काले डामर (Bitumen) की जड़ाई की जाती है। यह एक ऐसे कठोर पत्थर में तराशा गया है जिसे काफी अधिक दूरी से लाना पड़ा होगा।

प्र.1 वार्का शीर्ष को कब बनाया गया और किस पत्थर को तराशकर बनाया गया था? 2

प्र.2 स्त्री का सिर किस प्रकार बनाया गया है? और उसकी क्या विशेषताएं हैं? 2

प्र.3 स्त्री की मूर्ति या सिर की प्रसिद्धि का कारण क्या है? 2

विषय – 3
तीन महाद्वीपों में फैला साम्राज्य

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

दासों के प्रति व्यवहार

कुछ ही समय बाद शहर के शासक ल्यूसियस पेडेनियस सेकंड्स का उसके एक दास ने कत्ल कर दिया। कत्ल के पश्चात्, पुराने रिवाज के अनुसार यह आवश्यक था कि एक ही छत के नीचे रहने वाले प्रत्येक दास को फाँसी दे दी जाए। परंतु बहुत से निर्दोष लोगों को बचाने के लिए भीड़ एकत्र हो गई और दंगे शुरू हो गए। सैनेट भवन को घेर लिया गया। हालाँकि सैनेट भवन में अत्यधिक कठोरता का विरोध किया जा रहा था परंतु अधिकांश सदस्यों ने परिवर्तन किए जाने का विरोध किया। जो सैनेटर फाँसी देने के पक्ष में थे, उनकी बात मानी गई। परंतु पत्थर और जलती हुई मशालें लिए भारी भीड़ ने इस आदेश को कार्यान्वित किए जाने से रोका। नीरो ने अभिलेख द्वारा इन लोगों को फटकार लगाई। उन सारे मार्गों पर सेना लगा दी जहाँ सैनिकों के साथ दोषियों को फाँसी पर चढ़ाने के लिए ले जाया जा रहा था।

प्र.1 टैसिटस कौन था? 1

प्र.2 नीरों ने इन लोगों के प्रति क्या रवैया अपनाया था? 2

प्र.3 रोमन साम्राज्य में सीनेट की स्थिति कैसी थी? 2

2. रोमन अभिजात वर्ग की आमदनियाँ पांचवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में

निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

रोम के ऊँचे घरानों में से प्रत्येक के पास अपने आप में वह सब कुछ मौजूद था जो एक मध्यम आकार के शहर में हो सकता है। एक घुड़दौड़ का मैदान (हिप्पोड्रोम), अनेक मंच–मंदिर, फव्वारे और विभिन्न प्रकार के स्नानागार..... बहुत से रोमन परिवारों को अपनी संपत्ति से प्रतिवर्ष 4,000 पाउंड सोने की आय प्राप्त होती थी, जिसमें अनाज, शराब और अन्य उपज शामिल नहीं थीं इन उपजों को बेचने पर सोने

में प्राप्त आय के एक–तिहाई के बराबर आमदनी हो सकती थी। रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की आय 1000 अथवा 1500 पाउंड सोना थी।

थेब्स का ओलिपिओडोरस

प्र.1 हिप्पोड्रोम का क्या अर्थ है? 1

प्र.2 रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की प्रति वर्ष आय कितनी थी। 2

प्र.3 रोम के ऊँचे घरानों के पास क्या–क्या संसाधन थे? 2

विषय – 5

यायावर साम्राज्य

1. **निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए–**

बुखारा पर कब्ज़ा

परवर्ती तेरहवीं शताब्दी के ईरान के मंगोल शासकों के एक फ़ारसी इतिवृत्तकार जुवैनी (Juwaini) ने 1220 ई. में बुखारा की विजय का वृत्तांत दिया है। जुवैनी के कथनानुसार नगर की विजय के बाद चंगेज़ खान उत्सव मैदान में गया जहाँ पर नगर के धनी व्यापारी एकत्रित थे। उसने उन्हें संबोधित कर कहा, ''अरे लोगों! तुम्हें यह ज्ञात होना चाहिए कि तुम लोगों ने अनेक पाप किए हैं और तुममें से जो अधिक सम्पन्न लोग हैं उन्होंने सबसे अधिक पाप किए हैं। अगर तुम मुझसे पूछो कि इसका मेरे पास क्या प्रमाण है तो इसके लिए मैं कहूँगा कि मैं ईश्वर का दंड हूँ। यदि तुमने पाप न किए होते तो ईश्वर ने मुझे दंड हेतु तुम्हारे पास न भेजा होता.....'' अब कोई व्यक्ति, बुखारा पर अधिकार होने के बाद खुरासान भाग गया था। उससे नगर के भाग्य के बारे में पूछने पर उसने उत्तर दिया, 'वे (नगर) आए, दीवारों को ध्वस्त कर दिया, जला दिया, लोगों को वध किया, लूटा और चल दिए।'

प्र.1 जुवैनी कौन था? 1

प्र.2 चंगेज खान ने उत्सव मैदान में किन लोगों को संबोधित किया और क्यों? 2

प्र.3 व्यक्ति ने बुखारा का भाग्य पूछने पर क्या उत्तर दिया? 2

2. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर अन्त में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

यास

1221 में बुखारा पर विजय प्राप्त करने के बाद चंगेज़ खान ने वहाँ के अमीर मुसलमान निवासियों को 'उत्सव मैदान' में एकत्रित कर उनकी भर्त्सना की। उसने उनको पापी कहा और चेतावनी दी कि इन पापों के प्रायश्चितस्वरूप उनको अपना छिपा हुआ ध ान उसे देना पड़ेगा। यह वर्णन करने योग्य एक नाटकीय घटना थी जिसको लोगों ने लंबे समय तक याद रखा और उस पर चित्र बनाए। सोलहवीं शताब्दी के अंत में चंगेज़ खान के सबसे बड़े पुत्र चोजी का एक दूर का वंशज अब्दुल्लाह खान बुखारा के उसी उत्सव मैदान में गया। चंगेज़ खान के विपरीत अब्दुल्लाह खान वहाँ छुट्टी

की नमाज़ अदा करने गया। उसके इतिहासकार हफ़ीज–ए–तानीश ने अपने स्वामी की इस मुस्लिम धर्म–परायणता का विवरण अपने इतिवृत्त में दिया और साथ में यह चौंका देने वाली टिप्पणी भी की: 'कि यह चंगेज़ खान के यास के अनुसार था'।

प्र.1 यास से क्या अभिप्राय है? इसका प्रचलन कब और किसने किया? 2

प्र.2 हफीज–ए–तानीश ने अब्दुल्लाह खान के विषय में क्या टिप्पणी की? 1

प्र.3 चंगेज खान ने मुसलमानों को कहाँ एकत्रित किया और क्या चेतावनी दी? 2

3. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर अन्त में पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

गज़न खान का भाषण

गज़न खान (1295–1304) पहला इल–खानी शासक था जिसने धर्म–परिवर्तन कर इस्लाम ग्रहण किया। उसने अपने मंगोल–तुर्की यायावर सेनापतियों को निम्न भाषण दिया जिसे संभवतः उसके इरानी वज़ीर रशीदुद्दीन ने लिखा था और जिसे मंत्री के पत्रों में शामिल किया गया था:।

''मैं फ़ारस के कृषक वर्ग के पक्ष में नहीं हूँ। यदि उन सबको लूटने का कोई उद्देश्य है, तो ऐसा करने के लिए मेरे से अधिक शक्तिशाली और कोई नहीं है, चलो हम सब मिल कर उन्हें लूटते हैं। लेकिन अगर आप निश्चित रूप से भविष्य में अपने भोजन के लिए अनाज और भोज्य–सामग्री इकट्ठा करना चाते हैं तो मुझे आपके साथ कठोर होना पड़ेगा। आपको तर्क और बुद्धि से काम लेना सिखाना पड़ेगा। यदि आप कृषकों का अपमान करेंगे, उनसे उनके बैल और अनाज के बीज छीन लेंगे और उनकी फसलों को कुचल डालेंगे, तो आप भविष्य में क्या करेंगे? एक आज्ञाकारी कृषक वर्ग और एक विद्रोही कृषक वर्ग में अंतर समझना आवश्यक है।.....''

प्र.1 गज़न खान कौन था? 1

प्र.2 गज़न खान द्वारा कृषकों का पक्ष लेने के क्या कारण थे? 2

प्र.3 रशीदुद्दीन कौन था? उसके योगदान को लिखिए। 2

विषय – 6

तीन वर्ग

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

बारहवीं सदी में, बिंगेन के आबेस हिल्डेगार्ड (Hildegard) ने लिखा– 'कौन चरवाहा अपने समस्त पशुओं, गायों, गधों, भेड़ों, बकरियों को कोई अंतर किए बिना एक अस्तबल में रखने की सोचेगा? इसलिए मनुष्यों में भी अंतर स्थापित करना आवश्यक है जिससे वे एक–दूसरे को तबाह न करें, ईश्वर अपने रेवड़ में अंतर रखता है चाहे स्वर्ग पर अथवा पृथ्वी पर। उसके द्वारा सबको प्यार मिलता हैं। परंतु उमें कोई समानता नहीं है।

प्र.1 उपरोक्त पंक्तियां किसके द्वारा लिखी गई है? 1

प्र.2 मनुष्यों में अन्तर स्थापित करना आवश्यक है, इसके लिये क्या तर्क दिए गये हैं? 2

प्र.3 चरवाहा अपने पशुओं को कहाँ रखने की सोचेगा? 2

2. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

"दावत के दिनों में हमारे द्वारा अक्सर अनुभव की जाने वाली कमी, जगह की संकीर्णता, अत्यधिक यंत्रणा और शोर के कारण भागकर स्त्रियों का पुरुषों के सिरों के ऊपर स्थित वेदिका पर चले जाना–ये सब कुछ ऐसे कारण थे कि हमने पवित्र चर्च को विस्तृत एवं व्यापक बनाने का निर्णय लिया...

विभिन्न क्षेत्रों से आए अनेक विशेषज्ञों के अति कुशल हाथों से तरह–तरह की शानदार नयी खिड़कियों की पुताई कराई, क्योंकि ये खिड़कियाँ अपने अद्‌भुत निष्पादन और बहुत महँगे रंजित व सफ़ायर काँच के कारण बहुत मूल्यवान थीं इसलिए उनकी रक्षा के लिए हमने एक सरकारी प्रधान शिल्पकार और स्वर्णकार की नियुक्ति की, वे अपनी तनख्वाह वेदिका से सिक्कों के रूप में और आटा अपने भाईबंधुओं के सार्वजनिक भंडार से ले सकते थे; वे उन कला वस्तुओं की देखरेख के कर्तव्यों की उपेक्षा कभी नहीं कर सकते थे।"

प्र.1 पवित्र चर्च को विस्तृत एवं व्यापक बनाने का निर्णय क्यों लिया गया? कोई दो कारण बताइए। 2

प्र.2 बड़े–बड़े चर्चों को किस नाम से पुकारा जाता था? 1

प्र.3 बड़े चर्च में एक सरकारी प्रधान शिल्पकार और स्वर्णकार की नियुक्ति क्यों की गई? 2

3. बेनेडिक्टीन (Benedictine) मठों में, भिक्षुओं के लिए एक हस्तलिखित पुस्तक होती थी जिसमें नियमों के 73 अध्याय थे। इसका पालन भिक्षुओं द्वारा कई सदियों तक किया जाता रहा। इस पुस्तक के कुछ नियम इस प्रकार हैं –

अध्याय 6 : भिक्षुओं को बोलने की आज्ञा कभी–कभी दी जानी चाहिए।

अध्याय 7 : विनम्रता का अर्थ है आज्ञपालन।

अध्याय 33 : किसी भी भिक्षु को निजी संपत्ति नहीं रखनी चाहिए।

अध्याय 47 : आलस्य आत्मा का शत्रु है, इसलिए भिक्षु और भिक्षुणियों को निश्चित समय में शारीरिक श्रम और निश्चित घंटों में पवित्र पाठ करना चाहिए।

अध्याय 48 : मठ इस प्रकार बनाने चाहिए कि आवश्यकता की समस्त वस्तुएँ–जल, चक्की, उद्यान, कार्यशाला सभी उसकी सीमा के अंदर हों।

प्र.1 विनम्रता का क्या अर्थ है? यह मनुष्यों के लिए जरूरी क्यों है? 1

प्र.2 सम्पत्ति संबंधी नियम किस अध्याय में है? आलस्य क्या है? 2

प्र.3 मठों का निर्माण किस प्रकार किया जाना चाहिए? 2

विषय – 7

बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़ें और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें :

निकोलो मैक्यावेली (Niccolo Machiavelli) अपने ग्रंथ दि प्रिंस (1513) के पंद्रहवें अध्याय में मनुष्य के स्वभाव के बारे में लिखते हैं –

''काल्पनिक बातों को यदि अलग कर दें और केवल उन्हीं विषयों के बारे में सोचें जो वास्तव में हैं, मैं यह कहता हूँ कि जब भी मनुष्यों के बारे में चर्चा होती है (विशेषकर राजकुमारों के बारे में, जो जनता की नजर में रहते हैं) तो इनमें अनेक गुण देखे जाते हैं जिनके कारण वे प्रशंसा या निंदा के योग्य बने हैं। उदाहरण के लिए, कुछ को दानी माना जाता है और अन्य को कंजूस। कुछ लोगों को हितैषी माना जाता है तो अन्य को लोभी कहा जाता है, कुछ निर्दयी और कुछ दयालु। एक व्यक्ति अविश्वसनीय और दूसरा घमंडी, एक व्यक्ति कामुक दूसरा पवित्र, एक निष्कपट दूसरा चालाक, एक अड़ियल दूसर लचीला, एक गंभीर दूसरा छिछोरा, एक धार्मिक दूसरा संदेही इत्यादि।

मैक्यावेली यह मानते थे कि 'सभी मनुष्य बुरे हैं और वह अपने दुष्ट स्वभाव को प्रदर्शित करने में सदैव तत्पर रहते हैं क्योंकि कुछ हद तक मनुष्य की इच्छाएँ अपूर्ण रह जाती है।' मैक्यावेली ने देखा कि इसके पीछे, प्रमुख कारण है कि मनुष्य अपने समस्त कार्यों में अपना स्वार्थ देखता है।''

प्र.1 उपरोक्त विवरण किस पुस्तक से लिया गया है और इसके लेखक का क्या नाम है? 2

प्र.2 निकोलो मैक्यावली मनुष्य के स्वभाव के बारे में क्या लिखते हैं? 2

प्र.3 मनुष्य की इच्छाएं अपूर्ण क्यों रह जाती है? 1

कलाकार और यथार्थवाद

2. ''कला प्रकृति में रची बसी होती है। जो इसके सार को पकड़ सकता है। वही इसे हासिल कर सकता है। इसके अलावा आप अपनी कला को गणित द्वारा दर्शा सकते हैं। जिंदगी की अपनी आकृति से अपनी कृति जितनी जुड़ी होगी उतना ही सुन्दर, आपका चित्र होगा कोई भी आदमी सिर्फ अपनी कल्पना मात्र से एक सुन्दर आकृति नहीं बना सकता जब तक उसने अपने मन को जीवन की प्रति छवि से न भर लिया हो।''

प्र.1 व्यक्ति सुन्दर आकृति किस प्रकार बना सकता है? 1

प्र.2 यथार्थवाद से क्या अभिप्राय है? 2

प्र.3 व्यक्ति कल्पना मात्र से एक सुन्दर आकृति क्यों नहीं बना सकता? वर्णन कीजिए। 2

3. निम्नलिखित अनुच्छेद को पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

''इस बात से सब लोग सहमत होंगे कि वे आपको धर्म ग्रंथ के ज्ञान से दूर रखने के लिए यह चाहते थे कि धर्म ग्रंथ के अनुवाद आपकी मातृ भाषा में उपलब्ध न हो सके जिससे दुनिया अंधकार में ही रहे और वे (पुरोहित वर्ग) लोगों के अंतःकरण में बने रहे जिससे उनके द्वारा बनाए व्यर्थ के अंधविश्वास और झूठे धर्म सिद्धान्त चलते रहे जिसके रहते उनकी ऊँची आकाक्षाएं और अतृप्त लोलुप्ता पूरी हो सके। इस तरह वे राजा, सम्राट और यहाँ तक कि अपने को अपने ईश्वर से भी ऊँचा बना सके जिस बात ने मुझे मुख्य रूप से न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद करने की प्रेरणा दी। मुझे अपने अनुभवों से ज्ञात हुआ कि सामान्य लोगों की किसी भी सच्चाई की तब तक जानकारी नहीं हो सकती जब तक उनके पास अपने धर्म ग्रंथ के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध न हो। इन अनुवादों से ही वे अपने धर्म ग्रन्थ की परिपाटी क्रम और अर्थ को समझ सकेंगे।

प्र.1 धर्मग्रन्थों को मातृभाषा में होना क्यों आवश्यक है? 1

प्र.2 पाप स्वीकारोक्ति क्या थी? 2

प्र.3 टॉमस मोर और इरेस्मस कौन थे? चर्च के बारे में उनके क्या विचार थे? 2

विषय – 10

मूल निवासियों का विस्थापन

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

इसलिए वाशिंगटन में बैठा महान मुखिया (ग्रेट चीफ) जब यह संदेश भेजता है कि वह हमारी जमीन खरीदना चाहता है, तो वह हम से कुछ ज्यादा ही उम्मीद करता है। महान मुखिया का संदेश है कि वह हमारे लिए कोई जगह मुकर्रर कर देंगे, ताकि हम आराम से रह सकेंगे। वह हमारे पिता होंगे और हम उनके बच्चे होंगे। इसलिए हम इस जमीन को खरीदे जाने के प्रस्ताव पर विचार करेंगे। लेकिन यह आसान न होगा क्योंकि यह जमीन हमारे लिए पावन है। धाराओं और नदियों में बहता हुआ चमकीला पानी सिर्फ पानी नहीं है, वह हमारे पुरखों का लहू है। अगर हम आपको जमीन बेच दें तो आपको यह याद रखना होगा कि वह पवित्र हैं और अपने बच्चों को सिखाना होगा कि वह पवित्र है और उसके तालाबों के निथरे हुए पानी में दिखता हर भूतहा प्रतिबिंब मेरी जनता के जीवन की घटनाओं और स्मृतियों का बयान करता है। पानी का कलकल मेरे पिता के पिता की आवाज है.....'

प्र.1 महान मुखिया का क्या सन्देश है? 1

प्र.2 मूलनिवासियों को अपनी जमीन व संसाधनों के प्रति लगाव क्यों है? 2

प्र.3 धाराओं और नदियों में बहता चमकीला पानी सिर्फ पानी क्यों नहीं है? स्पष्ट कीजिए। 2

2. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

सिडनी के इलाके का एक वर्णन, 1790

''ब्रिटिशों की उपस्थिति ने आदिवासियों के उत्पादन को नाटकीय ढंग से अस्त–व्यस्त कर दिया। हजारों भूखे मुखों के आने से, जिनके पीछे–पीछे सैकड़ों और आए, स्थानीय खाद्य संसाधनों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ा।

तो दारूक लोगों ने इन सबके बारे में क्या सोचा होगा? उनके लिए पवित्र स्थानों का इतने बड़े पैमाने पर विनाश और अपनी जमीन के प्रति विचित्र, हिंसक बर्ताव समझ से परे था। ये नवागंतुक बिना वजह पेड़ों को काटते जाते। यह बिना वजह इसलिए जान पड़ता था कि उन्हें न डोंगी बनानी थीं, न जंगली शहद इकट्ठा करना था और न ही जानवर पकड़ने थे। पत्थरों को हटाकर उनका चट्टा लगा दिया गया, मिट्टी खोद कर उसे आकार देकर पका दिया गया, जमीन में गड्ढ़े बना दिए गए, बहुत

भारी–भरकम इमारतें तैयार कर दी गई। पहले–पहल उन्होंने इस सफाई की तुलना किसी पवित्र आनुष्ठानिक भूमि के निर्माण से की होगी..... सभवतः उन्होंने सोचा कि एक विशाल कर्मकांडी जलसा होने जा रहा है और यह एक खतरनाक धंधा होगा, जिससे उन्हें पूरी तरह दूर रहना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं कि इसके बाद दारूक उन बस्तियों से बचकर रहने लगे, और राजकीय अपहरण ही उन्हें वापस लाने का एकमात्र तरीका था।''

प्र.1 उपरोक्त पंक्तियों का वर्णन किसके बारे में है? तथा कब किया गया? 1

प्र.2 आदिवासियों के उत्पादन को नष्ट करने के क्या दुष्परिणाम हुए वर्णन कीजिए। 2

प्र.3 नवागंतुक द्वारा किये गये कार्य से आदिवासियों पर क्या प्रभाव पड़ा? 2

विषय – 11

आधुनिकीकरण के रास्ते

1. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें :

पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार 1949 में कायम हुई। यह 'नए लोकतंत्र' के सिद्धांतों पर आधारित थी। 'सर्वहारा की तानाशाही', जिसे कायम करने का दावा सोवियत संघ का था, से भिन्न नया लोकतंत्र सभी सामाजिक वर्गों का गठबंधन था। अर्थव्यवस्था के मुख्य क्षेत्र सरकार के नियंत्रण में रखे गए और निजी कारखानों और भूस्वामित्व को धीरे–धीरे खत्म किया गया। यह कार्यक्रम 1953 तक चला जब सरकार ने समाजवादी बदलाव का कार्यक्रम शुरू करने की घोषणा की। 1958 में लंबी छलाँग वाले आंदोलन की नीति के जरिए देश का तेजी से औद्योगीकरण करने की कोशिश की गई। लोगों को अपने घर के पिछवाड़े में इस्पात की भट्टियाँ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। ग्रामीण इलाकों में पीपुल्स कम्यून्स–जहाँ लोक इकट्ठे जमीन के मालिक थे और मिल–जुलकर फसल उगाते थे–शुरू किये गये। 1958 तक 26,000 ऐसे समुदाय थे जो कि कृषक आबादी का 98 प्रतिशत था।

प्र.1 रिपब्लिक ऑफ चाइना की सरकार कब कायम हुई? 1

प्र.2 सर्वहारा की तानाशाही से क्या अभिप्राय है? इसका प्रयोग सर्वप्रथम किसने किया था? 2

प्र.3 लम्बी छलांग वाला आन्दोलन कब और क्यों शुरु किया गया? 2

2. जापानी भाषा एक साथ तीन लिपियों का प्रयोग करती है। इनमें से एक कांजी, जापानियों ने चीनियो से छठी शताब्दी में ली। चूँकि उनकी भाषा चीनी भाषा से बहुत अलग है, उन्होंने दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओं का विकास भी किया–हीरागानाऔर कताकाना। हीरागाना नारी सुलभ समझी जाती है क्योंकि हेआन काल में बहुत–सी लेखिकाएँ इसका इस्तेमाल करती थी। जैसे कि मुंरासाकी। यह चीनी चित्रात्मक चिह्नों और ध्वन्यात्मक अक्षरों (हीरागाना अथवा कताकाना) को मिलाकर लिखी जाती है। शब्द का प्रमुख भाग कांजी के चिन्ह से लिखा जाता है और बाकी का हीरागाना में।

ध्वन्यात्मक अक्षरमाला की मौजूदगी के चलते ज्ञान कुलीन वर्गों से व्यापक समाज में काफी तेजी से फैल सका। 1880 के दशक में यह सुझाव दिया गया कि जापानी या तो परी तरह से ध्वन्यात्मक लिपि का विकास करें या कोई यूरोपीय भाषा अपना लें। दोनों में से कुछ भी नहीं किया गया।

1. कांजी लिपि जापानियों ने किस देश से और कब ली थी ? 1

2. हीरागाना नारी सुलभ क्यों समझी जाती थी स्पष्ट कीजिए ? 2

3. दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओ के नाम लिखिए। 2

3. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए :–

इनका जन्म एक गरीब सामुराई परिवार में हुआ इनकी शिक्षा नागासाकी और ओसाका में हुई इन्होंने डच और पश्चिमी विज्ञान पढ़ा और बाद में अंग्रेजी भी। 1860 में वे अमरीका में पहले जापानी दूतावास में अनुवादक के रुप में गए इससे इन्हें पश्चिम पर किताब लिखने के लिये बहुत कुछ मिला उन्होंने अपने विचार क्लासिकी नही बल्कि बोलने चालने के अंदाज में लिखे यह किताब बहुत ही लोकप्रिय हुई इन्होंने एक शिक्षा संस्थान स्थापित किया जो आज केओ विश्व विद्यालय के नाम से जाना जाता हे। वे मेरोकुशा संस्था के मुख्य सदस्यों में से थे। ये संस्था पश्चिमी शिक्षा का प्रचार करती थी।

प्र.1 फुकुज़ावा यूकिची जापान के किस काल के प्रमुख बुद्धिजीवियों में से एक थे? 1

प्र.2 मेरोकुशा क्या था? 'जापान को अपने में से एशिया निकाल फेंकना चाहिए' से उनका क्या तात्पर्य था? 2

प्र.3 उन्होंने अपनी पुस्तक में क्या लिखा है। 2

4. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिये गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए:–

अपनी एक किताब, ज्ञान के लिए प्रोत्साहन (गाकुनोन नो सुसुमे, 1872–76) में उन्होंने जापानी ज्ञान की कड़ी आलोचना की: "जापान के पास प्राकृतिक दृश्यों के अलावा गर्व करने के लिए कुछ भी नहीं है" उन्होंने आधुनिक कारखानों व संस्थानों के अलावा पश्चिम के सांस्कृतिक सारतत्त्व को भी बढ़ावा दिया जो कि उनके मुताबिक सभ्यता की आत्मा है। उसके जरिये एक नया नागरिक बनाया जा सकेगा। उनका सिद्धांत था, "स्वर्ग ने इंसान को इंसान के ऊपर नहीं बनाया, न ही इंसान के नीचे"।

प्र.1 प्रस्तुत अनुच्छेद के लेखक का नाम लिखिए। 1

प्र.2 लेखक ने किस चीज़ की आलोचना की? आलोचना करने के लिए उन्होंने क्या तर्क दिया? 2

प्र.3 लेखक ने 'सभ्यता की आत्मा' किस को कहा? उनका क्या सिद्धान्त था। 2

केस स्टडी आधारित प्रश्न

विषय 2– लेखन कला और शहरी जीवन

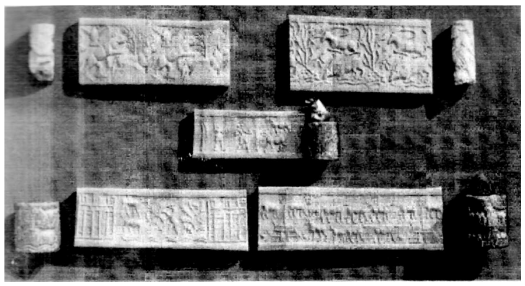

1. उपर्युक्त चित्र में दर्शित मोहरें किस का की हैं?

   (क) 5वीं सदी (ख) 11 वीं सदी

   (ग) 12वीं सदी (घ) पहली सदसदी ई.पू.

2. (i) प्राचीन सभ्यता की मोहरें पत्थर की होती थी।

   (ii) प्राचीन सभ्यता की मोहरों पर चिह्न अंकित होते थे।

   (iii) ये मोहरें बेलनाकार होती थी।

   (iv) ये मोहरें आरपार छिपी होती थी।

   उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं–

   (क) केवल (i), (ii) (ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (i), (iii) (घ) उपरोक्त सभी।

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) के रूप में दर्शाया गया है–

   कथन (A)– मुद्रा सार्वजनिक जीवन में नगरवासी की भूमिका को दर्शाती है।

   कारण (R)– मुद्रा पर कभी–कभी ऐसे लेख होते थे, जैसे मालिक का नाम, उसके इष्टदेव का नाम और उसकी अपनी पदीय स्थिति आदि।

   (क) केवल कथन सही है।

   (ख) केवल कारण सही है।

   (ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कथन कारण का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

   (घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कथन कारण का सही स्पष्टीकरण है।

Case Study Based Questions
केस स्टडी आधारित प्रश्न

विषय 3 – तीन महाद्वीपों में फैला हुआ साम्राज्य
सम्राट त्राजान का स्वप्न – भारत की विजय?

तत्पश्चात भयंकर भूकंप से पीड़ित एटिऑक में सर्दियों के बाद (115/16) में फरात नदी के रास्ते आगे की ओर बढ़ता हुआ पार्थियन की राजधानी टेसीफून तक चला गया और फिर फारस की खाड़ी सिरे तक पहुंच गया। इतिहासकार कैसियस डियो ;ब्पने क्पवद्ध के अनुसार यहां पर वर भारत की ओर जाने वाले किसी वाणिज्यिक पोत को लालायित नजरों से देख रहा था और चाह रहा था कि काश वह सिकंदर जैसा जवान होता।

1. त्राजान को सिकंदर की तरह जवान होने की इच्छा कहाँ हुई?
   (क) लाल सागर के पास
   (ख) फारस की खाड़ी के सिरे पर
   (ग) फरात नदी पर
   (घ) एंटिऑक में
2. त्राजान कहाँ के सम्राट थे?
   (क) ससानी (ख) रोमन साम्राज्य
   (ग) भारत (घ) उपरोक्त में से कोई नहीं।
3. कैसियस डियो कौन था?
   (क) सम्राट (ख) इतिहासकार
   (ग) सेनापति (घ) सैनिक
4. त्राजान फरात नदी के रास्ते कहाँ पहुँचा?
   (क) एंटिऑक (ख) टेसीफून
   (ग) सिकंदरिया (घ) रोम

केस स्टडी आधारित प्रश्न

विषय 5 – यायावर साम्राज्य

डेबिड आयलॉन के शोध के बाद यास पर हाल ही में हुआ कार्य (वह नियम संहिता, जिसके बारे में कहा जाता है कि चंगेज खान ने 1206 के किरिलताई में लागू की थी) उन जटिल विधियों का विस्तृत वर्णन करता है जो महान खान की स्मृति को बनाए रखने के लिए उसके उत्तराधिकारियों ने प्रयुक्त की थीं। अपने प्रारंभिक स्वरूप में यास को यसाक लिखा जाता था, जिसका अर्थ था–विधि, आज्ञाप्ति व आदेश। वास्तव में जो थोड़ा बहुत विवरण यसाक के बारे में हमें मिला है, उसका संबंध प्रशासनिक विनियमों से है, जैसे–आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन। तेरहवीं शताब्दी के मध्य तक, किसी तरह से मंगोलों ने यास शब्द का प्रयोग ज्यादा सामान्य रूप में करना शुरु कर दिया। इसका मतलब था चंगेज खान की विधि–संहिता।

1. डेविड आयलॉन ने किस विषयवस्तु पर शोध किया?

   (क) आखेट (ख) यास

   (ग) कबीलों (घ) इनमें से कोई नहीं।

2. (i) यास एक नियम संहिता थी।

   (ii) इसको चंगेज खान ने 1206 में लागू किया था।

   (iii) यास का अर्थ होता था – विधि, आज्ञाप्ति व आदेश।

   (iv) 400 सैनिकों ने यास को तैयार किया था।

   उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं–

   (क) केवल (i), (ii)

   (ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (ii), (iii)

   (घ) उपरोक्त सभी।

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) के रूप में दर्शाया गया है–

   कथन (A)—तेरहवीं शताब्दी तक मंगोलों ने यास शब्द का प्रयोग ज्यादा सामान्य रूप से करना शुरु कर दिया, जिसका मतलब था–चंगेज खान की विधि संहिता।

कारण (R)– यास का संबंध प्रशासनिक विनियमों से था–जैसे, आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कथन कारण का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कथन कारण का सही स्पष्टीकरण है।

विषय 6 – तीन वर्ग

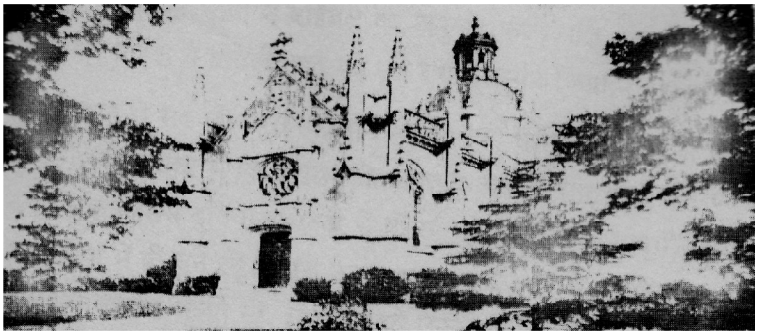

1. ऐबी क्या थे?

   (i) धर्मिक समुदाय

   (ii) मठ

   (iii) शहर

   उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं–

   (क) केवल (i), (ii)　　(ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (ii), (iii)　　(घ) केवल (i)

2. यह इमारत कहाँ स्थित है?

   (क) इटली　　(ख) फ्रांस

   (ग) इंग्लैंड　　(घ) जर्मनी

4. यह इमारत किस धार्मिक समुदाय की है?

   (क) ईसाई　　(ख) मुस्लिम

   (ग) यहूदी　　(घ) बौद्ध

   उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं'

   (क) केवल (i), (ii)

   (ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (ii), (iii)

   (घ) उपरोक्त सभी।

केस स्टडी आधारित प्रश्न

विषय 7 – बदलती हुई सांस्कृतिक परम्पराएँ

1506 में अंग्रेजी भाषा में बाईबल का अनुवाद करने वाले, लूथरवादी अंग्रेज, विलियम टिंडेल ने प्रोटेस्टैंटवाद का इस तरह समर्थन किया–

''इस बात से सब लोग सहमत होंगे कि आपको धर्मग्रंथ के ज्ञान से दूर रखने के लिए यह चाहते थे कि धर्मग्रंथ के अनुवाद आपकी मातृभाषा में उपलब्ध न हो सकें जिससे दुनिया अंधकार में ही रहे और वे (पुरोहित वग) लोगों के अंतःकरण में ही बने रहें, जिसके रहते उनकी ऊँची आकांक्षाएँ और अतृप्त लोलुपता पूरी हो सके ... जिस बात ने मुझे मुख्य रूप से न्यू टेस्टामेंट का अनुवाद करने की प्रेरणा दी। मुझे अपने अनुभवों से ज्ञात हुआ कि सामान्य लोगों को किसी भी सच्चाई की तब तक जानकारी नहीं हो सकती जब तक उनके पास अपने धर्मग्रंथ के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध न हों। इन अनुवादों से ही वे धर्मग्रंथ की परिपाटी, क्रम और अर्थ समझ सकेंगे।

1. 1506 में लूथरवादी अंग्रेज विलियम टिंडेल ने किस मत का समर्थन किया?

   (क) रोमन कैथोलिक　　(ख) प्रोटेस्टैंटवाद

   (ग) यहूदी　　(घ) पारसी

2. (i) पुरोहित वर्ग चाहते थे कि धर्मग्रंथ के अनुवाद लोगों की मातृभाषा में उपलब्ध न हों।

   (ii) ताकि लोगों के अंतःकरण में अंधविश्वास व झूठे धर्मसिद्धान्त चलते रहें।

   (iii) पुरोहित वर्ग अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु लोगों को अंधविश्वासों की ओर प्रेरित करते थे।

   (iv) पुरोहित वर्ग लोगों के सामने तर्क और विज्ञान पर आधारित तथ्य रखते थे।

   उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं–

   (क) केवल (i), (ii)

   (ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (ii), (iii)

   (घ) उपरोक्त सभी।

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) के रूप में दर्शाया गया है–

कथन (A)– सामान्य लोगों को धर्मग्रन्थों की तर्कसंगत व वास्तविक जानकारी उपलब्ध हो सकती है।

कारण (R)– धर्मग्रंथों के मातृभाषा में अनुवाद उपलब्ध होने से आध्यात्मिक सच्चाई उजागर हो जाती है।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कथन कारण का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कथन कारण का सही स्पष्टीकरण है।

विषय 10 – मूलनिवासियों का विस्थापन

''प्रस्तर की पट्टी पर यह खुदा था कि होपी यह मानते थे कि उनके पास वापस आने वाले पहले भाई तथा बहन धरती के पार से कछुओं के रूप में आएँगे। वे इन्सान होंगे, लेकिन कछुओं के रूप में आएँगे। इस प्रकार जब वक्त आया, तो होपी लोग धरती के उस पार से आनेवाले उन कछुओं का स्वागत करने के लिए एक विशेष गाँव में इकट्ठा हुए। वे सुबह–सुबह उठ गए तथा उन्होंने सूर्योदय देखा। उन्होंने मरुभूमि के दूसरी तरफ नजर दौड़ाई तथा उन्हें बख़्तरबंद स्पेनी कॉन्क्विस्टाडोर दिखलाई पड़े, जो धरती के दूसरे छोर से आते कछुओं की तरह लग रहे थे। जिसे, उन्होंने समझा, से वही हैं जिनका इंतज़ार था। इसलिए वे स्पेनी इन्सान के पास गए तथा हाथ मिलाने की उम्मीद से अपना हाथ बढ़ाया, किन्तु स्पेनी ने उनके हाथ में कोई सस्ती–सी चीज़ पकड़ा दी। तथा इससे पूरे उत्तरी अमरीका में यह बात फैल गई कि बहुत मुश्किल समय आने वाला है, कि शायद कुछ भाइयों तथा बहनों ने सभी चीज़ों की पवित्रता को भुला दिया है तथा इसकी वजह से धरती पर सभी इन्सान का काफी कष्ट पानेवाले हैं।'

1. होपी कहाँ के निवासी थे?

   (क) इटली (ख) स्पेन

   (ग) कैलीफोर्निया (घ) पुर्तगाल

2. (i) होपी लोगों का मानना था कि उनके भाई बहन धरती पर कछुए के रूप में आयेंगे।

   (ii) होपी लोग स्वयं भी कछुए थे।

   (iii) स्पेनवासी कछुए के रूप में उनके पास आए।

उपरोक्त कथन में से कौन–कौन से कथन सत्य हैं–

(क) केवल (i)

(ख) केवल (i), (ii)

(ग) उपरोक्त सभी

3. शुरुआत में मूलनिवासियों का व्यवहार नव आगन्तुकों के प्रति कैसा था?

(क) दोस्ताना (ख) आक्रामक

(ग) शंकाग्रस्त

विषय 11 – आधुनिकीकरण के रास्ते

चित्र को ध्यानपूर्वक देखकर दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिएः

1. उपरोक्त चित्र में क्या दर्शाया गया है?

(क) औरतों का कार क्लब (ख) डिपार्टमेण्टल स्टोर

(ग) थियेटर (घ) रेडियो स्टेशन

2. 'मोगा' शब्द किसलिए प्रयुक्त होता था?

(क) रत्न (ख) फैशनेबुल

(ग) आधुनिक लड़की (घ) नायिका

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (A) तथा दूसरे को कारण (R) के रूप में दर्शाया गया है–

कथन (A)– 20वीं शताब्दी के जापान में लिंग समानता का दौर था।

कारण (R)– बहुत सी स्त्रियों ने अभिनेत्री के रूप में कार्य करना आरम्भ किया।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) कथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कथन कारण का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) कथन और कारण दोनों सही हैं, और कथन कारण का सही स्पष्टीकरण है।

विषय – 2

पश्चिम एशिया

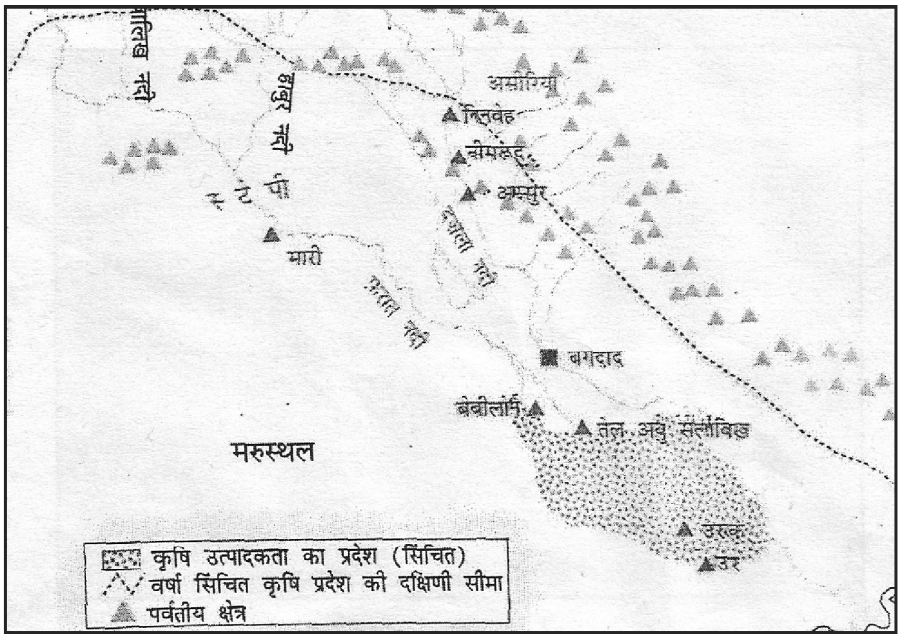

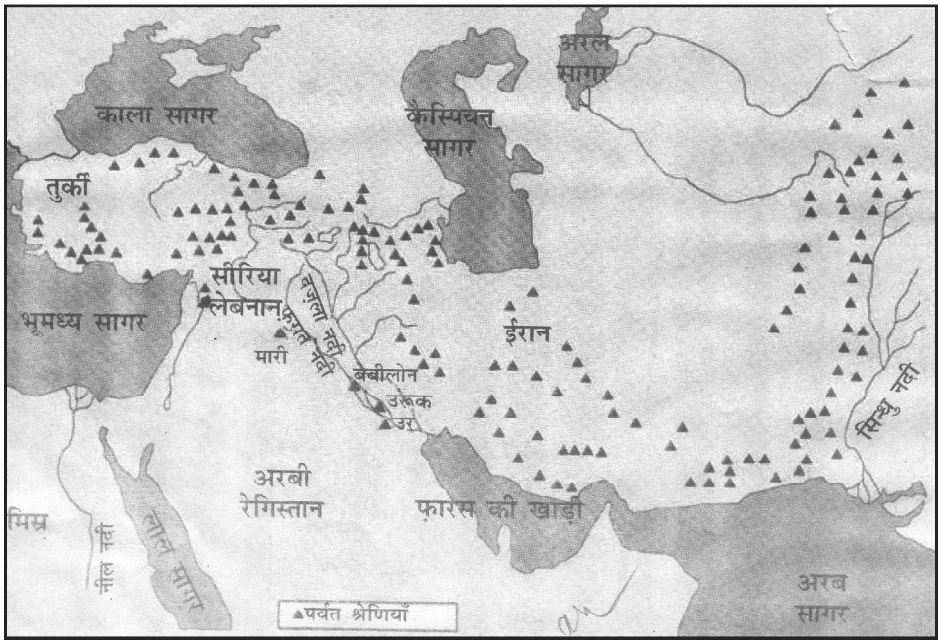

अभ्यास मानचित्र

पश्चिमी एशिया

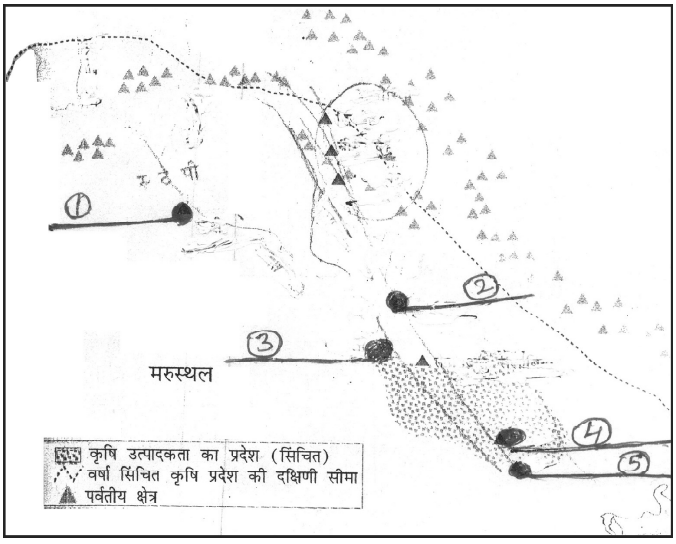

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये मानचित्र में मेसोपोटामिया के पाँच स्थान 1–5 दिए गए हैं उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।

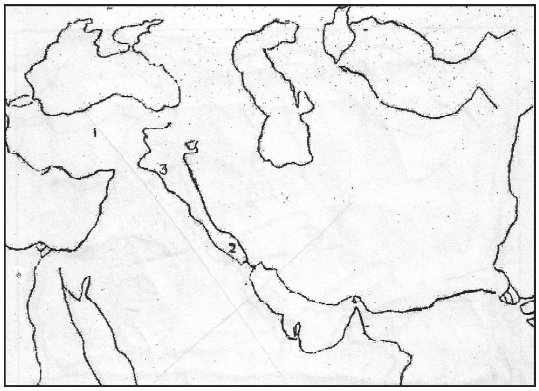

मानचित्र कार्यः

2. दिये गये पश्चिम एशिया के मानचित्र में 1–3 स्थान दिए गए हैं उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।

2. दिये गये पश्चिम एशिया के मानचित्र में निम्नलिखित अंकित कीजिए–
(i) सीरिया, (ii) लेबनान, (iii) उरूक, (iv) दजला नदी, (v) फरात नदी

विषय–3

यूरोप और उत्तरी अफ्रीका

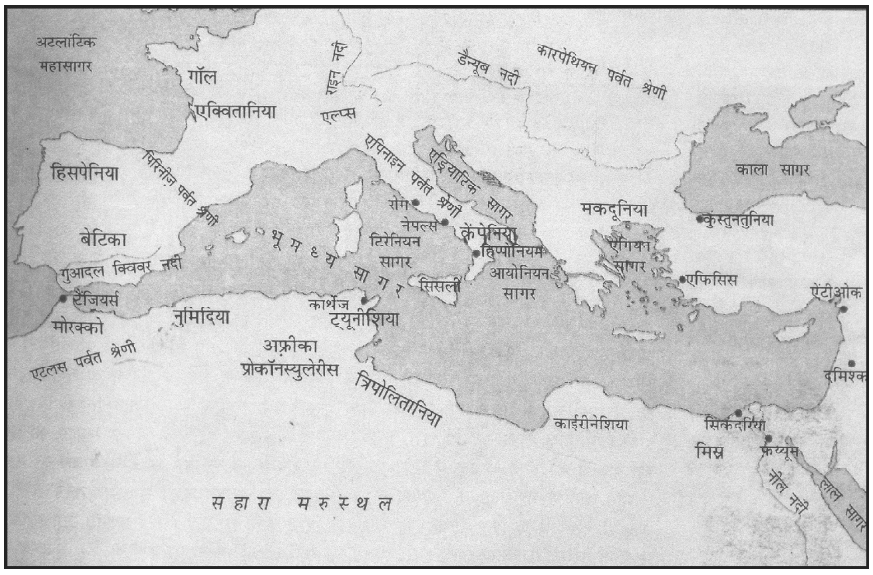

अभ्यास मानचित्र

यूरोप और उत्तरी अफ्रीका

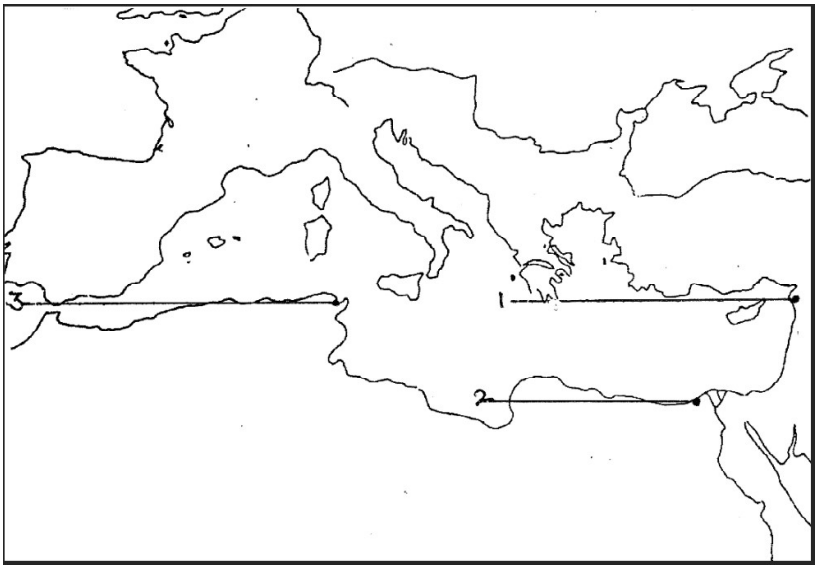

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये यूरोप व उत्तरी अफ्रीका के मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए।
   (i) रोम, (ii) सिसली, (iii) दमिश्क, (iv) कुस्तुंतुनिया, (v) नेपल्स
2. दिये गये यूरोप व उत्तरी अफ्रीका के मानचित्र में 1–3 स्थान दिए गए हैं, उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।

पश्चिम एशिया

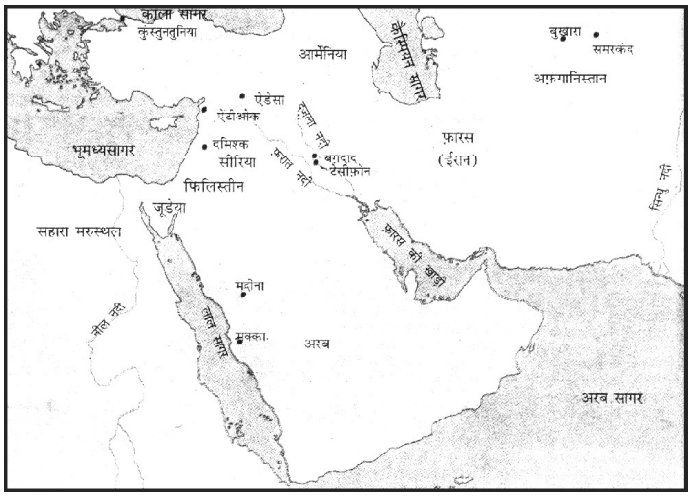

अभ्यास मानचित्र
पश्चिम एशिया

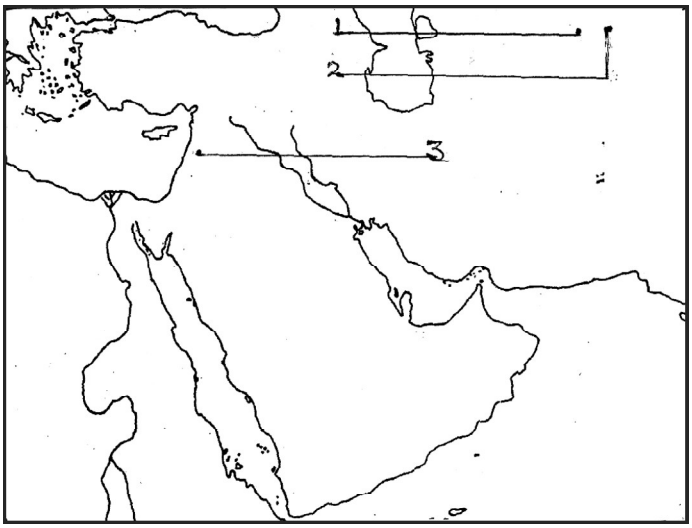

मानचित्र कार्यः

1. दिये गये मानचित्र में इस्लामिक क्षेत्रों के पाँच स्थान 1–3 स्थान दिए गए हैं उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।
2. दिये गये इस्लामिक क्षेत्र के मानचित्र में निम्नलिखित को अंकित कीजिए।

   (i) समरकंद, (ii) निशापुर, (iii) दमिश्क, (iv) जेरूसलम, (v) गजनी

विषय – 5

मंगोल साम्राज्य

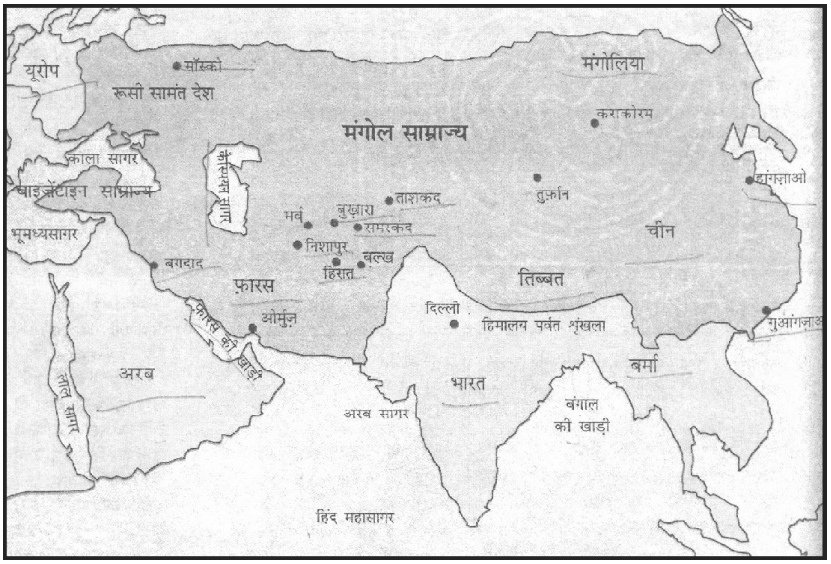

मंगोलों के अभियान

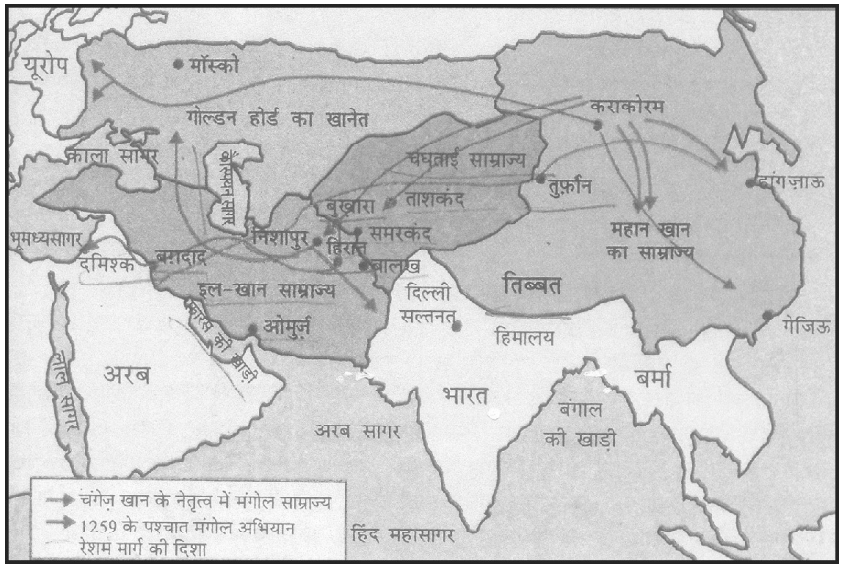

अभ्यास मानचित्र
मंगोलों के अभियान
मंगोल साम्राज्य

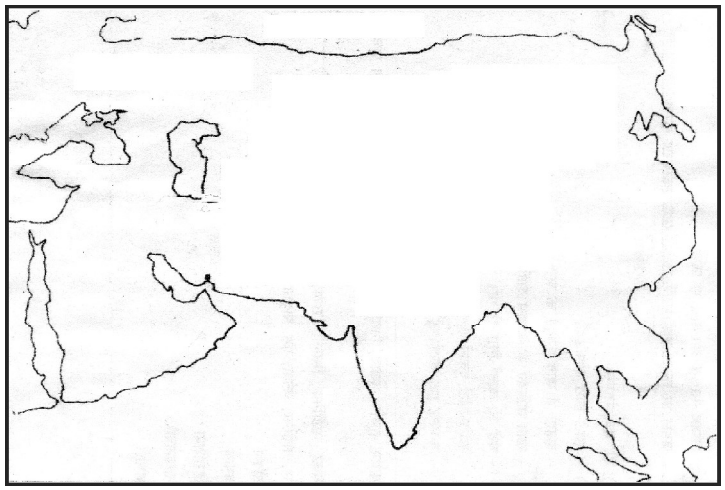

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये मानचित्र में निम्नलिखित मंगोल साम्राज्य से सम्बन्धित स्थानों को अंकित कीजिए।

   (i) कराकोरम, (ii) तुर्फान, (iii) हिरात, (iv) मर्व, (v) ताशकन्द

2. दिये गये एशिया (मंगोल साम्राज्य) के रेखाचित्र में मंगोल साम्राज्य से सम्बन्धित 1–3 स्थान दिए गए हैं, उन्हें पहचान कर उनके नाम अंकित रेखा पर लिखिए।

विषय – 6

पश्चिमी यूरोप

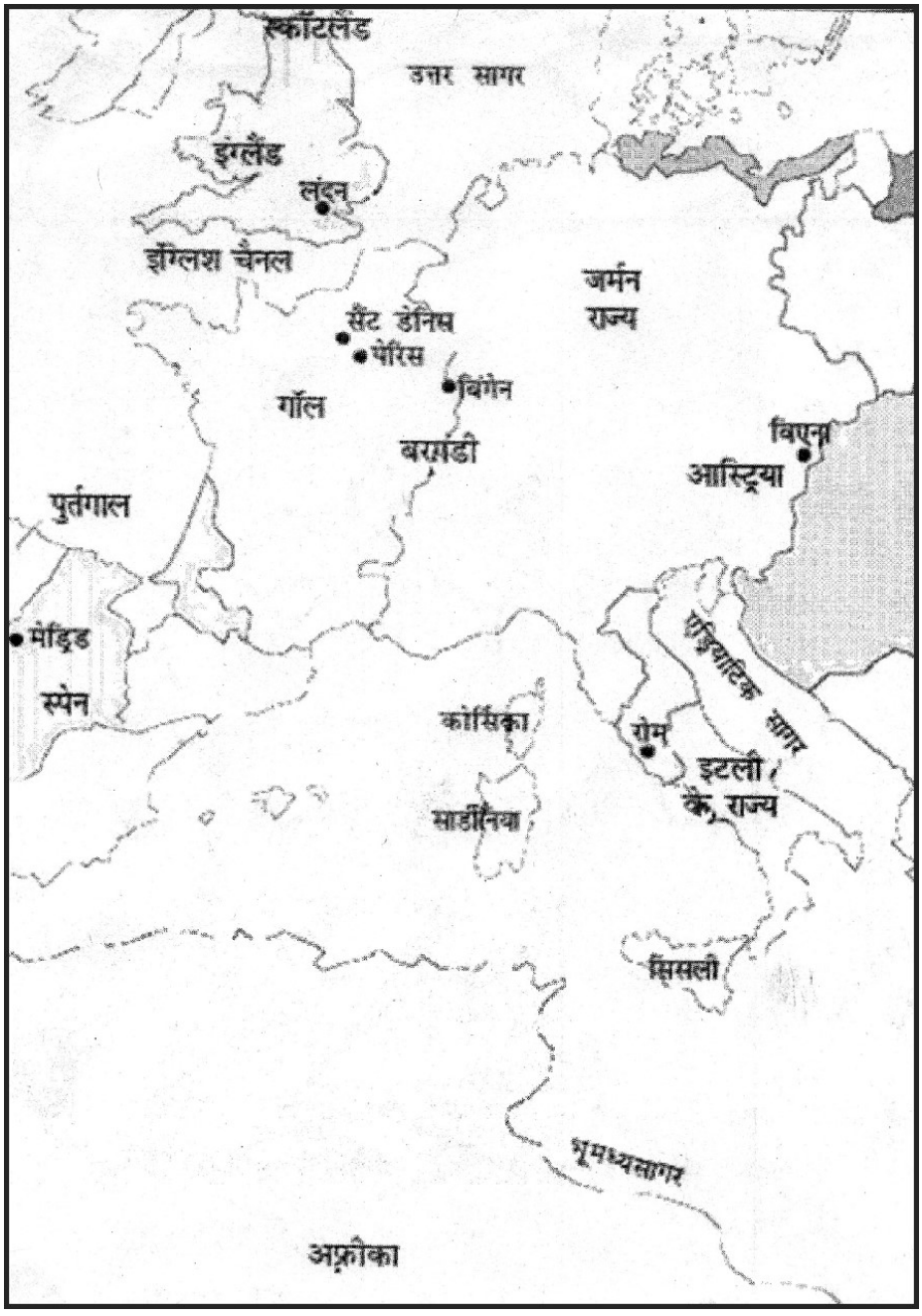

अभ्यास मानचित्र
पश्चिमी यूरोप

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये पश्चिमी यूरोप के मानचित्र में 1–5 स्थान दिए गए हैं। उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।
2. दिये गये पश्चिमी यूरोप के मानचित्र में निम्नलिखित स्थान दर्शाइए।

   (i) विएना, (ii) सार्डीनिया, (iii) सिसली

विषय – 7

इटली के राज्य

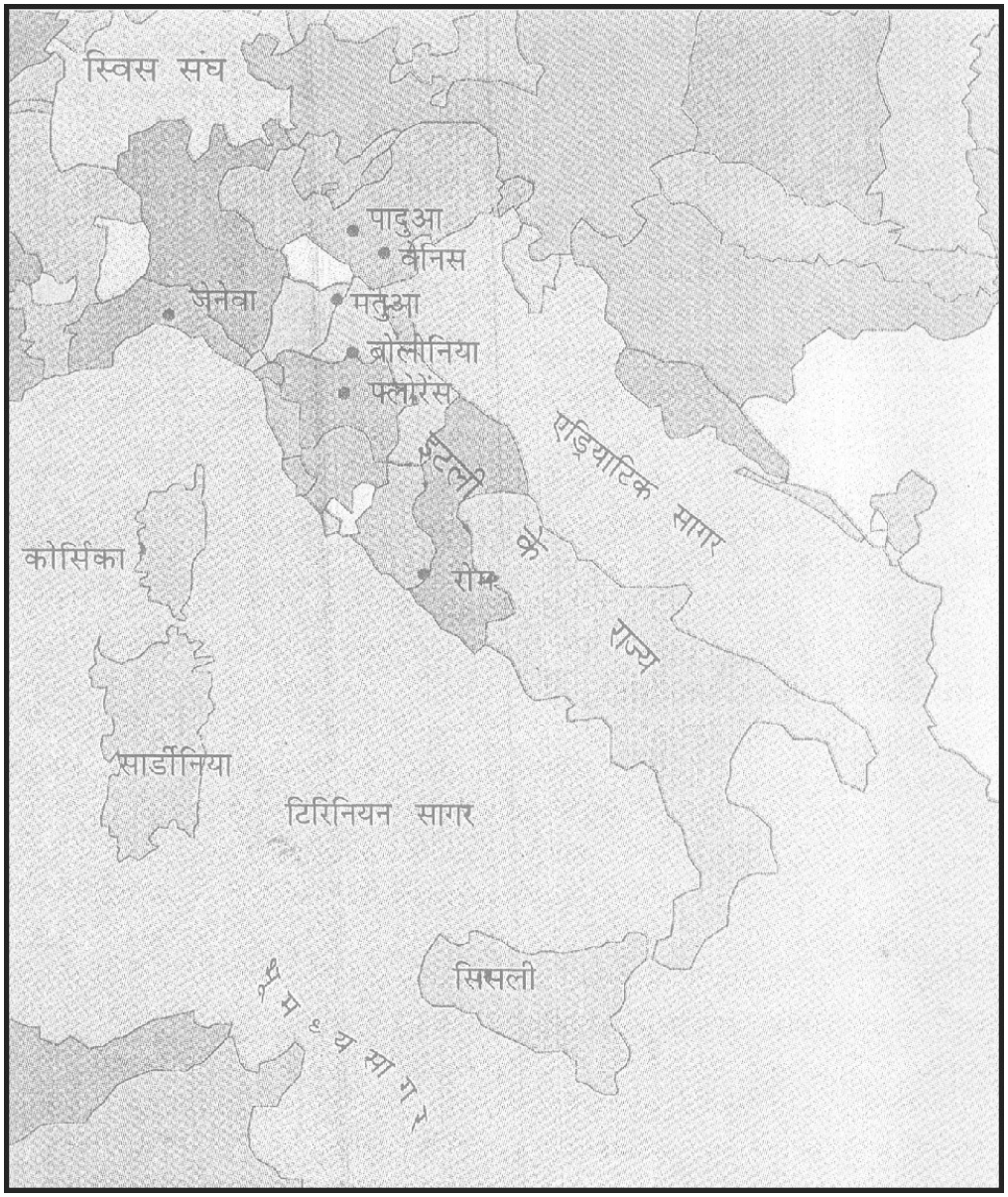

अभ्यास मानचित्र

इटली के राज्य

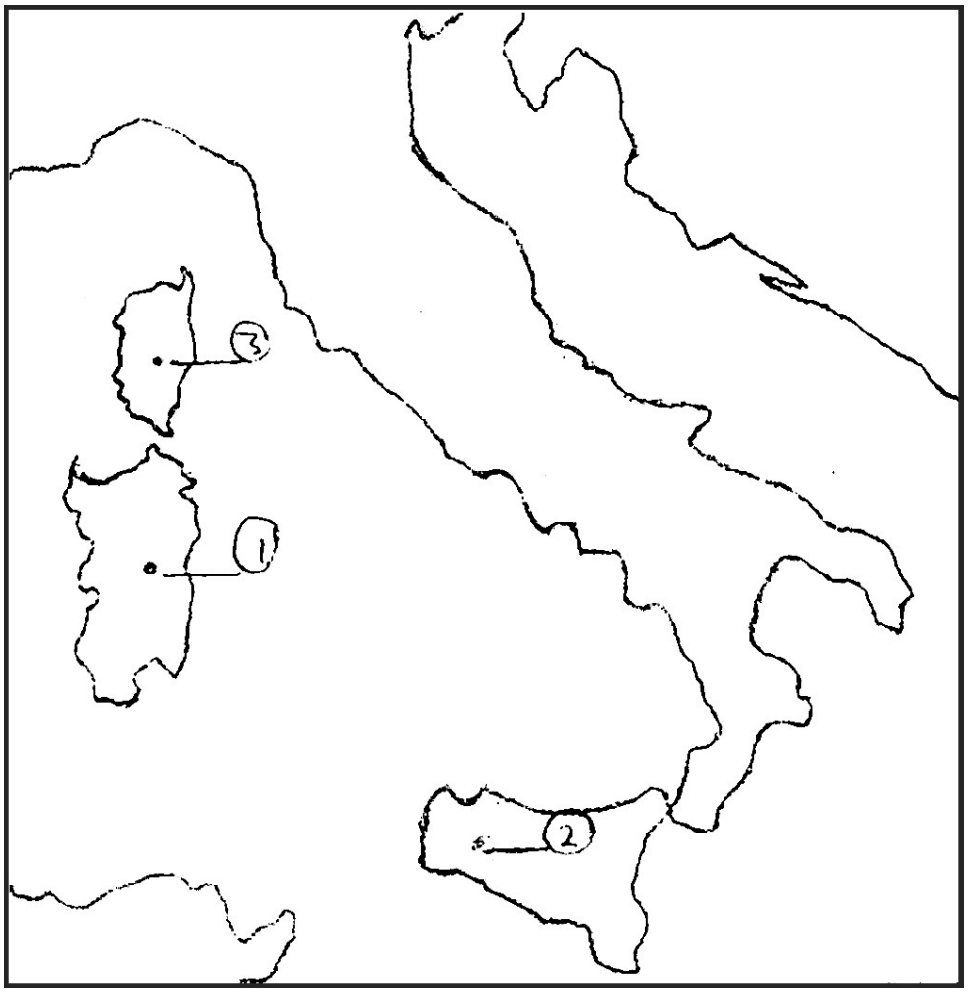

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये मानचित्र में इटली के 1–3 राज्य दिखाए गए हैं। उन्हें पहचान कर उनके नाम लिखिए।
2. दिये गये इटली के मानचित्र में प्रमुख शहरों को दर्शायें।

   (i) पादुआ, (ii) वेनिस, (iii) फलोरेंस, (iv) रोम, (v) बोलोनिया।

संयुक्त राज्य अमरीका का विस्तार

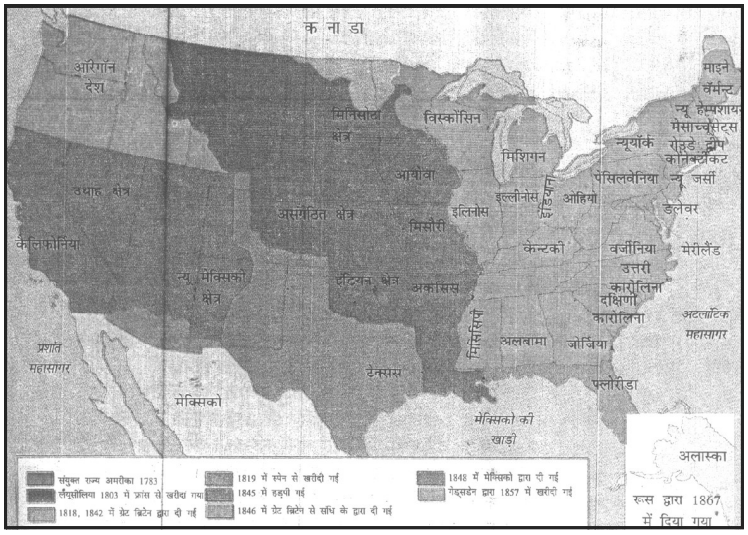

अभ्यास मानचित्र

संयुक्त राज्य अमरीका

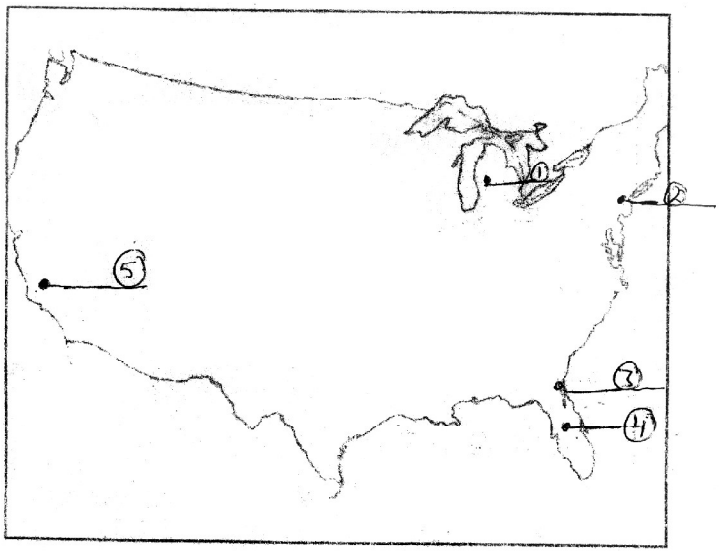

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये संयुक्त राज्य अमरीका के मानचित्र में अंकित 1–5 स्थानों को पहचान कर लिखिए।

विषय – 10

आस्ट्रेलिया

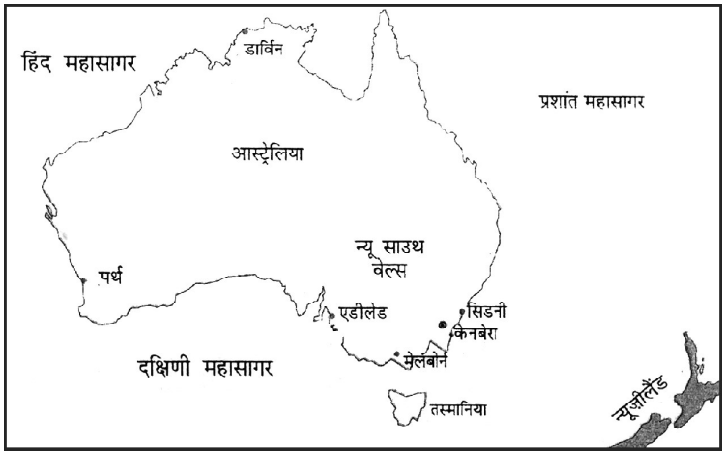

अभ्यास मानचित्र

आस्ट्रेलिया

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये आस्ट्रेलिया के मानचित्र में 1–3 स्थानों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

विषय – 11
पूर्व एशिया

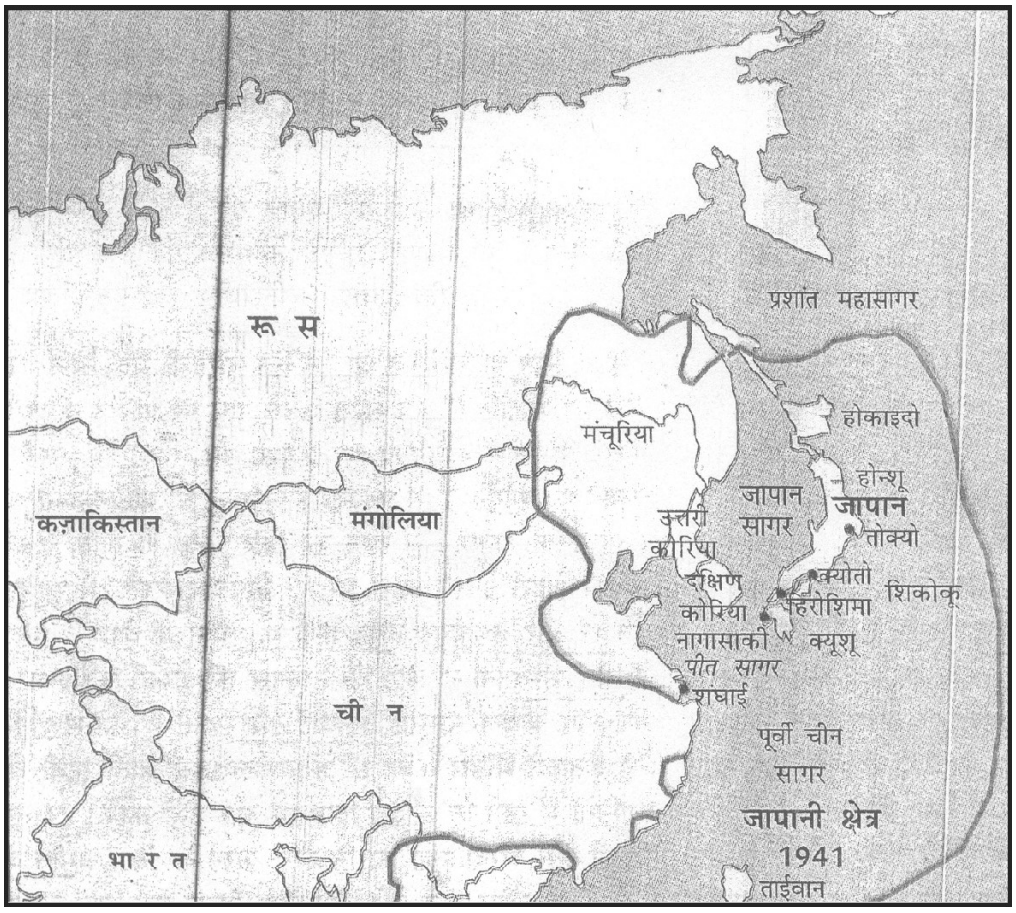

अभ्यास मानचित्र

पूर्व एशिया

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये पूर्वी एशिया के मानचित्र में 1–5 स्थानों को पहचानकर अंकित कीजिए।

लाँग मार्च (चीन)

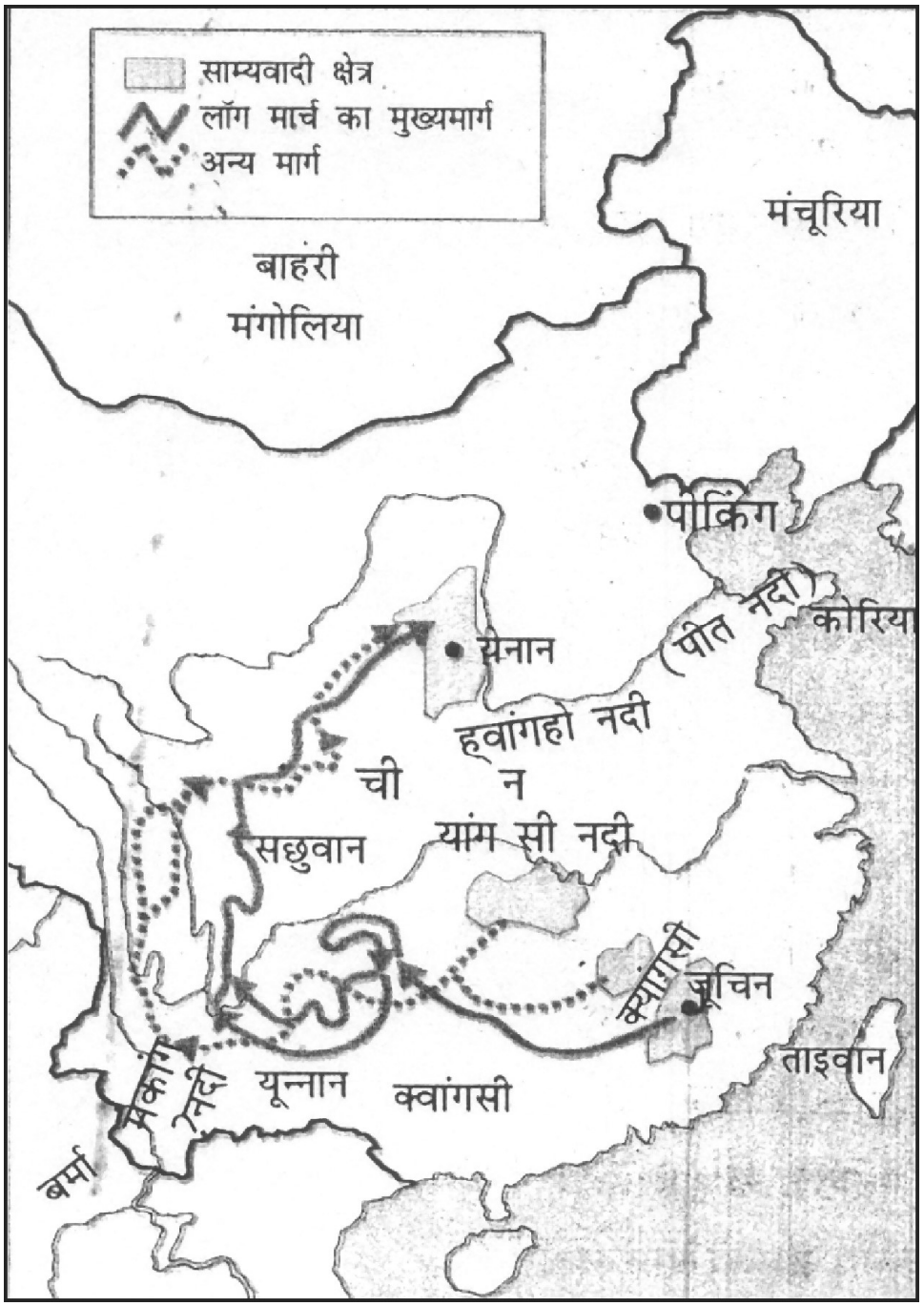

साम्यवादी क्षेत्र
लॉग मार्च का मुख्यमार्ग
अन्य मार्ग
मंचूरिया
बाहरी
मंगोलिया
पीकिंग
कोरिया
येनान
(पीत नदी)
ह्वांगहो नदी
ची न
सछुवान
यांग सी नदी
क्यांगसी
जूचिन
ताइवान
यून्नान
क्वांगसी
बर्मा

अभ्यास मानचित्र

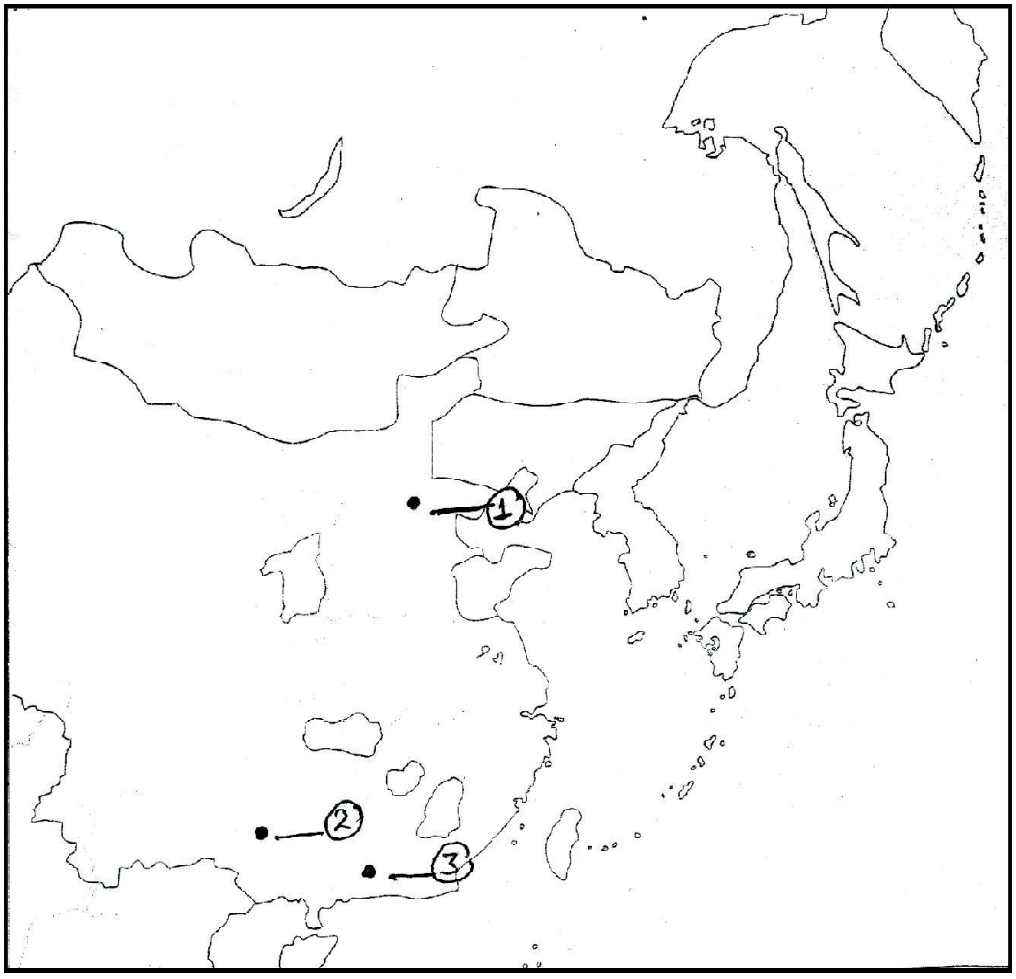

मानचित्र कार्य :

1. दिये गये मानचित्र में तीन साम्यवादी क्षेत्र को दर्शाइए।
2. दिये गये मानचित्र में अंकित स्थानों को पहचानकर उनके नाम लिखिए।

परियोजना कार्य सम्बन्धित विद्यार्थियों के लिए
मुख्य जानकारी

1. प्रथम पृष्ठ पर विद्यार्थी – परियोजना कार्य लिखें।
   विषय– (अध्याय का नाम)
   उपविषय (जिस पर विद्यार्थी बनाना चाहे)
2. दूसरे पृष्ठ पर विद्यार्थी – अपना नाम (छात्र/छात्रा का नाम)
   कक्षा – XI
   विभाग – A
   अनुक्रमांक – CBSE Roll No.
   विद्यालय का नाम –
   सत्र – 2018–2019
3. तीसरा पृष्ठ – अनुसूची (INDEX)
4. चौथा पृष्ठ – आभार ज्ञापन
5. परियोजना कार्य का विस्तार से वर्णन :
6. ग्रंथ सूची – वेबसाइट
   पुस्तक (लेखक/लेखकों के नाम सहित)
   पत्रिका एवं प्रतिवेदन
   अखबार एवं पत्र–पत्रिकाएँ
   पाठ्यपुस्तक
   अन्य सहयोग
7. अन्तिम पृष्ठ पर – शिक्षक/शिक्षिका की टिप्पणी
   1) सहयोगिता एवं सहभागिता .....
   2) प्रस्तुतीकरण, दृश्यता, प्रमाणिकता एवं स्वच्छता .....
   3) परियोजना–कार्य जमा करने की तिथि .....
   4) कुल प्राप्तांक .....
   5) टिप्पणी .....
   6) शिक्षक/शिक्षिका के हस्ताक्षर ..... तिथि .....

   नोटः– विद्यार्थियों का 5 या 6 का समूह होगा तथा प्रोजेक्ट की फाईल 15–20 पृष्ठ से अधिक की मान्य नहीं है।

परियोजना कार्य

Suggested Topics

पाठ–2 मेसोपोटामिया की सभ्यता में शहरीकरण व विकास की प्रक्रिया को समय रेखा, चित्रों व मानचित्रों की सहायता से परियोजना कार्य में दिखाएँ। लेखन कला की मॉडल के माध्यम से दिखाएँ। मेसोपोटामिया की विश्व को देन की सम्पूर्ण जानकारी दें।

पाठ–3 रोमन साम्राज्य की संपूर्ण जानकारी चित्रों, मानचित्रों तथा समय रेखा की सहायता से दर्शायें। सम्राट, सीनेट व सेना की भूमिका, सम्राज्य व प्रसार व पतन की जानकारी दें।

(जूलियस सीजर का नाटिका भी प्रस्तुत कर सकते हैं।)

पाठ–5 चंगेज खान व उसके मंगोल साम्राज्य के विस्तार को समझाते हुए उसकी सैनिक उपलब्धियाँ, यास प्रणाली, उलुस व्यवस्था के चित्रों, मानचित्रों व समय रेखा की सहायता से परियोजना कार्य किया जाए।

पाठ–6 फ्रांसीसी समाज के तीन वर्गों को विस्तार से समझाते हुए पादरी, अभिजात व कृषक वर्ग एवं उनके कार्यों को बताएं। तालिका, चित्र, मानचित्र व समय रेखा की सहायता से परियोजना कार्य किया जाए।

पाठ–7 मानवतावादी पुनर्जागरण काल के अन्तर्गत नगरों का पुनरूत्थान, विश्वविद्यालय, यथार्थवाद, वास्तुकला, मुद्रित पुस्तकें, कोपरनिकसीय क्रांति के चित्रों, मानचित्रों व समय रेखा के द्वारा परियोजना कार्य किया जाए।

पाठ–10 अमरीका तथा आस्ट्रेलिया के मूल निवासियों के विस्थापन को, सरकार के उनके प्रति रवैये को तथा हाल ही की बदलाव की लहर को मानचित्रों तथा चित्रों के माध्यम से परियोजना कार्य में दर्शाया जाए।

पाठ–11 परियोजना कार्य में चीन अथवा जापान के आधुनिकीकरण को समय रेखा, चित्रों तथा मानचित्रों की सहायता से दर्शाया जाए।

(सभी परियोजना कार्य में विभिन्न प्रकार के स्रोतों से आंकड़े व सूचना एकत्र की जाए। विद्यालय के पुस्तकालय व इन्टरनेट का प्रयोग भी करें।)

अभ्यास प्रश्न पत्र–1 (इतिहास)

समय : 3 घण्टा | अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं। इस प्रश्न पत्र में छह खंड हैं।
2. **खंड क** (प्रश्न संख्या 1 सं 16) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक वाले) हैं। इनके उत्तर एक शब्द या एक पंक्ति में दीजिये। किन्हीं 15 प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **खंड ख** (प्रश्न संख्या 17 सं 19) उद्धरण आधारित बहुविकल्पीय प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 3 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न के 4 उप–भाग हैं जिनमें से किसी तीन उप–भागों के उत्तर दीजिये।
4. **खंड ग** (प्रश्न संख्या 20 सं 23) में प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिये।
5. खंड घ (प्रश्न संख्या 24 सं 26) में प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 350 शब्दों में दीजिये।
6. खंड ड (प्रश्न संख्या 27 से 29) स्रोत आधारित प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 5 अंकों का है।
7. खंड च (प्रश्न संखया 30) मानचित्र संबंधी हैं, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मदों को दर्शाना शामिल हैं। मानचित्र को उत्तर–पुस्तिका के साथ नत्थी कीजिए।

खंड–क
Section–A

किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ऑस्ट्रेलिया में सस्ता श्रम देने वाले श्रमिक थे 1

   (क) चीनी अप्रवासी (ख) अफ्रीकी गुलाम

   (ग) ऑस्ट्रेलियाई मूलनिवासी (घ) भारतीय मजदूर

2. मेसोपोटामिया अब हिस्सा हैः 1

   (क) मिस्र (ख) इराक

   (ग) ईरान (घ) टर्की

3. इनमें से एक रोमन साम्राज्य से संबंधित नहीं है 1

(क) एम्फीथियेटर (ख) कॉलोसियम

(ग) पीसा की मीनार (घ) जलसेतु

4. नीचे दिए गए विकल्पों में से सही जवाब चुनें। 1

रोमन साम्राज्य का दिल हैः

(क) लाल सागर (ख) काला सागर

(ग) भूमध्य सागर (घ) अटलांटिक महासागर

5. नीचे दिए गए चित्र को ध्यान से देखिए। 1

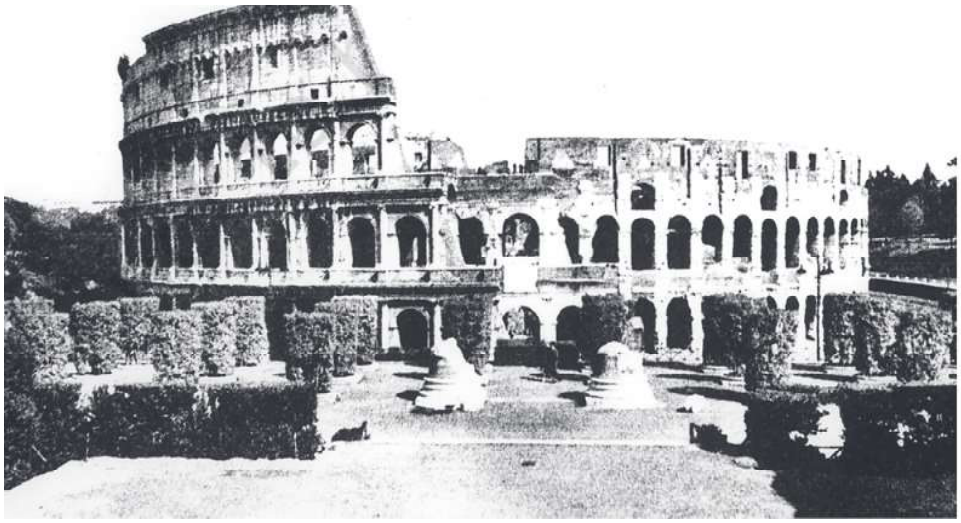

इस चित्र को पहचान कर इसका नाम लिखिए।

6. मेसोपोटामिया में बसे शहरों के प्रकार के बारे में क्या सही है– 1

1. ये दो प्रकार के थे
2. बस्तियों ने कलात्मक मंदिरों का विकास किया
3. बस्तियाँ व्यापार के केंद्रों के रूप में विकसित हुईं और बस्तियाँ साम्राज्यवासी बंदोबस्त या शहरों के रूप में विकसित हुई

a. 1, 2, 3, 4 b. 2, 3, 4

c. 1, 2, 3 d. 3, 4

इन घटनाओं का सही कालक्रम है

1. ए, डी, सी, बी
2. डी, सी, बी, ए
3. सी, ए, बी, डी
4. सी, बी, ए, डी

7. कॉलम 'बी' से उपयुक्त वस्तुओं के साथ कॉलम 'ए' लिंक करें। 1

ए	बी
(क) कुरिलताई	(i) डाक व्यवस्था
(ख) तामा	(ii) कानूनी
(ग) याम	(iii) विधान सभा
(घ) यास	(iv) सैन्य दल

सही उत्तर है–

(a) क–III, ख–IV, ग–I, घ–II (b) क–III, ख–I, ग–IV, घ–II

(c) क–I, ख–IV, ग–III, घ–II (d) क–II, ख–III, ग–IV, घ–I

8. अनुभाग 'ए' के दो भागों के संबंध का पता लगाएं और तदनुसार अनुभाग 'बी' भरें। 1

(क) टैलीः राजाओं द्वारा किसानों पर लगाया कर

(ख) टीथ?

9. 'पुनर्जागरण व्यक्ति' शब्द का मतलब हैः 1

(क) एक व्यक्ति जो बहुत मजबूत है

(ख) एक व्यक्ति जो बहुत चालाक है

(ग) एक व्यक्ति जो बहुत साहसी है

(घ) बहु रुचियों और कौशल वाला व्यक्ति

10. अनुभाग 'ए' के दो भागों के संबंध का पता लगाएँ और तदनुसार अनुभाग 'बी' भरें। 1

(क) क्विपूः लेखा प्रणाली (ख) चिनाम्पाः

11. "ग्रेट ऑस्ट्रेलियन साइलेंस' द्वारा किए गए व्याख्यान हैः 1

(क) वर्ड्सवर्थ (ख) रूसो

(ग) डब्यू.ई.एच स्टेनर (घ) हेनरी रेनॉल्ड्स

12. जापान की संसद 1

(क) मित्सुबिशी (ख) सुमितोमो

(ग) जैबत्सु (घ) डाइट

13. समुराई शब्द इंगित करता हैः 1

(क) योद्धा वर्ग (ख) डोमेनल लॉर्ड्स

(ग) व्यापार संगठन (घ) व्यापारी वर्ग

14. नीचे दो कथन दिए गए हैं, जिनमें से एक को अभिकथन (ए) के रूप में और दूसरे को करण (आर) के रूप में दर्शाया गया है 1

अभिकथन (ए) : 1853 में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कमोडोर मैथ्यू पेरी को जापान भेजा कि सरकार एक संधि पर हस्ताक्षर करे।

कारण (आर) : उस समय जापान केवल एक पश्चिमी देश के साथ कारोबार करता था।

सही विकल्प चुनें।

(क) अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों सही है और कारण (आर) अभिकथन का सही स्पष्टीकरण है।

(ख) अभिकथन (ए) और कारण (आर) दोनों ही सही हैं लेकिन कारण अभिकथन का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(ग) अभिकथन (ए) सही है, लेकिन कारण (आर) गलत है।

(घ) अभिकथन (ए) गलत है लेकिन कारण (आर) सही है।

15. अमेरिका में गोल्ड रश का समय थाः–

(क) 1849 (ख) 1870

(ग) 1890 (घ) 1876

16. कालक्रम के अनुसार निम्नलिखित की व्यवस्थित कीजिए। 1

(क) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना

(ख) पहला अफीम युद्ध

(ग) मेजी बहाली (घ) लांग मार्च

खंड–ख
Section–B

17. दिए गए उद्धरण को ध्यानपूर्वक पढ़िए और निम्न में से किन्हीं तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए– 1+1+1=3

'होमो' लातिनी भाषा का एक शब्द है जिसका अर्थ है 'आदमी' यद्यपि इसमें पुरुष और स्त्री दोनों शामिल हैं। वैज्ञानिकों ने होमो को कई प्रजातियों में बांटा है और इन प्रजातियों को उनकी विशेषताओं के अनुसार अलग–अलग नाम दिए हैं। इस प्रकार जीवाश्मों को होमो हैबिलिस, होमो ऐक्टस (सीधे खड़े होकर पैरों के बल चलने वाले और होमो सैपियंस के रूप में वर्गीकृत किया गया है।)

होमो हैबिलिस के जीवाश्म इथियोपिया में ओमो और तंजानियों में ओल्डुवई गोर्ज से प्राप्त किए गए है। होमो एरेक्टस के प्राचीनतम जीवाश्म अफ्रीका और एशिया दोनों महाद्वीपों में पाए गए हैं, यथा–कूबीफोरा और पश्चिमी तुर्काना, केन्या, मोड़ जोकतों और संगीरन, जावा। एशिया में पाए गए जीवाश्म अफ्रीका में पाए गए जीवाशमों की तुलना में परवर्ती काल के हैं, इसलिए यह अधिक संभव है कि होमीनिड पूर्वी अफ्रीका से चलकर दक्षिणी और उत्तरी अफ्रीका, दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर एशिया, और शायद यूरोप में भी, 20 से 15 लाख वर्ष पहले गए। ये प्रजातियाँ लगभग दस लाख वर्ष पहले तक जीवित रहीं।

1. लैटिन भाषा के शब्द 'होमो' का क्या अर्थ है?

   (क) चिंपैजी (ख) आदमी

   (ग) वानर (घ) इनमें से कोई नहीं

2. (i) होमो कई प्रजातियों में बंटे हैं।

   (ii) 'होमो' की प्रजातियों को अलग–अलग नाम दिए गए हैं।

   (iii) होमो एरेक्टस–सीधे खड़े होकर पैरों के बल चलने वाले प्राणी हैं।

   (iv) होमोसैपियंस चिंतनशील मनुष्य के रूप में जाने जाते हैं।

   (क) केवल (i), (ii) (ख) केवल (i), (ii), (iii)

   (ग) केवल (ii), (iii) (घ) उपर्युक्त सभी

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (ए) तथा दूसरे को कारण (आर) में दर्शाया गया है–

   अभिकथन (ए) होमीनिड पूर्वी अफ्रीका से चलकर दक्षिणी तथा पूर्वोत्तर

एशिया 15 लाख वर्ष पहले गए।

कारण (आर) एशिया में पाए गए जीवाश्म अफ्रीका में पाए गए जीवाश्मों की परवर्ती काल के हैं।

(क) केवल कथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है

(ग) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु कथन कारण का सही स्पष्टीकरण

(घ) अभिकथन व कारण दोनों सहीं हैं, और अभिकथन कारण का सही स्पष्टीकरण है

18. चित्र को ध्यान से देखिए और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1+1+1=3

1. इस छवि को दर्शाया गया है:

(क) लेडीज कार क्लब (ख) बहुविभागीय भंडार

(ग) रंगमंच (घ) रेडियो स्टेशन

2. मोगा शब्द का क्या मतलब है:

(क) रत्न (ख) लड़की

(ग) ट्रॉली (घ) बगीचा

3. सही विकल्प चुनें

अभिकथन (ए) : मोगा ने बीसवीं सदी में लैंगिक समानता के विचारों के एक साथ आने का प्रतिनिधित्व किया।

कारण (आर) : कई महिलाओं ने सिनेमा कलाकार के रूप में काम करना शुरू कर दिया।

(क) केवल अभिकथन (ए) सही है।

(ख) केवल कारण (आर) सही है।

(ग) ए और आर दोनों सहीं हैं लेकिन कारण (आर) अभिकथन (ए) का समर्थन नहीं करता है।

(घ) अभिकथन (ए) और कारण (आर दोनों सही हैं और कारण (आर) अभिकथन (ए) का समर्थन करता है।

19. दिए गए स्त्रोत को ध्यानपूर्वक पढ़िए और प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 1+1+1=3

डेविड आयलॉन के शोध के बाद यास पर हाल ही में हुआ कार्य (वह नियम संहिता, जिसके बारे में कहा जाता है कि चंगेज खान ने 1206 के किरिलताई में लागू की थी) उन जटिल विधियों को विस्तृत वर्णन करता है जो महान खान की स्मृति को बनाए रखने के लिए उसके उत्तराधिकारियों ने प्रयुक्त की थीं। अपने प्रारंभिक स्वरूप में यास को यसाक लिखा जाता था, जिसका अर्थ था–विधि, आज्ञाप्ति व आदेश। वास्तव में जो थोड़ा बहुत विवरण यसाक के बारे में हमें मिला है, उसका संबंध प्रशासनिक विनियमों से है, जैसे–आखेट, सैन्य ओर डाक प्रणाली का संगठन। तेहरवीं शताब्दी के मध्य तक, किसी तरह से मंगोलों ने यास शब्द का प्रयोग ज्यादा सामान्य रूप में करना शुरू कर दिया। इसका मतलब था चंगेज खान की विधि–संहिता।

1. डेविड आयलॉन ने किस विषयवस्तु पर शोध किया?

(क) आखेट (ख) यास

(ग) कबीलों (घ) इनमें से कोई नहीं

2. (i) यास एक नियम संहिता थी।

(ii) इसको चंगेज खान ने 1206 में लागू किया था।

(iii) यास का अर्थ होता था–विधि, आज्ञाप्ति व आदेश।

(iv) 400 सैनिकों ने यास को तैयार किया था।

उपरोक्त में से कौन–कौन से कथन सही हैं?

(क) केवल (i), (ii) (ख) केवल (ii), (iii)

(ग) केवल (i), (ii), (iii) (घ) सभी कथन सही हैं

3. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को कथन (ए) तथा दूसरे को कारण (आर) के रूप में दर्शाया गया है।

अभिकथन (ए) : तेहरवीं शताब्दी तक मंगोलों ने यास शब्द का प्रयोग ज्यादा सामान्य रूप से करना शुरू कर दिया, जिसका मतलब था–चंगेज खान की विधि ा संहिता।

कारण (आर) : यास का संबंध प्रशासनिक विनियमों से था–जैसे, आखेट, सैन्य और डाक प्रणाली का संगठन।

(क) केवल अभिकथन सही है।

(ख) केवल कारण सही है।

(ग) अभिकथन और कारण दोनों सही हैं, किंतु अभिकथन कारण का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(घ) अभिकथन और कारण दोनों सहीं हैं, अभिकथन कारण का सही स्पष्टीकरण है।

खंड–ग
Section–C

20. 'उर के उत्खनन से नगर योजना के अभाव का संकेत पता चलता हैं'। आप इस कथन से कहाँ तक सहमत हैं? 3

21. मध्ययुगीन काल में चर्च में किस तरह की कुप्रथाएं प्रचलित थीं? 3

22. मेनर से आप क्या समझते हैं? वर्णन कीजिए। 3

23. अर्थव्यवस्था के क्षेत्रा में मेज़ी पुर्नस्थापना की प्रमुख उपलब्धियाँ क्या थीं? 3

खंड–घ
Section–D

24. ''14 वीं शताब्दी में पुनर्जागरण की एक विशिष्ट विशेषता शास्त्रीय ज्ञान और संस्कृति का पुनरुद्धार था। इस कथन के आधार पर पुनर्जागरण की विशेषताओं का मूल्यांकन कीजिए। 8

25. क्या आपको लगता है कि माओ–त्से–तुंग और चीन की कम्यूनिस्ट पार्टी चीन की मुक्ति और अपनी वर्तमान सफलता के लिए आधार बनाने में सफल रहे? 8

26. उत्तरी अमेरिका के मूल लोगों की जीवन शैली की विशेषताओं पर चर्चा करें। 8

अथवा

ऑस्ट्रेलिया के इतिहास और उसके विकास के बारे में संक्षेप में लिखें।

खंड–ड
Section–E

दिए गए उद्धरण को ध्यानपूवक पढ़िये व दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

27. निम्नलिखित अनुच्छेद को ध्यानपूर्वक पढ़कर नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखें:

मोहरः एक शहरी शिल्प–कृति

भारत में, प्राचीन काल में पत्थर की मोहरें होती थीं जिन पर चिह्न अंकित किए गए होते थे। लेकिन मेसोपोटामिया में, पहली सहस्राब्दी ई.पू. के अंत तक पत्थर की बेलनाकार मोहरें, जो बीच में आर–पार छिदी होती थीं, एक तीली लगाकर गीली मिट्टी के ऊपर घुमाई जाती थीं और इस प्रकार उनसे लगातार चित्र बनता जाता था। वे अत्यंत कुशल कारीगरों द्वारा उकेरी जाती थीं और कभी–कभी उनमें ऐसे लेख होते थे, जैसे–मालिक का नाम, उसके इष्टदेव का नाम और उसकी अपनी पदीय स्थिति, आदि। किसी कपड़े की गठरी या बर्तन के मुँह को चिकनी मिट्टी से लीप–पोतकर उस पर वह मोहर घुमाई जाती थी जिससे उसमें अंकित लिखावट मिट्टी की सतह पर छप जाती थी, इससे उस गठरी या बर्तन में रखी वस्तुओं को मोहर लगाकर सुरक्षित किया जा सकता था। जब इस मोहर की मिट्टी की बनी पट्टिका पर लिखे पत्र पर घुमाया जाता था तो वह मोहर उस पत्र की प्रामणिकता की प्रतीक बन जाती थी। इस प्रकार मुद्रा सार्वजनिक जीवन में नगरवासी की भूमिका को दर्शाती थी।

प्र. 1. भारत में प्राचीनकाल में मोहरें किस पदार्थ से बनाई जाती थी। 2

प्र. 2. मेसोपोटामिया की मुहरों में किस प्रकार के लेख पाये जाते हैं? 2

प्र. 3. मुहरों को बनाने वाले कुशल कारीगरों के बारे में आप क्या जानते हैं? 2

28. निम्नलिखित उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए व उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए–

रोमन अभिजात वर्ग की आमदनियाँ पाँचवीं शताब्दी के प्रारंभिक दशकों में

रोम के ऊँचे घरानों में से प्रत्येक के पास अपने आप में वह सब कुछ मौजूद था जो एक मध्यम आकर के शहर में हो सकता है। एक घुड़दौड़ का मैदान (हिप्पोड्रोम), अनेक मंच–मंदिर, फव्वारे और विभिन्न प्रकार के स्नानागार... बहुत से रोमन परिवारों को अपनी संपत्ति से प्रतिवर्ष 4,000 पाउंड सोने की आय प्राप्त होती थी, जिसमें अनाज, शराब और अन्य उपज शामिल नहीं थीं; इन उपजों को बेचने पर सोने में प्राप्त आय के एक–तिहाई के बराबर आमदनी हो सकती थी। रोम में द्वितीय श्रेणी के परिवारों की आय 1000 अथवा 1500 पाउंड सोना थी।

–थेब्स का ओलिंपिओडोरस

(क) ओलिंपियोडोरस कौन था? 1

(ख) परावर्ती साम्राज्य की मौद्रिक व्यवस्था क्यों टूट गई? इसके बाद स्थिति को नियंत्रित करने के लिए क्या उपाय किए गए? 2

(ग) अभिजात वर्ग का एक रोमन परिवार ने अपनी सम्पत्ति और उपज से कितनी आय अर्जित कर सकता था? 2

29. निम्नलिखि उद्धरण को सावधानीपूर्वक पढ़िए वह उसके नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिएः

जापानी भाषा एक साथ तीन लिपियों का प्रयोग करती है। इनमें से एक कांजी, जापानियों ने चीनियों से छठी शताबदी में ली। चूँकि उनकी भाषा चीनी भाषा से बहुत अलग है, उन्होंने दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओं का विकास भी किया– हीरागानाऔर कताकाना। हीरागाना नारी सुलभ समझी जाती है क्योंकि हेआन काल में बहुत–सी लेखिकाएँ इसका इस्तेमाल करती थी। जैसे कि मुंरासाकी। यह चीनी चित्रात्मक चिह्नों और ध्वन्यात्मक अक्षरों (हीरागाना अथवा कताकाना) को मिलाकर लिखी जाती है। शब्द का प्रमुख भाग कांजी के चिन्ह से लिखा जाता है और बाकी का हीरागाना में।

ध्वन्यात्मक अक्षरमाला की मौजूदगी के चलते ज्ञान कुलनी वर्गों से व्यापक समाज में काफी तेजी से फैल सका। 1880 के दशक में यह सुझाव दिया गया कि जापानी या तो पूरी तरह से ध्वन्यात्मक लिपि का विकास करें या कोई यूरोपीय भाषा अपना लें।

दोनों में से कुछ भी नहीं किया गया।

(क) कांजी लिपि जापानियों ने किस देश से और कब ली थी? 1

(ख) हीरागाना नारी सुलभ क्यों समझी जाती थी स्पष्ट कीजिए? 2

(ग) दो ध्वन्यात्मक वर्णमालाओं के नाम लिखिए। 2

खंड–च
Section–F

30. मानचित्र प्रश्न 3+2=5

(30.1) दिए गए राजनीतिक मानचित्र पर निम्नलिखित स्थलों को अंकित कीजिए– 3

(क) मैनचेस्टर

(ख) यार्कशायर

(ग) लंकाशयर

(30.2) दिए गए इसी राजनैतिक मानचित्र पर दो स्थल A, B अंकित किए गए है, उन्हें पहचानिए और उनके नाम लिखिए। निम्नलिखित क्षेत्रों की पहचान करें। 2

(क) इंग्लैंड की राजधानी

(ख) वो नगर जहाद्द क्वीन ऑफ इंग्लैंड रहती है।

केवल दृष्टिबाधित विधार्थियों के लिए प्रश्न संख्या 30 के स्थान पर।

(30.1) ब्रिटेन के मानचित्र में वस्त्र उत्पादन से संबंधित क्षेत्रों के नाम लिखिए।

(30.2) (क) इग्लैंड की राजधानी

(ख) जहाँ ब्रिटेन की महारानी रहती है।

अभ्यास प्रश्न पत्र–2 (2022–23)

समय : 3 घण्टा | अधिकतम अंक : 80

सामान्य निर्देश–

1. सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिये। कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प दिए गए हैं। प्रत्येक प्रश्न के अंक उसके सामने अंकित किए गए हैं।
2. इस प्रश्न पत्र में छह खंड हैं।
3. **खंड क** (प्रश्न संख्या 1 सं 20) वस्तुनिष्ठ प्रश्न (1 अंक वाले) हैं।
4. **खंड ख** में प्रत्येक प्रश्न (प्रश्न संख्या 20 सं 23) 4 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 100 शब्दों में दीजिए।
5. **खंड ग** में 4 अंकों का मूल्य आधारित प्रश्न है।
6. खंड घ (प्रश्न संख्या 27 सं 29) में प्रत्येक प्रश्न 8 अंकों का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर अधिकतम 350 शब्दों में दीजिये।
7. प्रश्न संख्या 30 और 31 एक स्रोत आधारित प्रश्न है। प्रत्येक प्रश्न 4 अंक का है।
8. प्रश्न संख्या 32 एक मानचित्र संबंधी हैं, जिसमें लक्षणों को पहचानना तथा महत्वपूर्ण मुद्दों को दर्शाना शामिल हैं। मानचित्र को उत्तर–पुस्तिका के साथ संलग्न करें।

खंड–क
Section–A

किन्ही 15 प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

Attempt any 15 questions.

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः 1

   (a) मेसोपोटामिया में खनिज–संसाधनों का अभाव था।

   (b) दक्षिण के अधिकांश भागों में औजार, मोहरें (मुद्राएँ) और आभूषण बनाने के लिए पत्थरों की कमी थी।

   (c) इराकी खजूर और पोपलार के पेड़ों की लकड़ी, गाड़ियाँ, गाड़ियों के पहिए या नावें बनाने के लिए कोई खास अच्छी नहीं थी।

   (d) औज़ार, पात्र या गहने बनाने के लिए कोई धातु वहाँ उपलब्ध नहीं थी।

सही विकल्प चुनिए:

(a) a और b (b) b और c

(c) a, b और c (d) a, b, c और d

2. मेसोपोटामिया में बसे शहरों के प्रकार के बारे में क्या सही है– 1

1. ये दो प्रकार के थे

2. बस्तियों ने कलात्मक मंदिरों का विकास किया

3. बस्तियाँ व्यापार के केंद्रों के रूप में विकसित हुईं और

4. बस्तियाँ साम्राज्यवादी बंदोबस्त या शहरों के रूप में विकसित हुईं

(a) 1, 2, 3, 4 (b) 2, 3, 4

(c) 1, 2, 3 (d) 3, 4

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

(i) मेसोपोटामिया की सबसे पुरानी ज्ञात भाषा सुमेरियन का स्थान, 2400 ई.पू. के बाद, धीरे–धीरे अक्कदी भाषा ने ले लिया।

(ii) अक्कदी भाषा में कीलाकार लेखन का रिवाज ईसवी सन् की पहली शताब्दी तक अर्थात् 2000 से अधिक वर्षों तक चलता रहा।

सही विकल्प चुनिए:

(a) i सही है (b) ii सही है

(c) i और ii दोनो सही हैं (d) i और ii दोनों गलत हैं

4. किन नदियों ने उत्तर की ओर से रोमन साम्राज्य की सीमाएं बनाईं?

(i) राइन

(ii) फ़रात

(iii) डेन्यूब

(iv) नील

(a) i, ii (b) i, iii

(c) ii, iii (d) i, iv

5. रोमन चांदी के सिक्के, जिसे दीनार के रूप में जाना जाता है, का वजन शुद्ध चांदी का ..... ग्राम था।

(a) 2 (b) 3

(c) 4 (d) 5

6. उस विद्वान का नाम बताइए जिसने यह तर्क किया कि इतिहास केवल राजनीतिक इतिहास के बारे में नहीं, बल्कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय संबंध और महान लोगों के जीवन भी शामिल हैं।

(a) जेम्स कनिंघम (b) अलेक्जेंडर कनिंघम

(c) जेम्स ब्लॉक (d) मार्क ब्लॉक

7. सुमेरियन व्यापार की पहली घटना किस व्यक्ति से जुड़ी है?

(a) उरुक शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

(b) लेबनान शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

(c) नील शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

(d) अरल शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

8. कौन–सा सही सुमेलित नहीं है?

(a) मार्टिन लूथर–जर्मनी (b) थॉमक मूर–इंग्लैंड

(c) कॉपरनिकस–फ्रांस (d) गैलीलियो–इटली

9. मांचू राजवंश चीन में स्थापित हुआ–

(a) 1368 ई. (b) 1455 ई.

(c) 1600 ई. (d) 1644 ई.

10. निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों में, अभिकथन (A) और कारण (R) दिया गया है सही विकल्प को इस रूप में चिह्नित करें:

(a) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या है

(b) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) ग़लत है

(d) (A) ग़लत है, लेकिन (R) सत्य है

अभिकथन (A): साम्यवादी कार्यक्रम की सफलता ने उम्मीद का वादा किया लेकिन दमनकारी राजनीतिक व्यवस्था ने मुक्ति और समानता के आदर्शों को ऐसी नारेबाज़ी में बदल दिया, जो लोगों को चालाकी से प्रभावित कर अपने काबू में लाने में काम आती थी।

कारण (R): परंतु इससे शताब्दियों पुरानी असमानताएं नहीं हटी, शिक्षा का विस्तार हुआ और जनता के बीच एक जागरूकता पैदा नहीं हुई।

11. निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों में, अभिकथन (A) और कारण (R) दिया गया है। सही विकल्प को इस रूप में चिह्नित करें:

(a) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या है

(b) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं हैं

(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) ग़लत है

(d) (A) ग़लत है, लेकिन (R) सत्य है।

अभिकथन (A): 1894-95 में जापान के साथ हुई लड़ाई में ताइवान, चीन द्वारा जापान को सोंपा गया और तब से यह जापानी उपनिवेश था। कारण (R): कायरो घोषणापत्र (1943) और पोट्सडैम उदघोषणा (1949) के द्वारा चीन को संप्रभुता वापस मिली।

12. ओगोदेई किसका पुत्र था?

(a) चंगेज खाँ (b) अरब खाँ

(c) त्यांगसीन (d) अली

13. 'टेरा न्यूलियस' शब्द का अर्थ है;

(a) किसी से संबंधित नहीं (b) मिलने का स्थल

(c) गांव (d) दक्षिणी महासागर में भूमि

14. शोगुनों की राजधानी का नाम क्या था?

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (ए) के रूप में है और दूसरे को कारण (आर) के रूप में दर्शाया गया है।

अभिकथन (ए): 1853 में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कमोडोर मैथ्यू पेरी के जापान भेजा कि सरकार एक संधि पर हस्ताक्षर करे।

कारण (आर): उस समय, केवल एक पश्चिमी देश था जो जापान के साथ कारोबार

करता था।

सही विकल्प चुनें:

dक

(क) 1849 (ख) 1870

(ग) 1890 (घ) 1876

16. कालक्रम के अनुसार निम्नलिखित की व्यवस्थित कीजिए। 1

(क) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना

(ख) पहला अफीम युद्ध

(ग) मेजी बहाली (घ) लांग मार्च

17. लापिस लाजुली एक ..... था।

(a) लाल पत्थर

(b) अनाज के प्रकार

(c) मुद्रा की तरह

(d) नीला पत्थर

18. कहा जाता है कि गिल्गेमिश ने जिस शहर पर शासन किया था, वो था–

(a) उर

(b) उरुक

(c) मारी

(d) सुसा

19. चीनी गणराज्य के पहले राष्ट्रपति ..... थे।

20. दिए गए विकल्पों में से सही जवाब चुनें।

रोमन सम्राट जिसने सोने का सिक्का चलाया था।

(a) ऑगस्टस

(b) ऑक्टेवियन

(c) कॉन्स्टैनटाइन

(d) डायोक्लीशियन

खंड–ख
Section–B

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4×4=16

21. 'चंगेज खान ने मंगोल जनजातियों को नए सामाजिक और सैन्य समूहों में विभाजित करने की आवश्यकता क्यों महसूस की?

22. पुनर्जारण काल में मानवतावाद एवं यथार्थवाद से क्या अभिप्राय है? 4

23. ऑस्ट्रेलियाई मूल के लोगों के इतिहास को इतिहास की किताबों से बाहर क्यों रखा गया?

24. सन–यात–सेन कौन थे? उनके सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए जिसने चीन में गणतन्त्र की स्थापना में योगदान किया। 4

25. फ्रांसीसी समाज के प्रथम वर्ग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

खंड–ग : मूल्य आधारित प्रश्न

26. 1960 के दशक में नागरिक समाज आन्दोलन का विकास हुआ। बढ़ते औद्योगिकरण की वजह से स्वास्थ्य और पर्यावरण पर पड़ रहे दुष्प्रभाव को पूरी तरह नजरअंदाज करने का विरोध किया गया। अरगजी का जहर, जिसके चलते बड़ी ही कष्टप्रद बीमारी होती थी, एक आरंभिक सूचक था। इसके बाद 1960 के दशक में मिनामाता के बारे में जहर के फैलने और 1970 के दशक के उत्तरार्द्ध में हवा में प्रदूषण से भी समस्याएं जन्मीं। जमीनी स्तरों पर दबाव बनाने वाले गुटों ने इस समस्याओं को पहचानने और साथ ही हताहतों के लिए मुआवजा देने की मांग की। सरकारी कार्यवाही एवं नए कानूनों से स्थिति बेहतर हुई।

    1. जापान में 1960 के दशक में औद्योगिकरण से पर्यावरण पर क्या प्रभाव पड़ा? 1

    2. जापान में पर्यावरण को साफ–स्वच्छ बनाने के लिए क्या उपाय अपनाये गए? 1

    3. जापान का उदाहरण हमारे लिए किस प्रकार पर्यावरण स्वच्छ रखने में सहायक हो सकता है ताकि प्रदूषण मुक्त भारत बन सके? 2

खंड–घ : दीर्घ प्रश्न

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए:

27. 'मेसोपोटामिया' शब्द का क्या अर्थ है? मेसोपोटामिया की सभ्यता में शहरीकरण किन दशाओं के कारण हुआ? 8

28. संयुक्त राज्य अमेरिका में दास प्रथा के बारे में आप क्या जानते हैं? इसे कैसे समाप्त किया गया? चर्चा करें। 8

29. पुनर्जागरण से आप क्या समझते हैं? पुनर्जागरण तथा इटली की मानवतावादी संस्कृति के तेजी से प्रसार में मुद्रण (प्रिंटिग प्रेस) की भूमिका का विश्लेषण कीजिए।

खंड–ङ : स्रोत आधारित प्रश्न

30. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

संयुक्त राज्य अमेरिका के तीसरे राष्ट्रपति और वर्ड्सवर्थ के समकालीन थॉमस जेफरसन, ने मूल निवासियों के बारे में ऐसे शब्द कहे हैं, जिन पर आज के समय कड़ा विरोध ज़ाहिर किया जाता, ''यह अभागी नस्ल किसको सभ्य बनाने के लिए हमने इतनी ज़हमत उठायी.... अपने उन्मूलन का औचित्य सिद्ध करती है।''

प्रश्न:

(i) थॉमस जेफरसन कौन थे? 1

(ii) थॉमस जेफरसन को क्यों जाना जाता था? 1

(iii) मूल अमेरिकियों के बारे में उनके क्या विचार थे? 2

31. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेंजी की कथा

मुरासाकी शिकिबु (Murasaki Shikibu) द्वारा लिखी गई हेआन (Heian) राजदरबार की यह काल्पनिक डायरी दि टेल ऑफ दि गेंजी जापानी साहित्य में प्रमुख कथाकृति बन गई। इस काल में मुरासाकी जैसी अनेक लेखिकाएं उभरीं जिन्होंने जापानी लिपि का इस्तेमाल किया, जबकि पुरुषों ने चीनी लिपि का। चीनी लिपि का इस्तेमाल शिक्षा और सरकार में होता था। इस उपन्यास में कुमार गेंजी की रोमांचक जिंदगी दर्शायी गई और हेआन राजदरबार के अभिजात वातावरण की जीती जागती तस्वीर पेश की गई। इसमें

यह भी दिखाया गया है कि औरतों को अपने पति चुनने और अपनी जिंदगी जीने की कितनी आज़ादी थी।

प्रश्न :

(i) विभिन्न लेखकों द्वारा प्रयुक्त विभिन्न लिपियाँ कौन–सी थीं? 2

(ii) महिलाओं की स्वतंत्रता को दर्शाता है? 1

(iii) हीयन दरबार की काल्पनिक डायरी किसने लिखी थी? 1

खंड–ङ : मानचित्र आधारित प्रश्न

32. ऑस्ट्रेलिया के दिए गए रूपरेखा मानचित्र पर, निम्नलिखित को उपयुक्त चिह्न के साथ खोजें और लेबल करें:

(i) ऑस्ट्रेलिया की राजधानी और ऑस्ट्रेलिया का सबसे उत्तरी शहर 2

(ii) पर्थ और सिड्नी 2

32. नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल प्रश्न संख्या के स्थान पर दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए हैं–

(i) ऑस्ट्रेलिया के किन्हीं दो शहरों के नाम लिखिए। 2

(ii) ऑस्ट्रेलिया की राजधानी क्या है। 2

उत्तरतालिकाः अभ्यास प्रश्न पत्र–2 (2022–23)

समयः 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

हल

1. d-a, b, c और d
2. 3, 4
3. C-I और II दोनों सही हैं
4. b-I, III
5. C-4 gm
6. d-मार्क ब्लॉक
7. a-उरुक शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर।
8. C-कॉपरनिकस–फ्रांस
9. d-1644 ई.
10. b-दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
11. b-दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
12. a-चंगेज़ खान
13. a किसी से संबंधित नहीं
14. क्योटो
15. (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही है और कारण (R) अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण है।
16. (b) b, c, a, D
17. (a) लाल पत्थर
18. (b) उरुक
19. चांग काई शेक
20. (c) कॉन्स्टैनटाइन
21. निम्नलिखित कारणों ने चंगेज खान को मंगोल जनजातियों को नए सामाजिक और सेन्य समूहों में विभाजित करने के लिए मजबूर कियाः

- मंगोल स्टेपी क्षेत्र के निवासी थे। उनकी अपनी अलग पहचान थी। इसलिए उन्हें अन्य जनजातियों के संपर्क में जाने के लिए चंगेज खान ने यह कदम उठाया।
- मंगोल साहसी लोग थे। इस प्रकृति के कारण, चंगेज खान ने उन्हें सैन्य समूहों में संगठित किया और एक दुर्जेय सेना की स्थापना की। एक मजबूत सैन्य संगठन व्यापार में भी बहुत मददगार हो सकता है।
- चंगेज खान के बचपन के अनुभव भी मंगोल जनजातियों के विखंडन के लिए जिम्मेदार थे। बचपन में चंगेज खान को खुद बहुत कुछ सहना पड़ा था।

22. मानवतावाद–पन्द्रहवीं शताब्दी में उन अध्यापकों के लिए प्रयुक्त जो अलंकार शास्त्र, कविता, इतिहास, नीतिदर्शन विषय पढ़ाते थे, हयूमेनितिज शब्द से बना।
    - ऐसे विषय जो धार्मिक न होकर चर्चा और वाद–विवाद से विकसित हो।
    - मानव को मानव होने के नाते सम्मान देना।
    - यथार्थवाद–शरीर विज्ञान, रेखा गणित, भौतिकी और सौन्दर्य की उत्कृष्ट भावना ने इतावली कला को नया रूप दिया जिसे यथार्थवाद कहते हैं।

23. सरकार का मानना था कि ऑस्ट्रलिया में भूमि किसी की नहीं थी और इसलिए यूरोपीय लोगों द्वारा अधिग्रहण के लिए स्वतंत्र थी। यूरोप के बसने वालों ने जमीन हथियाना 'सभी के लिए स्वतंत्र' माना। मूल निवासियों के अस्तित्व को ही नजरअंदाज कर दिया गया था। इसलिए, ऑस्ट्रेलिया में मूल लोगों को इतिहास की किताबों से बाहर रखा गया था।

24. • सन–यात–सेन आधुनिक चीन के संस्थापक माने जाते हैं।
    - उन्होंने चिकित्सा की पढ़ाई की। चीन के भविष्य को लेकर चिंतित थे।
    - सनयात सेन का कार्यक्रम तीन सिद्धान्त (सन मिपन मिन चुई)–राष्ट्रवाद एवं साम्राज्यवादियों को सत्ता से हटाना।
    - समाजवाद लाना जो पूंजी का नियमन करे और भू–स्वामित्व में बराबरी लाये।
    - सनयात सेन के विचार कुआमीनतांग के राजनीतिक दर्शन का आधार बने।
    - कपड़ा, खाना, घर और परिवहन।

25. फ्रांस में क्रांति से पहले, एक समय जिसे प्राचीन शासन के रूप में जाना जाता था, समाज को तीन अलग–अलग वर्गों में विभाजित किया गया था, जिन्हें थ्री एस्टेट्स के रूप में जाना जाता था। फर्स्ट एस्टेट पादरी थे, जो लोग थे, जिनमें पुजारी भी शामिल थे, जो कैथोलिक चर्च और देश के कुछ पहलुओं को चलाते थे।

26. (i) औद्योगिकरण से जापान में अरगजी का जहर फैला गया जिससे बड़ी कष्टप्रद बीमारी होती थी। पारे का जहर फैला। वृक्षों की अत्यधिक कटाई, वायु, प्रदूषण।

(ii) जापान में सरकारी, कार्यवाही एवं नए कानून बनाने से प्रदूषण मुक्त जापान बना।

(iii) छात्र के विचार।

27. यूनानी भाषा का शब्द मेसोस–मध्य तथा पोटमोस–दो नदियों के मध्य (दजला–फरात के मध्य का स्थान) शहरीकरण के कारण समृद्ध खाद्य संसाधन उन्नत व्यापार

- श्रम विभाजन व विशिष्टीकरण
- कुशल परिवहन व्यवस्था
- लेखन कला का विकास
- सामाजिक संगठन

28. दक्षिण क्षेत्र की जलवायु स्थिति बहुत गर्म थी। यूरोपीय लोग बाहर काम करने में सक्षम नहीं थे। उनका मुख्य उद्देश्य दासों को श्रमिकों के रूप में नियुक्त करना था। दक्षिण अमेरिकी उपनिवेशों के मूल निवासी जिन्हें गुलाम बनाया गया था, बड़ी संख्या में मारे गए थे। नतीजतन, बागान मालिकों ने अफ्रीका में दास खरीदे। गुलामी विरोधी समूहों द्वारा व्यापक विरोध किया गया जिसके कारण दास व्यापार पर प्रतिबंध लगा दिया गया। लेकिन अमरीका में रहने वाले अफ्रीकी गुलाम बने रहे।

उत्तर की अर्थव्यवस्था दक्षिण से बिल्कुल अलग थी। अमेरिकी के उत्तरी राज्यों ने इस प्रथा के खिलाफ आवाज उठानी शुरू कर दी। लेकिन दक्षिणी राज्यों ने इसे खत्म करने में कोई दिलचस्पी नहीं दिखाई। इससे दोनों के बीच युद्ध छिड़ गया। यह युद्ध चार साल तक यानी 1861 से 1865 तक चला। इस युद्ध में उत्तरी राज्य विजयी हुए। इसलिए, गुलामी की संस्था को अंततः समाप्त कर दिया गया। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति अब्राहम लिंकन ने गुलामी के उन्मूलन में उल्लेखनीय भूमिका निभाई।

29. • शाब्दिक अर्थ पुनर्जन्म या फिर से जागना।

• 14वीं–15वीं शताब्दियों में होने वाले सांस्कृतिक परिवर्तनों के लिए प्रयुक्त जो सर्वप्रथम इटली में हुए।

• प्रिंटिंग प्रेस की भूमिका

• अधिक और सस्ती पुस्तकें उपलब्ध

• पुस्तकों द्वारा ज्ञान का तीव्र प्रसार

• क्लासिकी ग्रंथों को आम लोगों तक पहुँच विचारों, मतों व ज्ञान का तीव्र प्रसार

• लोगों द्वारा तर्क के मार्ग का अनुसरण।

30. (i) थॉमस जेफरसन यूएसए के तीसरे राष्ट्रपति थे।

(ii) थॉमस जेफरसन एक प्रसिद्ध लेखक थे। उन्होंने ''स्वतंत्रता की घोषणा'' पुस्तक लिखी।

(iii) थॉमस जेफरसन हमेशा मूल अमेरिकियों के पक्ष में थे। उनका विचार था कि इस दुर्भाग्यपूर्ण जाति ने दूसरों को सभ्य बनाने के लिए बहुत कुछ झेला है।

31. (i) महिला लेखकों ने जापानी लिपि में लिखा जबकि पुरुष लेखकों ने चीनी लिपि में लिखा। चीनी लिपि का प्रयोग शिक्षा और प्रक्षासनिक कार्यों के लिए भी किया जाता था।

(ii) अपने पति को चुनने और अपना जीवन जीने का अधिकार महिलाओं की स्वतंत्रता को दर्शाया है।

(iii) मुरासाकी शिकिबू।

32.

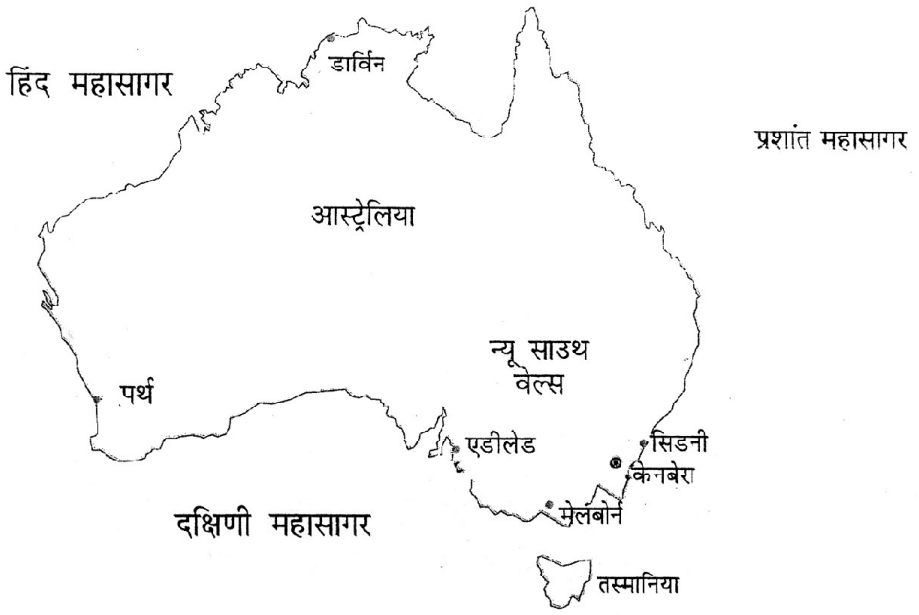

32. (i) कैनबेरा

(ii) पर्थ और सिड्नी

1. *Clay tablets c.3200 BCE. Each tablet is 3.5 cm or less in height, with picture-like signs (ox, fish, grain, boat) and numbers ( )*

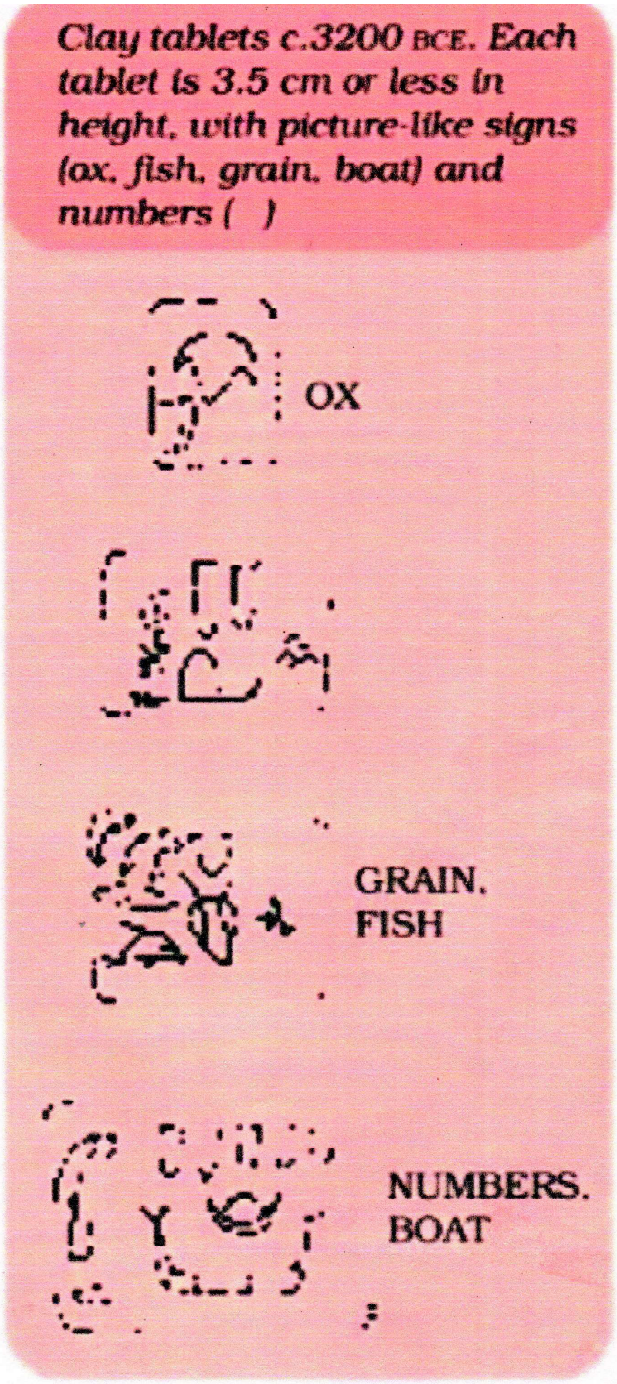

The Warka Head (वार्का शीर्ष)

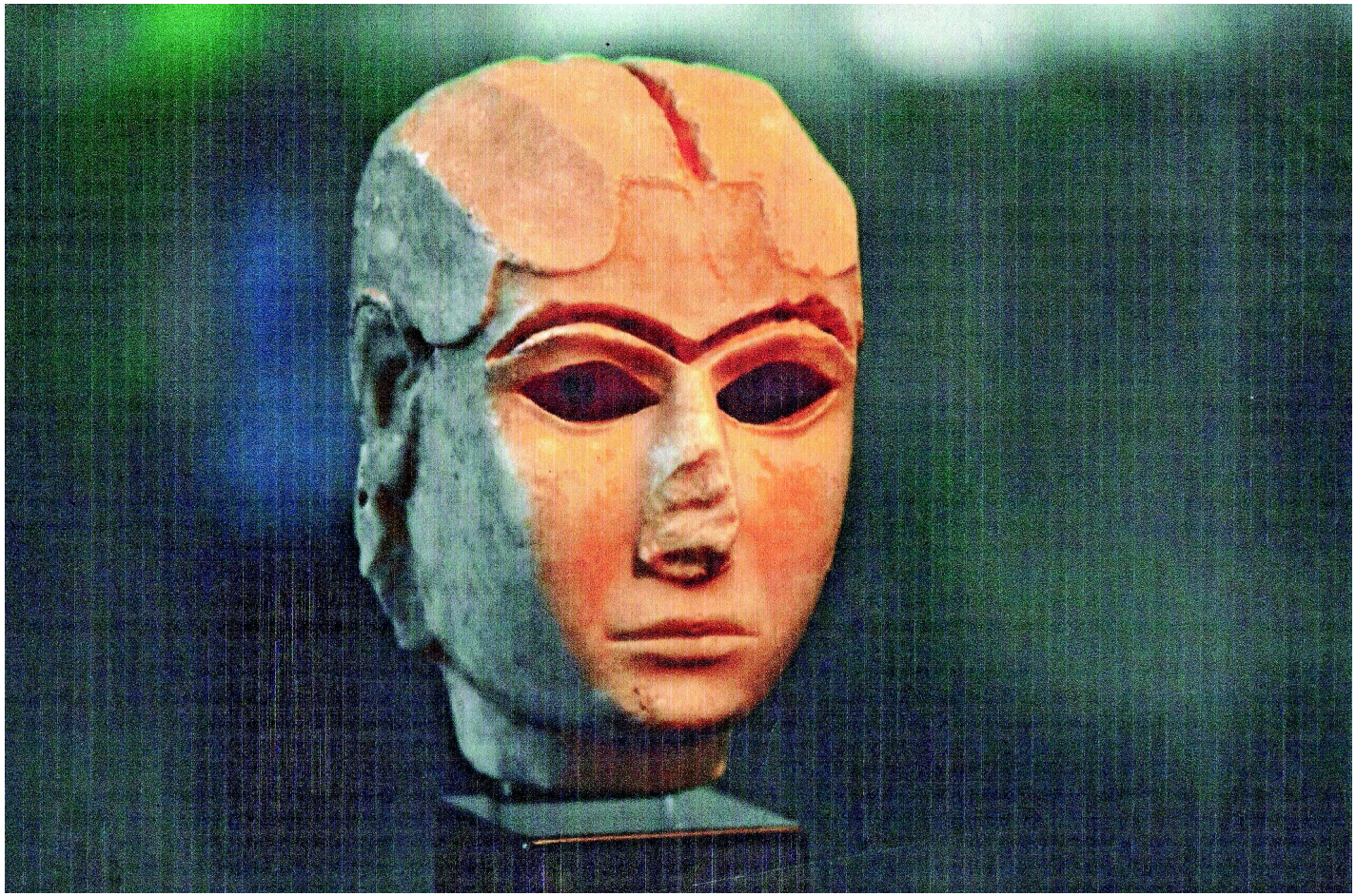

The Seal – An Urban Artefact

In India, early stone seals were stamped. In Mesopotamia until the end of the first millennium BCE, cylindrical stone seals, pierced down the centre, were fitted with a stick and rolled over wet clay so that a continuous picture was created. They were carved by very skilled craftsmen, and sometimes carry writing: the name of the owner, his god, his official position, etc. A seal could be rolled on clay covering the string knot of a cloth package or the mouth of a pot, keeping the contents safe. When rolled on a letter written on a clay tablet, it became a mark of authenticity. So the seal was the mark of a city dweller's role in public life.

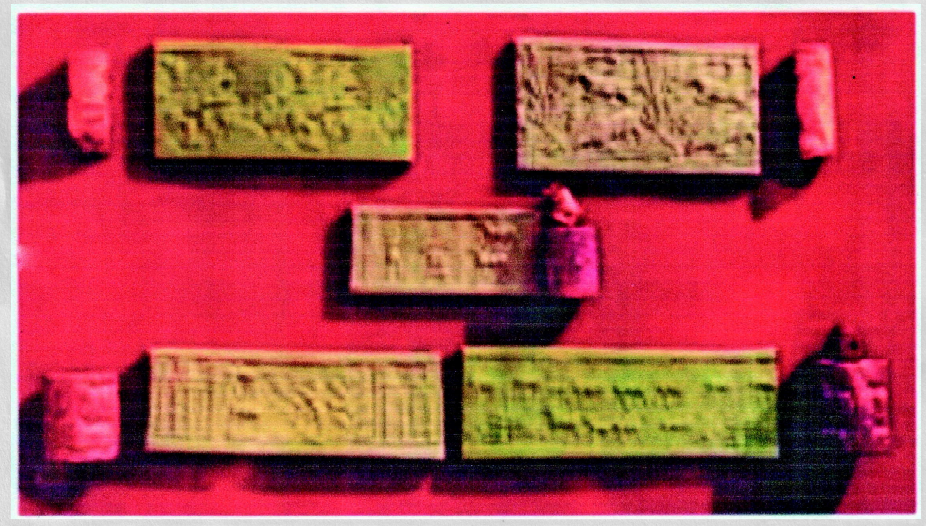

Five early cylinder seals and their impressions.
Describe what you see in each of the impressions. Is the cuneiform script shown on them?

The Warka Head (वार्का शीर्ष)

A MANORIAL ESTATE (England, 13th century)

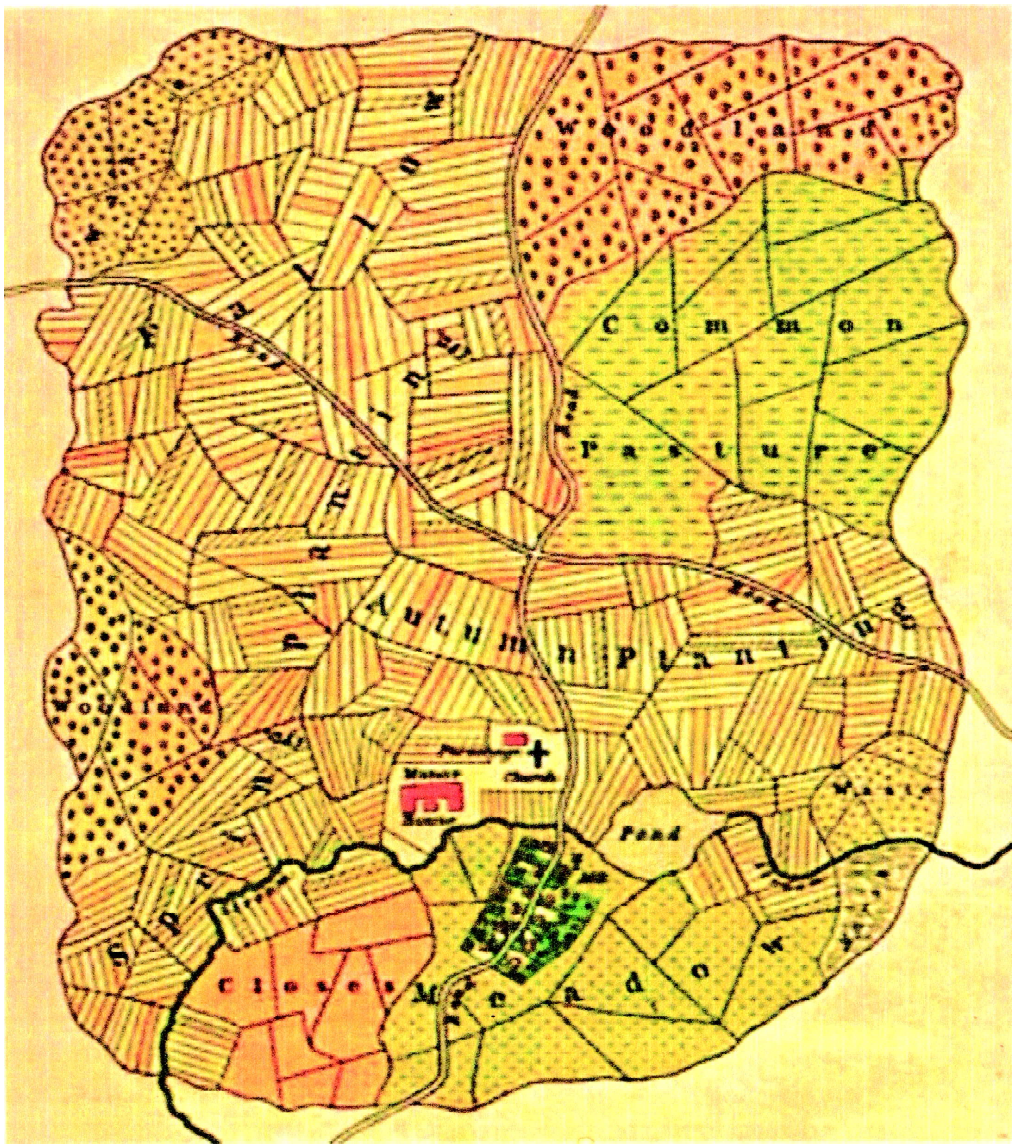

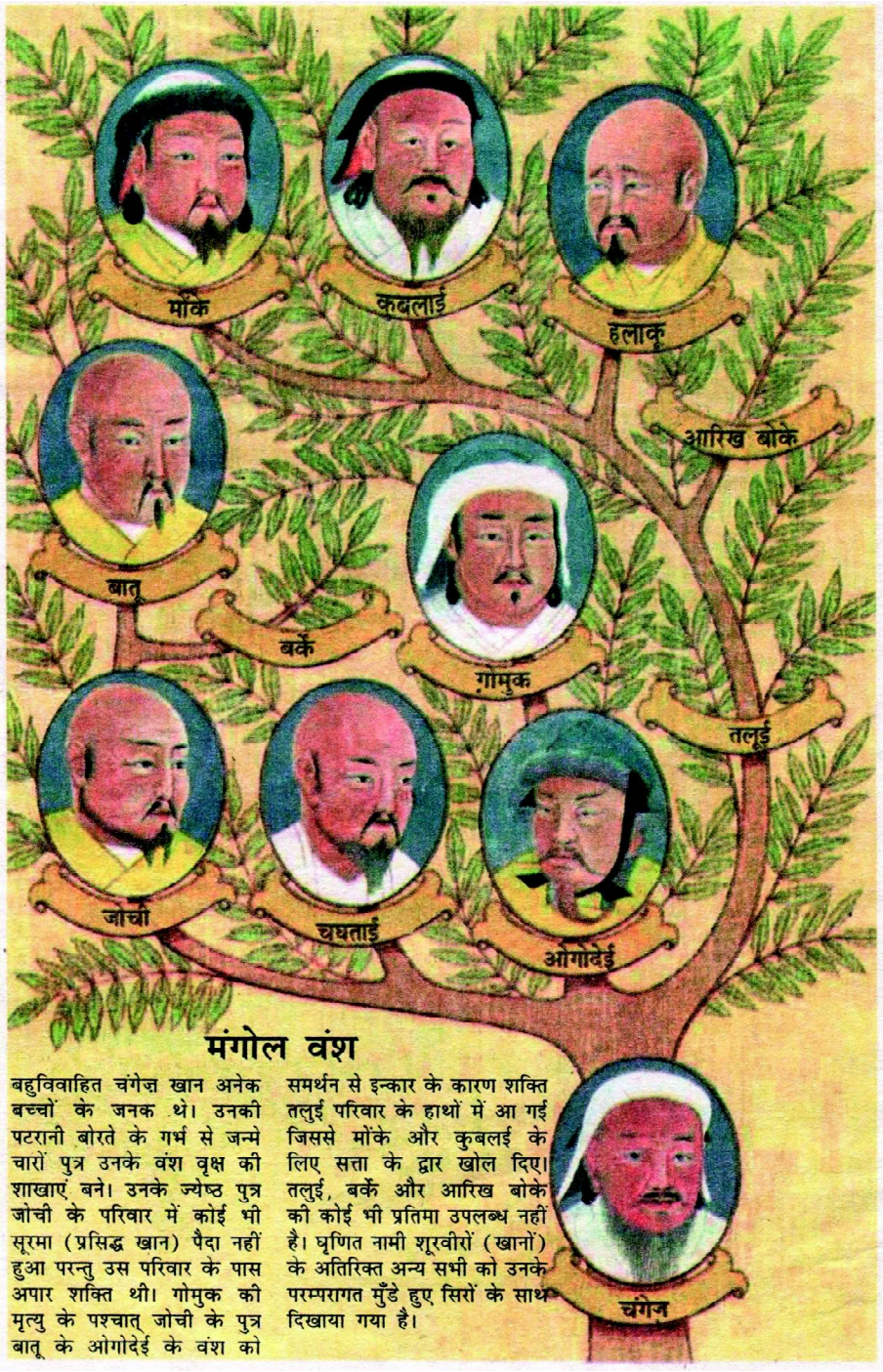

मंगोल वंश

बहुविवाहित चंगेज़ खान अनेक बच्चों के जनक थे। उनकी पटरानी बोरते के गर्भ से जन्मे चारों पुत्र उनके वंश वृक्ष की शाखाएं बने। उनके ज्येष्ठ पुत्र जोची के परिवार में कोई भी सूरमा (प्रसिद्ध खान) पैदा नहीं हुआ परन्तु उस परिवार के पास अपार शक्ति थी। गोमुक की मृत्यु के पश्चात् जोची के पुत्र बातू के ओगोदेई के वंश को समर्थन से इन्कार के कारण शक्ति तलुई परिवार के हाथों में आ गई जिससे मोंके और कुबलई के लिए सत्ता के द्वार खोल दिए। तलुई, बर्के और आरिख बोके की कोई भी प्रतिमा उपलब्ध नहीं है। घृणित नामी शूरवीरों (खानों) के अतिरिक्त अन्य सभी को उनके परम्परागत मुँडे हुए सिरों के साथ दिखाया गया है।

MONGOL EMPIRE

THE GREAT ALL OF CHINA (चीन की महान दीवार)

SALISBURY CATHEDRAL ENGLAND

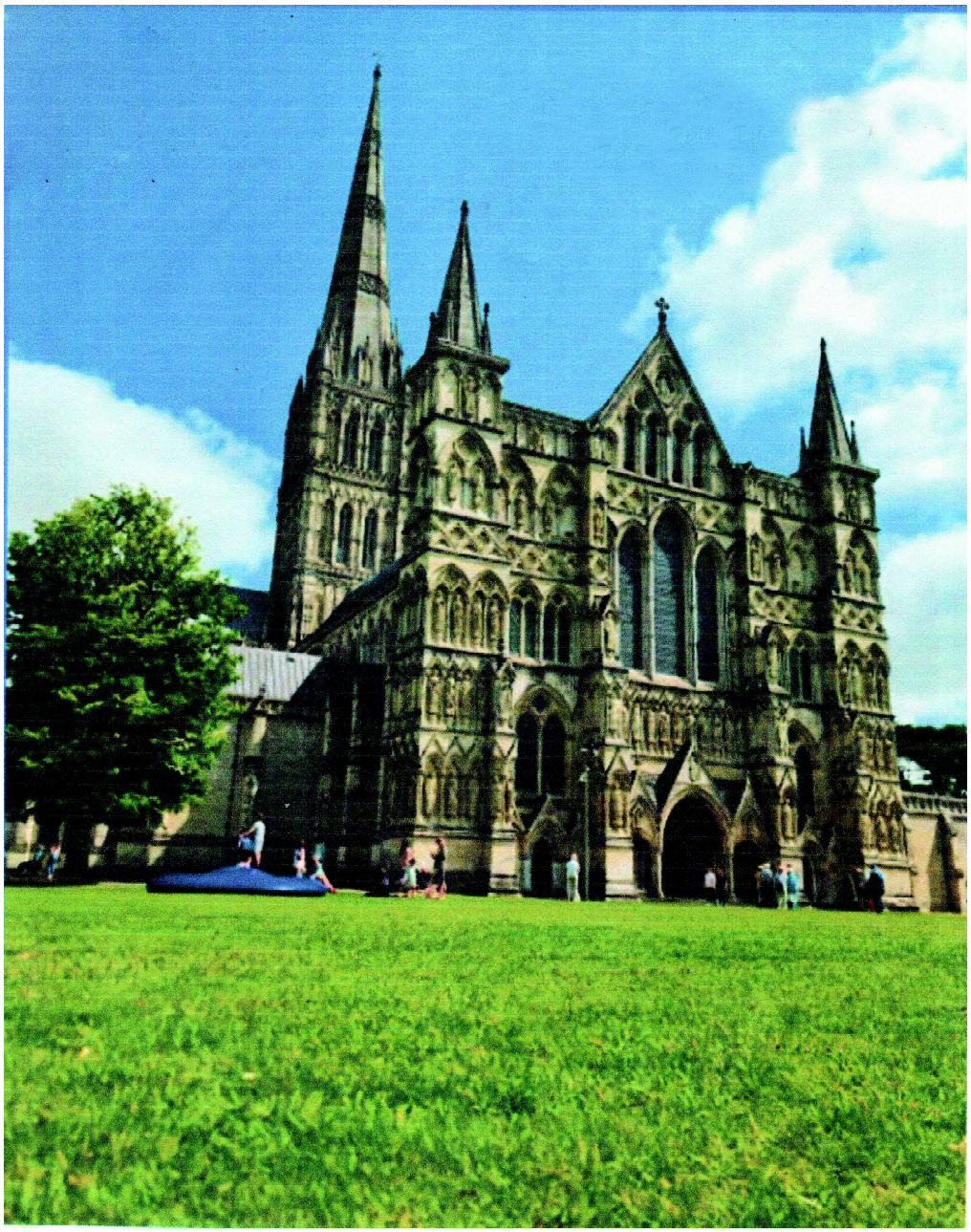

'The Pieta' by Michelangelo deptchs
Mary hording this body of Jesus

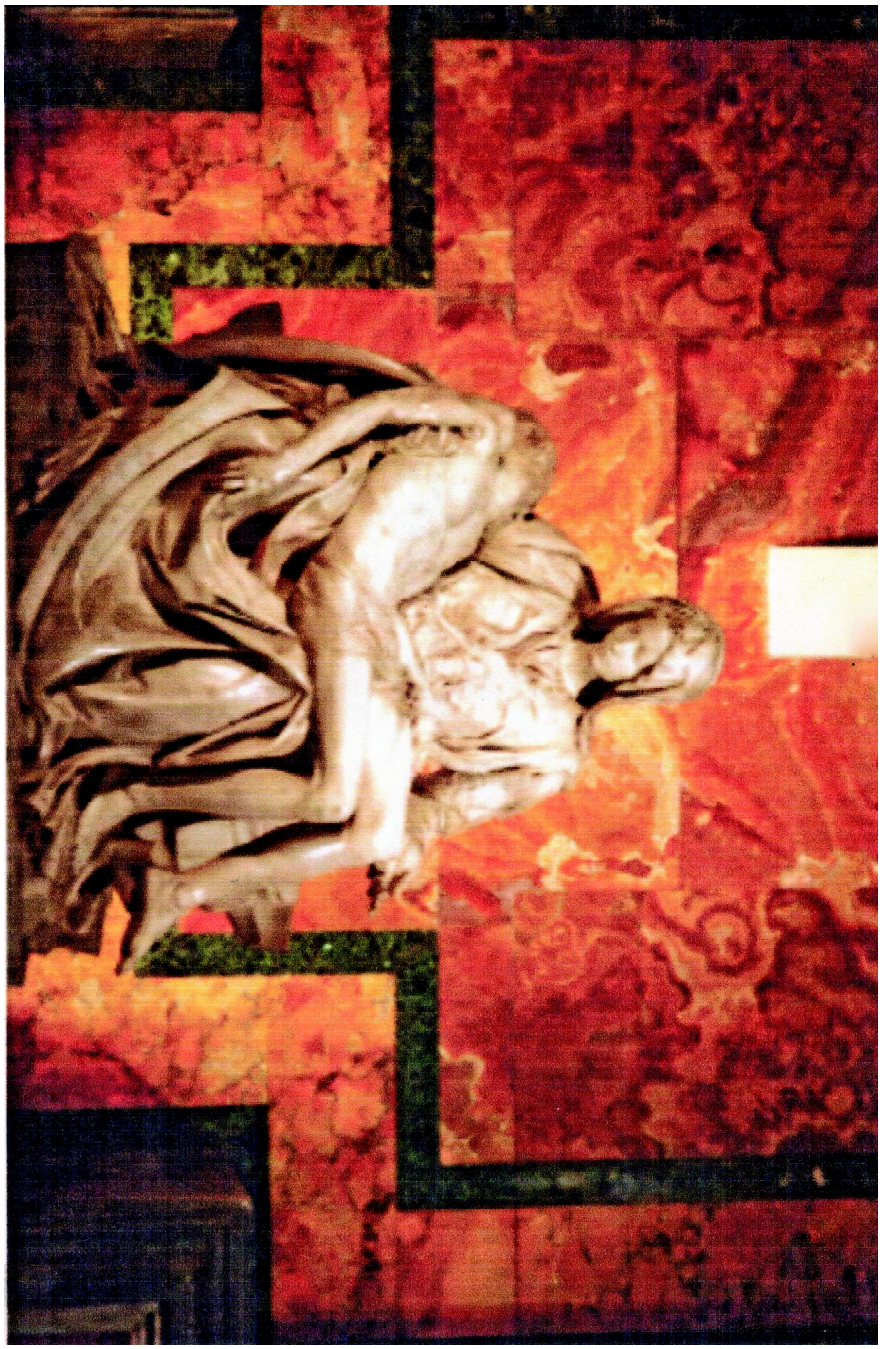

St Michael's Benedictine abbey in Farnborough, England

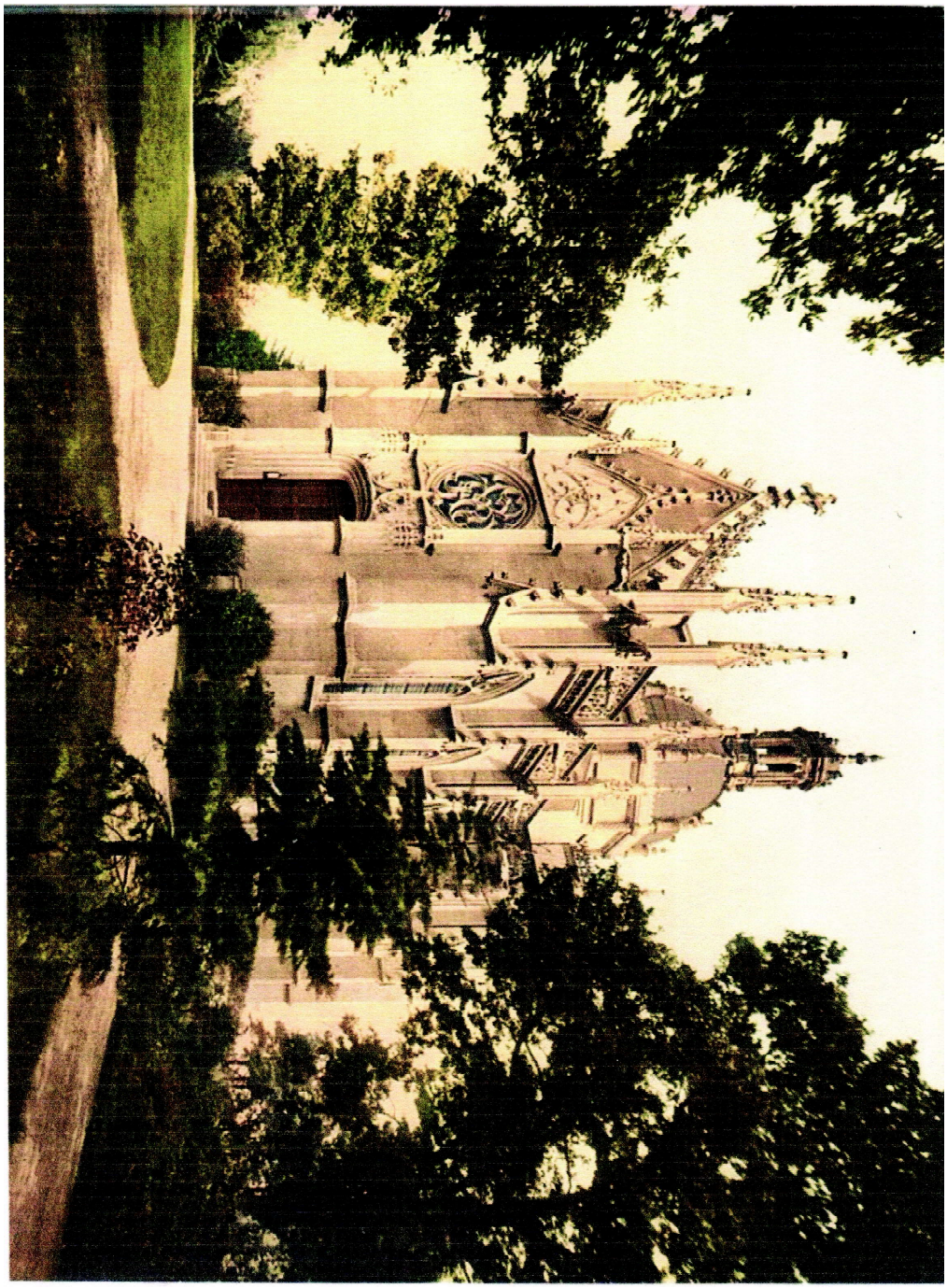

Part of Colossal Status of Emperor Constanting, 313 CE

The Duomo, the dome of Florence Cathedral Designed by Brunelleschicathedral designed by Bruhelleschi

'Praying Hands', Brush Drawing by Durer, 1508

JAPANESE DEPICTION OF PERRY'S BLACK SHIP

JAPANESE TERRITORIES (1941)

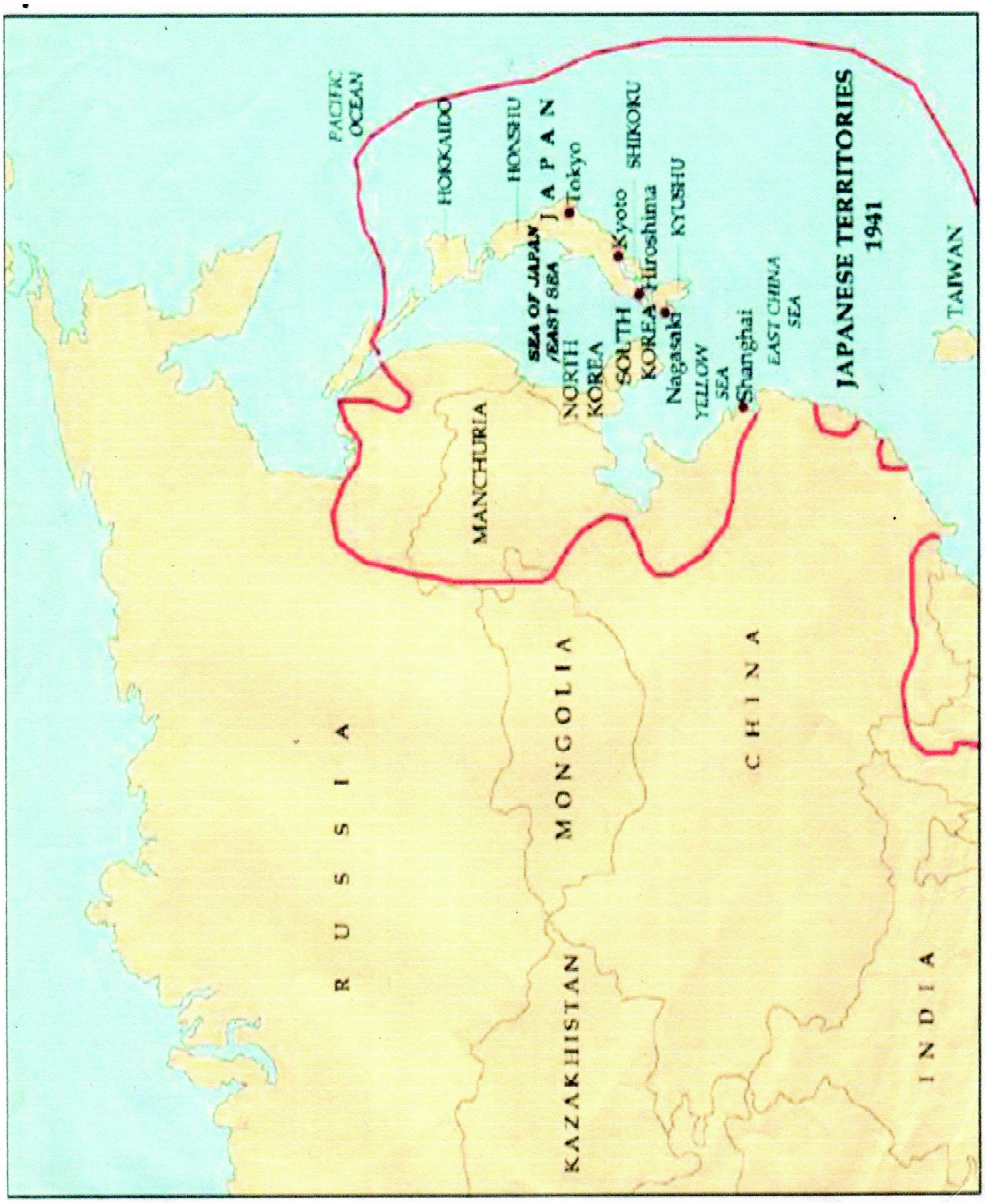

अभ्यास प्रश्न पत्र (2022-23)

समयः 3 घंटे **अधिकतम अंक 80**

सामान्य निर्देशः

(i) प्रश्न पत्र में पांच खंड (क, ख, ग, घ और ङ) और 34 प्रश्न हैं। सभी प्रश्न अनिर्वाय हैं।

(ii) खंड कः प्रश्न संख्या 1–21 तक बहुविकल्पिय प्रश्न हैं, जो 1 अंक के हैं।

(iii) खंड खः प्रश्न संख्या 22 से 27 लघु उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक प्रश्न 3 अंक का है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 60–80 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(iv) खंड ग–प्रश्न संख्या 28 से 30 दीर्घ उत्तरीय प्रश्न हैं, प्रत्येक में 8 अंकों का है। उत्तर 300–350 शब्दों से अधिक नहीं होना चाहिए।

(v) खंड घ–प्रश्न संख्या 31 से 33 स्रोत आधारित प्रश्न हैं और प्रत्येक प्रश्न 4 अंकों का है।

(vi) घंड ङ–प्रश्न संख्या 34 मानचित्र आधारित है, जिसमें 5 अंक हैं जिसमें महत्वपूर्ण परीक्षण वस्तुओं की पहचान शामिल है। मानचित्र को उत्तर पुस्तिका के साथ संलग्न करें।

(vii) प्रश्न पत्र में कोई समग्र विकल्प नहीं है। हालांकि, कुछ प्रश्नों में आंतरिक विकल्प प्रदान किया गया है। ऐसे प्रश्नों में से केवल एक का उत्तर दें।

(viii) इसके अलावा, जहां आवश्यक हो, प्रत्येक अनुभाग और प्रश्न के साथ अलग–अलग निर्देश दिए गए हैं।

खण्ड ख

बहुविकल्पिय प्रश्न (1–21)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

   a) मेसोपोटामिया में खनिज–संसाधनों का अभाव था।

   b) दक्षिण के अधिकांश भागों में औजार, मोहरें (मुद्राएँ) और आभूषण बनाने के लिए पत्थरों की कमी थी।

   c) इराकी खजूर और पोपलार के पेड़ों की लकड़ी, गाडियाँ, गाड़ियों के पहिए या नावें बनाने के लिए कोई खास अच्छी नहीं थी।

   d) औजार, पात्र या गहने बनाने के लिए कोई धातु वहाँ उपलब्ध नहीं थी।

   सही विकल्प चुनिएः

   a) a और b

   b) b और c

   c) a, b और c

   d) a, b, c और d

2. मेसोपोटामिया में बसे शहरों के प्रकार के बारे में क्या सही है–

   1. ये दो प्रकार के थे।

   2. बस्तियों के कलात्मक मंदिरों का विकास किया

   3. बस्तियाँ व्यापार के केंद्रों के रूप में विकसित हुई और

   4. बस्तियाँ साम्राज्यवादी बंदोबस्त या शहरों के रूप में विकसित हुईं

   (a) 1, 2, 3, 4

   (b) 2, 3, 4

   (c) 1, 2, 3

   (d) 3, 4

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिएः

I. मेसोपोटामिया की सबसे पुरानी ज्ञात भाषा सुमेरियन का स्थान, 2400 ई.पू. के बाद, धीरे–धीरे अक्कदी भाषा ने ले लिया।

II. अक्कदी भाषा में कीलाकार लेखन का रिवाज ईसवी सन् की पहली शताब्दी तक अर्थात् 2000 से अधिक वर्षों तक चलता रहा।

सही विकल्प चुनिएः

(a) I सही है

(b) II सही है

(c) I और II दोनों सही है

(d) I और II दोनों गलत हैं

4. किन नदियों ने उत्तर की ओर से रोमन साम्राज्य की सीमाएं बनाई?

I. राइन

II. फ़रात

III. डेन्यूब

IV. नील

a. I, II

b. I, III

c. II, III

d. I, IV

d. 5

5. रोमन चांदी के सिक्के, जिसे दीनार के रूप में जाना जाता है, का वजन शुद्ध चांदी का _____ ग्राम था।

a. 2

b. 3

c. 4

a. 5

6. उस विद्वान का नाम बताइए जिसने यह तर्क दिया कि इतिहास केवल राजनीतिक इतिहास के बारे में नहीं है बल्कि इसमें अंतर्राष्ट्रीय संबंध और महान लोगों के जीवन भी शामिल हैं।

   a. जेम्स कनिंघम

   b. अलेक्जेंडर कनिंघम

   c. जेम्स ब्लॉक

   d. मार्क ब्लॉक

7. सुमेरियन व्यापार की पहली घटना किस व्यक्ति से जुड़ी है?

   a. उरुक शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

   b. लेबनान शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

   c. नील शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

   d. अरल शहर के प्राचीन शासक, एनमेरकर

8. कौन–सा सही सुमेलित नहीं है?

   a. मार्टिन लूथर - जर्मनी

   b. थॉमस मूर - इंग्लैंड

   c. कॉपरनिकस - फ्रांस

   d. गैलीलियो - इटली

9. मांचू राजवंश चीन में स्थापित हुआ–

   a. 1368 ई.

   b. 145S ई.

   c. 1600 ई.

   d. 1644 ई.

10. निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों में, अभिकथन (A) और कारण (R) दिया गया है। सही विकल्प को इस रूप में चिह्नित करें:

(a) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) ग़लत है।

(d) (A) ग़लत है, लेकिन (R) सत्य है।

अभिकथन (A) : साम्यवादी कार्यक्रम की सफलता ने उम्मीद का वादा किया लेकिन दमनकारी राजनीतिक व्यवस्था ने मुक्ति और समानता के आदर्शों का ऐसी नारेबाजी में बदल दिया, जो लोगों के आदर्शों को ऐसी नारेबाजी में बदल दिया, जो लोगों को चालाकी से प्रभावित कर अपने काबू में लाने में काम आती थी।

कारण (R) : परंतु इससे शताब्दियों पुरानी असमानताएं नहीं हटी, शिक्षा का विस्तार हुआ और जनता के बीज एक जागरूकता पैदा नहीं हुई।

11. निर्देशः निम्नलिखित प्रश्नों में, अभिकथन (A) और कारण (R) दिया गया है। सही विकल्प को इस रूप में चिह्न करें:

(a) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, और (R) (A) की सही व्याख्या है।

(b) दोनों (A) और (R) सत्य हैं, लेकिन (R) (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) (A) सत्य है, लेकिन (R) ग़लत है।

(d) (A) ग़लत है, लेकिन (R) सत्य है।

अभिकथन (A): 1894-95 में जापान के साथ हुई लड़ाई में ताइान, चीन द्वारा जापान को सोंपा गया और तब यह जापानी उपनिवेश था।

कारण (R) : कायरो घोषणापत्र (1943) और पोट्सडैम उद्घोषणा (1949) के द्वारा चीन को संप्रभुता वापस मिली।

12. ओगोदेई किसका पुत्र था?

    a) चंगेज खाँ

    b) अरब खाँ

    c) त्यांगसीन

    d) अली

13. 'टेरा न्यूलियस' शब्द का अर्थ है:

    (a) किसी से संबंधित नहीं

    (b) मिलने का स्थल

    (c) गांव

    (d) दक्षिणी महासागर में भूमि

14. शोगुनों की राजधानी का नाम क्या था?

15. नीचे दो कथन दिए गए हैं, एक को अभिकथन (A) के रूप में है और दूसरे को कारण (R) के रूप में दर्शाया गया है।

    अभिकथन (A): 1853 में, संयुक्त राज्य अमेरिका ने कमोडोर मैथ्यू पेरी के जापान भेजा कि सरकार एक संधि पर हस्ताक्षर करे।

    कारण (R) : उस समय, केवल एक पश्चिमी देश था जो जापान के साथ कारोबार करता था।

    सही विकल्प चुनें

    (a) अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं, और कारण (R) अभिकथन (A) और कारण (R) सही हैं, लेकिन कारण (R)

    अभिकथन (A) का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

    (c) केवल अभिकथन (A) सही है।

    (d) केवल कारण (R) सही है।

16. कालक्रम के अनुसार सबसे पुरानी घटना बताइए–

(a) चीनी कम्युनिस्ट पार्टी की स्थापना

(b) पहला अफीम युद्ध

(c) मेंजी पुनः स्थापना

(d) लांग मार्च

17. लापिस लाजुली एक ..... था।

(a) लाल पत्थर

(b) अनाज के प्रकार

(c) मुद्रा की तरह

(d) नीला पत्थर

18. कहा जाता है कि गिल्गेमिश ने जिस शहर पर शासन किया था, वो था

(a) उर

(b) उरुक

(c) मारी

(d) सूसा

19. चीनी गणराज्य के पहले राष्ट्रपति ..... थे।

20. दिए गए विकल्पों में से सही जवाब चुनें। रोमन सम्राट जिसने सोने का सिक्का चलाया था

(a) ऑगस्टस

(b) ऑक्टेवियन

(c) कॉन्स्टैनटाइन

(d) डायोक्लीशियन

21. कैमपेनिया किस लिए प्रसिद्ध था?

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर लिखिए: 4*4 = 16

खण्ड ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (22–27)

22. चंगेज खान ने मंगोल जनजातियों को नए सामाजिक और सैन्य समूहों में विभाजित करने की आवश्यकता क्यां महसूस की?

23. पुनर्जागरण काल में मानवतावाद एवं यथार्थवाद से क्या अभिप्राय है?

24. ऑस्ट्रेलियाई मूल के लोगों के इतिहास को इतिहास की किताबों से बाहर क्यों रखा गया?

25. सन–यात–सेन कौन थे? उनके सिद्धान्तों की विवेचना कीजिए जिसने चीन में गणतन्त्र की स्थापना में योगदान दिया।

26. फ्रांसीसी समाज के प्रथम वर्ग पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

27. प्राकृतिक उर्वरता तथा खाद्य उत्पादन के उच्च स्तर ही आरम्भ में शहरीकरण के कारण थे– समीक्षात्मक विश्लेषण।

खण्ड–ग

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (28-30)

28. पश्चिमी रोमन साम्राज्य के पतन के बाद इतालवी संस्कृति कैसे पुनर्जीवित हुई?

या

सत्रहवी शताब्दी के यूरोपीयन लोगों को दुनिया कैसे अलग दिखाई दी? इसका सावधानीपर्वूक विवरण लिखें।

29. द्वितीय विश्व युद्ध में हार के बाद जापान विश्व की आर्थिक शक्ति के रूप में फिर से कैसे उभरा?

या

प्रथम विश्व युद्ध के बाद चीन में राष्ट्रवादी आंदोलन की विशेषताओं की चर्चा कीजिए।

30. ''मैसोपोटामिया समाज के विभिन्न वर्गों के बीच एक बड़ी असमानता थी''। समझाइए।

या

आप संयुक्त राज्य अमेरिका के विस्तार की व्याख्या कैसे करेंगे? संयुक्त राज्य अमेरिका में कृषि के विकास की भी चर्चा कीजिए।

खण्ड घ

मानचित्र पर आधारित प्रश्न (31–33)

31. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

बेनेडिक्टीन (Bendedictine) मठों में, भिक्षुओं के लिए एक हस्तलिखित पुस्तक होती थी जिसमें नियमों के 73 अध्याय थे। इसका पालन भिक्षुओं द्वारा कई सदियों तक किया जाता रहा। इस पुस्तक के कुछ नियम इस प्रकार हैं:

अध्याय 6: भिक्षुओं को बोलने की आज्ञा कभी–कभी ही दी जानी चाहिए।

अध्याय 7: विनम्रता का अर्थ है आज्ञा पालन।

अध्याय 33: किसी भी भिक्षु को निजी संपत्ति नहीं रखनी चाहिए।

अध्याय 47: आलस्य आत्मा का शत्रु है, इसलिए भिक्षु और भिक्षुणियों को निश्चित समय में शारीरिक भ्रम और निश्चत घंटों में पवित्र पाठ करना चाहिए।

अध्याय 48: मठ इस प्रकार बनाने चाहिए आवश्यकता की सभी वस्तुएं जैसे उद्यान, कार्यशाला सभी उसकी सीमा के अंदर हों।

(i) उपरोक्त नियम किनके लिए बनाए गए थे।

(ii) आलस्य को समाप्त करने के लिए क्या करना चाहिए?

(iii) विनम्रता का क्या अर्थ है?

32. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

गेंजी की कथा

मुरासाकी शिकिबु (Murasaki Shikibu) द्वारा लिखी गई हेआन (Heian) राजदरबार की यह काल्पनिक डायरी दि टेल ऑफ दि गेंजी जापानी साहित्य में प्रमुख कथाकृति बन गई। इस काल में मुरासाकी जैसी अनेक लेखिकाएँ उभरी जिन्होंने जापानी लिपी का इस्तेमाल किया, जबकि पुरुषों ने चीनी लिपि का। चीनी लिपि का इस्तेमाल शिक्षा और सरकार में होता था। इस उपन्यास में कुमार गेंजी की रोमांचक जिंदगी दर्शायी गई और हेआन राजदरबार के अभिजात वातावरण की जीती जागती तस्वीर पेश की गई। इसमें यह भी दिखाया गया है कि औरतों को अपने पति चुनने और अपनी जिंदगी जीने की कितनी आजादी थी।

प्रश्न:

(i) विभिन्न लेखकों द्वारा प्रयुक्त विभिन्न लिपियाँ कौन–सी थी।

(ii) महिलाओं की स्वतंत्रता को क्या दर्शाता है?

(iii) हीयन दरबार की काल्पनिक डायरी किसने लिखी थी?

33. नीचे दिए गए स्रोत को पढ़िए और नीचे दिए गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

निकोलो मैक्यिावेली (Niccolo Machiavelli) अपने ग्रंथ दि प्रिंस (1513) के पंद्रहवें अध्याय में मनुष्य के स्वभाव के बारे में लिखते हैं–

> ''काल्पनिक बातों को यदि अलग कर दें और केवल उन्हीं विषयों के बारे में सोचें जो वास्तव में हैं, मैं यह कहता हूँ कि जब भी मनुष्यों के बारे में चर्चा होती है (विशेषकर राजकुमारो के बारे में, जो जनता की नजर में रहते हैं) तो इनमें अनेक गुण देखे जाते हैं जिनके कारण वे प्रशंसा या निंदा के योग्य बने हैं। उदाहरण के लिए, कुछ को दानी माना जाता है और अन्य को कंजूस। कुछ लोगों को हितैषी माना जाता है तो अन्य को लोभी कहा जाता है; कुछ निर्दयी और कुछ दयालु। एक व्यक्ति अविश्वसनीय और दूसरा विश्वसनीय; एक व्यक्ति पौरुषहीन और कायर; दूसरा खूँखार और साहसी; एक व्यक्ति शिष्ट दूसरा घमंडी; एक व्यक्ति कामुक दूसरा पवित्र; एक निष्कपट दूसरा चालाक; एक अड़ियल दूसरा लचीला; एक गंभीर दूसरा छिछोरा; एक धार्मिक दूसरा संदेही इत्यादि।
>
> मैक्यिावेली यह मानते थे कि 'सभी मनुष्य बुरे हैं और वह अपने दुष्ट स्वभाव को प्रदर्शित करने में सदैव तत्पर रहते हैं क्योंकि कुछ हद तक मनुष्य की इच्छाएँ अपूर्ण रह जाती हैं।' मैक्यिावेली ने देखा कि इसके पीछे, प्रमुख कारण है कि मनुष्य अपने समस्त कार्यों में अपना स्वार्थ देखता है।''

(i) द प्रिन्स की रचना किसने की?

(ii) मनुष्य के बुरे होने के क्या कारण लेखक द्वारा बताए गए हैं?

(iii) मनुष्य के कौन–से स्वभाव का वर्णन यहाँ किया गया है।

खण्ड ङ

मानचित्र पर आधारित प्रश्न (34)

34. एशिया के दिए गए रूपरेखा मानचित्र पर, निम्नलिखित को उपुयक्त चिह्न के साथ खोजें और लेबल करें:

(i) मॉस्को, निशापुर, तुर्फान (कोई दो)

(ii) दज़ला, फ़रात

नोटः निम्नलिखित प्रश्न केवल संख्या के स्थान पर दृष्टिबाधित उम्मीदवारों के लिए हैं

(i) दो शहरों के नाम लिखिए जहां मंगोल आक्रमण हुए।

(ii) मेसोपोटामिया की दो सबसे महत्वपूर्ण नदियों के नाम लिखिए।